राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 190 पटना (बिहार) सोमवार,12 मई 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

4 दिनों तक चले ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान में भारी तबाही, भारत का पलड़ा भारी

दिल्ली व्यूरो

दिल्ली :भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन तक चले तेज सैन्य टकराव के बाद हुए युद्धविराम ने फिलहाल दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसी देशों को एक व्यापक युद्ध की कगार से पीछे खींच लिया है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत द्वारा 7 मई को आतंकियों के खिलाफ शुरू किए गए जवाबी हमलों के बाद दोनों देशों के बीच मिसाइल, ड्रोन, लड़ाकू विमानों और आर्टिलरी के जरिये बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई हुई। हालांकि एलओसी पर पाकिस्तान द्वारा युद्धविराम उल्लंघन की खबरें आ रही हैं, लेकिन कागजी तौर पर यह समझौता तनाव को थामने में सफल रहा है। रक्षा अधिकारियों के मुताबिक, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की आतंकवादी संरचनाओं, वायुसेना ठिकानों और सैन्य प्रतिष्ठानों को गहरे झटके दिए हैं। वहीं पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई को भारतीय सेना ने बड़ी हद तक निष्फल कर दिया। पाकिस्तान को भारी नुकसान :ऑपरेशन सिंदूर की शुरूआत 7 मई को तड़के हुई थी। भारत ने 26 मिनट के भीतर पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (ढङ्कङ) में 9 आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाकर लगभग 100 आतंकियों को मार गिराया। ये शिविर खुफिया सूचनाओं के आधार पर चुने गए थे, जो कई वर्षों से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलाने में सक्रिय थे। इनमें से 5 ठिकाने एलओसी से 9 से 30 किलोमीटर भीतर ढङ्कङ में थे, जबकि बाकी 6 से 100 किलोमीटर दूर पाकिस्तान के भीतर स्थित थे। हमलों में राफेल लड़ाकू विमानों से लॉन्च किए गए स्कैल्प क्रूज मिसाइल, हैमर स्मार्ट हथियार, ट777 हॉवित्जर से दागे गए एक्सकैलिबर गोला और कामिकाजे ड्रोन (लोइटरिंग म्यूनिशन) शामिल थे। पाकिस्तान के एयर डिफेंस को भारी क्षति :पाकिस्तान ने जवाब में उत्तर और पश्चिम भारत के 15 शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने मिसाइलों और ड्रोन हमलों को विफल कर दिया। इसके

बाद भारत ने लाहौर और कराची समेत कई स्थानों पर पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणालियों को तबाह कर दिया। भारतीय सेना ने इन हमलों के दौरान र-400, आकाश और बराक-8 वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों के अलावा अत्याधुनिक एंटी-ड्रोन तकनीक का उपयोग किया। रडार और कमांड सेंटर की नेटवर्क प्रणाली से खतरों की पहचान कर त्वरित प्रतिक्रिया दी गई। 10 मई की रात सबसे भीषण हमला :सबसे बड़ा नुकसान पाकिस्तान को 10 मई की रात झेलना पड़ा जब भारतीय वायुसेना ने रफीकी, मुरिद, चकलाला, रहीम यार खान, सुक्कुर, चूनियां, पसरूर और सियालकोट में आठ सैन्य ठिकानों पर हमला किया। ये हमले रातभर चले और इनमें पाकिस्तान की रडार इकाइयों, गोला-बारूद भंडार, कमांड सेंटर्स और तकनीकी संरचनाओं को ध्वस्त किया गया। पाक सेना की जवाबी कोशिशें बेकार :8-9 मई की रात पाकिस्तान ने 300-400 तुर्की निर्मित 'सोंगर' सशस्त्र ड्रोन से भारत के 36 स्थानों पर हमला करने की कोशिश की, जिसमें लद्दाख से लेकर गुजरात के सिर क्रीक तक के ठिकाने शामिल थे। लेकिन अधिकतर ड्रोन भारतीय सेना द्वारा मार गिराए गए। इसके बाद अगले दिन पाकिस्तान ने 26 और ठिकानों पर ड्रोन हमले किए, जिन्हें भारत ने अपने एयर डिफेंस से निष्फल किया। पाक की सैन्य क्षमता को करारा झटका :भारतीय वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा, ह्लस्कर्दू, सगोर्धा, जैकोबाबाद और भोलेरी जैसे महत्वपूर्ण एयरबेसों को भारी नुकसान पहुंचा है। रडार और वायु रक्षा हथियारों की क्षति से पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली पूरी तरह निष्क्रिय हो चुकी है.ह्व उन्होंने कहा कि एलओसी के पार भी सैन्य ढांचे, लॉजिस्टिक्स और नियंत्रण केंद्रों को सटीक तरीके से निशाना बनाया गया, जिससे पाकिस्तान की न तो रक्षा और न ही आक्रामक क्षमताएं प्रभावी रह गईं। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बाद शनिवार को दोनों देशों के बीच सीजफायर पर सहमति बन गई। अब भारत ने बताया है कि सीजफायर समझौते के लिए भारत द्वारा किए गए हवाई हमले टर्निंग पॉइंट साबित हुए। बता दें कि पहलगाम हमले के बाद आतंकियों के ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया

एक नजर

भीषण अग्निकांड में 50 घर जले, 7 गैस सिलिंडर ब्लास्ट;

क्राइम संवाददाता द्वारा

बेगूसराय :बेगूसराय में भीषण अग्निकांड से पूरा मोहल्ला तबाह हो गया। तेघड़ा थाना क्षेत्र के मधुरापुर दक्षिणबाड़ी टोला में आग लगने से 50 से अधिक घर जलकर राख हो गए। मधुरापुर दक्षिण टोले में स्थित आगलगी के स्थान पर अधिकतर जले घर दलित परिवारों का फूस का घर सहित लाखों का सामान जलकर राख हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची पांच अग्निशामक गाड़ियां घटना स्थल पर आग पर काबू पाया। इस दौरान ग्रामीणों के सहयोग से लगभग तीन घंटे के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग की लपटें देखते ही ग्रामीणों में चीख पुकार मच गई। हालांकि आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। बताया जा रहा है आग इतनी भयावह थी कि लोग जबतक कुछ समझ बुझ पाते गैस के सिलिंडर फटने लगे। भीषण आवाज के साथ एक के बाद एक करके 7 गैस सिलिंडर ब्लास्ट करने की बात बताई जा रही है।

आग लगने के बाद लोगों ने प्रशासन पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए शोर मचाते रहे। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार फोन करने के बाद दमकल पहुंची। पहला दमकल पहुंचने पर पता चला कि उसमें पानी ही कम है। कई लोगों ने यह आरोप लगाया कि इतनी बड़ी घटना में एसडीएम, बीडीओ या कोई अन्य अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचना मुनासिब नहीं समझा। कई ग्रामीणों ने बताया कि प्रखंड कार्यालय में दमकल रहते हैं। लेकिन तीन किलोमीटर की दूरी पर रहने के बाद भी एक घंटे बाद दमकल की गाड़ियां पहुंची। बाद में सीओ ने घटनास्थल पर पहुंचकर अगलगी का जायजा लिया। ग्रामीणों की नाराजगी थी कि अग्निशण के कर्मी प्रशिक्षित नहीं लग रहे थे। कई स्थानीय ग्रामीणों द्वारा पाइप पकड़कर आग बुझाने का काम कर रहे थे। ग्रामीणों ने बताया कि लगभग पचास से साठ घर में करीब 20 से 30 लाख की संपत्ति जलकर नष्ट हो गए। इसमें कई परिवारों का स्वर्ण आभूषण सहित नकदी भी जलकर नष्ट होने की बात कही जा रही है। सीओ रविशंकर ने बताया कि पूछ ताछ की जा रही है। तत्काल अग्निपीड़ितों को रहने और खाने की व्यवस्था करने किया जा रहा है। साथ ही तत्काल उपलब्ध व्यवस्था मुहैया कराया जा रहा है

सीजफायर के बाद विपक्ष के निशाने पर पीएम मोदी, तेजस्वी यादव ने संसद सत्र बुलाने की रखी मांग

संवाददाता द्वारा

पटनाः भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम की घोषणा के बाद जंग अब समाप्त हो चुकी है. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा कर पीएम मोदी से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है. विपक्ष का कहना है कि सरकार पहलगाम की आतंकी घटना से लेकर युद्ध विराम तक की पूरी जानकारी देश के सामने लाई जाए. तेजस्वी की पीएम मोदी से मांगः सीजफायर पर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सेना को धन्यवाद देने के लिए प्रधानमंत्री से संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजस्वी यादव ने इस पूरी घटना को लेकर बिंदु बार सदन में चर्चा की मांग की. पाकिस्तान को बताया 'आतंकिस्तान': अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहल के बाद दोनों देश सीजफायर के लिए सहमत हो गए. इस कदम के बाद भारतीय नेताओं की प्रतिक्रिया भी आनी शुरू हो गई है. प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में तेजस्वी यादव ने पाकिस्तान को आतंकिस्तान बताया है. सीजफायर पर बनी सहमतिः बीते 6 और 7 मई की मध्य रात्रि से शुरू हुई भारत और पाकिस्तान की लड़ाई 10 मई को अमेरिका की हस्तक्षेप के बाद खत्म हो गई. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान के बाद दोनों देशों ने युद्ध विराम पर सहमति जताई है. भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बताया कि शनिवार की दोपहर 3.35 बजे दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच बातचीत हुई, जिसमें यह फैसला लिया गया कि आज शाम पांच बजे से दोनों देश आकाश,जल और थल से तत्काल

हमले रोक देंगे. इसके साथ ही दोनों देशों के बीच सीजफायर हो गया. सरकार का किया था समर्थनः 7 मई को तेजस्वी प्रसाद यादव ने आतंकियों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई का खुलकर समर्थन किया था. वीडियो संदेश जारी कर तेजस्वी यादव ने कहा था भारत, भारतीयों और भारतीय सेना ने कभी भी अपने देश में किसी भी प्रकार के आतंकवाद और अलगाववाद को बर्दाश्त नहीं किया है और ना ही कभी करेंगे. ₹भारतीय सेना ने हर बार माताओं की कोख, बहनों की कलाई, और उनके माथे के सिंदूर की रक्षा की है. हम सत्य, अहिंसा और शांति को मानने वाले लोग है. आतंकवाद को पोसने वाले लोग यदि हमारी एकता, अखंडता और संप्रभुता पर प्रहार करेंगे तो हमें एकजुट होकर मुंह तोड़ जवाब देना आता है. आतंकवाद के विरुद्ध इस लड़ाई में 140 करोड़ भारतवासी भारतीय सेना और सरकार के साथ है.₹ -तेजस्वी यादव, नेता प्रतिपक्ष 7 मई से पाकिस्तान ने किया था हमलाः पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 7 मई से भारतीय सेना पाकिस्तान में कई आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमने किए हैं. भारत की सेना पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को लगातार निशाने पर रख हुई है. कल शाम दोनों देशों ने सीजफायर की घोषणा की है.

आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर फिर सीजफायर कांग्रेस ने विशेष सत्र बुलाने की मांग की

व्यूरो

दिल्ली : कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने पहलगाम आतंकवादी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम की घोषणाओं पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग दोहराया है. उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है. कांग्रेस ने विस्तृत चर्चा के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक सर्वदलीय बैठक की मांग भी की है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सरकार से कई सवाल पूछे. उन्होंने सवाल किए कि क्या नयी दिल्ली ने भारत एवं पाकिस्तान के बीच तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के लिए दरवाजे खोले हैं और क्या पाकिस्तान के साथ कूटनीतिक माध्यम खोले गए हैं. रमेश की यह टिप्पणी भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक सीमा पार से जारी रहे ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद शनिवार को तत्काल प्रभाव से जमीन, हवा और समुद्र पर सभी गोलेबारी और सैन्य कार्रवाइयों को रोकने पर सहमति बनने के आई. जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद के लिए तटस्थ मंच का उल्लेख अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो द्वारा किया जाना कई सवाल खड़े करता है. रमेश ने कहा, ह्लक्या हमने शिमला समझौते को छोड़ दिया है? क्या हमने तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के लिए दरवाजे खोल दिए हैं?ह्व उन्होंने कहा, ह्लभारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस यह पूछना चाहती है कि क्या भारत और पाकिस्तान के बीच राजनयिक चैनल दोबारा खोले जा रहे हैं? हमने पाकिस्तान से कौन सी प्रतिबद्धताएं मांगी हैं और हमें क्या मिला है? कांग्रेस नेता रमेश ने भारत और पाकिस्तान के बीच बनी सहमति पर दो पूर्व सेना प्रमुखों वी पी मलिक एवं मनोज नरवणे की कथित टिप्पणियों का भी उल्लेख किया

पाकिस्तान की गोलीबारी में शहीद हुए बिहार के लाल को राजकीय सम्मान

संवाददाता द्वारा

छपराः जम्मू-कश्मीर के आर.एस. पुरा सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से की गई गोलीबारी में बिहार के सारण जिले के बीएसएफ के सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज शहीद हो गए हैं. वह गरखा थाना क्षेत्र अंतर्गत नारायणपुर गांव के रहने वाले थे. सीमा पर देश की रक्षा करते हुए उन्होंने अंतिम सांस ली. अस्पताल में इम्तियाज ने तोड़ा दमः सीमा पर हुई इस गोलीबारी में अन्य जवान भी घायल हुए, जिन्हें इलाज के लिए सेवा अस्पताल में भर्ती कराया गया. वहीं इम्तियाज को बचाया नहीं जा सका और इलाज के दौरान वह शहीद हो गए. वह बीएसएफ की सीमा चौकी का नेतृत्व कर रहे थे और ड्यूटी पर तैनात थे. शहादत की खबर से गांव में शोक की लहरः इम्तियाज की शहादत की खबर जैसे ही उनके गांव पहुंची, पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई. ग्रामीणों ने बताया कि वे बेहद मिलनसार और नेकदिल इंसान थे. वे एक महीने पहले ही ईद पर अपने परिवार से मिलने आए थे और उन्होंने अपनों के साथ त्यौहार मनाया था. ₹सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज ने सरहद पर डटे रहकर देश के लिए प्राण न्योछावर किए. उनकी शहादत को हमेशा याद रखा जाएगा.₹-स्थानीय परिवार पर टूटा दुख का पहाड़ः शहीद इम्तियाज अपने पीछे दो बेटे, दो बेटियां और पत्नी को छोड़ गए हैं. उनके बड़े बेटे मोहम्मद इमरान बायोमेट्रिक इंजीनियर हैं और पटना के पीएमसीएच में कार्यरत हैं. जैसे ही उन्हें शहादत की सूचना मिली, वे तत्काल ट्रेन से जम्मू के लिए रवाना हो गए. राजकीय सम्मान के साथ होगी अंतिम विदाईः बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय जम्मू में आज रविवार को शहीद को श्रद्धांजलि दी जाएगी.

नीतीश कुमार ने एक लड़की को दी 11 लाख की साइकिल

बिशेष संवाददाता द्वारा

छपराः खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में बिहार के खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से सिर्फ पदक नहीं, लोगों का दिल भी जीत रहे हैं। हाल ही में छपरा की रहने वाली सुहानी कुमारी ने इंडिविजुअल परस्यूट साइकिलिंग स्पर्धा में पदक जीतकर राज्य को गर्वित किया है। अन्य खेलों में भी मेजबान खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में खेल के क्षेत्र में बिहार ने बीते दो दशकों में काफी तेजी से प्रगति की है। राज्य सरकार ने अपनी खेल नीति को सुदृढ़ किया है और खिलाड़ियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं और उनका लाभ लेकर आज राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। साइक्लिस्ट सुहानी ने भी राज्य सरकार की सहायता से अपने खेल को बेहतर किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें मुख्यमंत्री खेल छात्रवृति योजना की प्रेरणा श्रेणी के तहत चुना गया है। इतना ही नहीं उनकी उत्कृष्ट साइक्लिंग प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री ने उन्हें 11 लाख रुपए की साइकिल उपलब्ध कराई। खेल सुविधाओं के लिहाज से बीते कुछ वर्षों में बिहार ने काफी तरक्की कर ली है। अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम

से लेकर वर्ल्ड क्लास इंडोर स्टेडियम तक बनकर तैयार हैं। इतना ही नहीं एथलेटिक्स को बढ़ावा देने की दिशा में भी बिहार सरकार तेजी से काम कर रही है। खेल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक राजगीर में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का साइक्लिंग ट्रैक जल्द बनकर तैयार हो जाएगा। इसका निर्माण कार्य प्रगति पर है और यह शीघ्र ही खिलाड़ियों के लिए खोला जाएगा। सुहानी की उपलब्धि न केवल उनके निरंतर अभ्यास और समर्पण का परिणाम है, बल्कि यह बिहार के युवाओं विशेषकर बेटियों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत भी बन गई है। उन्होंने यह दिखाया है कि यदि प्रतिभा को सही अवसर, उचित मार्गदर्शन, संसाधन और सरकार का साथ मिलें तो वे राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहरा सकती हैं। सुहानी कुमारी की उपलब्धि इस बात का प्रतीक है कि बिहार की बेटियां अब आत्मविश्वास और संकल्प के साथ खेल के मैदानों में अपना लोहा मनवा रही हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स जैसे राष्ट्रीय आयोजन भारत के विभिन्न राज्यों के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और बड़े मंच पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर देते हैं। बिहार में खेल और खिलाड़ियों की सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में युद्धस्तर पर काम हो रहा है। राज्य सरकार प्रखंड स्तर पर आउटडोर स्टेडियम के साथ राज्य के सभी जिलों में खेल भवन सह व्यायामशाला का निर्माण करा रही है। इतना ही नहीं, ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को तलाशने और उन्हें निखारने के लिए बड़े स्तर पर कार्यक्रम चला रही है। प्रतिभा खोज अभियान जिसे मशाल नाम दिया गया है, के तहत छिपी प्रतिभाओं को तलाशा जा रहा है, वहीं खेल छात्रवृति योजना के माध्यम से उन्हें आर्थिक सहायता देकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के लिए तैयार किया जा रहा है। ह्यमेडल लाओ, नौकरी पाओह्व योजना राज्य को खेल शक्ति बनाने की दिशा में एक और बड़ा पहल है।

मदर्स डे पर रोहतास की दिव्यांग अधिवक्ता अंकिता की संघर्ष की कहानी

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

रोहतासः मंजिल उन्हीं को मिलती हैं, जिनके सपनों में जान होती है. पंखों से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान होती है. इन पंक्तियों को सार्थक किया है रोहतास की दिव्यांग महिला अधिवक्ता अंकिता कुमारी. इन्होंने शारीरिक कमी, समाज की हिकारत भरी नजरें और लोगों की इग्नोरेंस को पीछे छोड़ खुद को उस मुकाम पर पहुंचाया, जहां लोग अपनी बेटियों को इनसे सीखने की हिदायत देते हैं. अधिवक्ता के संघर्ष-जोश और जुनून की कहानीः अधिवक्ता पद दिव्यांग महिला अंकिता कुमारी कहती हैं कि हमारा समाज दिव्यांगों को बेबस, लाचार और कमजोर समझता है. लोग फिजिकली डिसेबिलिटी को मेंटल डिसेबिलिटी मानकर दिव्यांगों को बेचारों की तरह ट्रीट करना शुरू कर देते हैं. शारीरिक दिव्यांगता के चलते हिकारत भरी नजरों से देखा जाना और इग्नोर किया जाना आम बात है. उस पर भी अगर लड़की दिव्यांग है तो फिर उसे किस-किस दौर से गुजरना पड़ सकता है, इसे मेरे लिए शब्दों में बयां करना मुश्किल है. इंजेक्शन के साइड इफेक्ट से टूटा दुखों का पहाड़ः सासाराम की रहने वाली अंकिता को बचपन में ही जब वह 5 साल की थी तो इंजेक्शन लगाने के दौरान साइड इफेक्ट की वजह से एक पैर ने काम करना बंद कर दिया. ऐसे में पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा क्योंकि अंकिता एक लड़की थी और लड़की जब दिव्यांग हो जाए तो मां-बाप के लिए यह किसी बड़ी पीड़ा से काम नहीं होती लेकिन फिर भी अंकिता ने हार नहीं मानी और एक प्रण लिया कि वह किसी तरह काबिल बनकर एक मजबूर नहीं बल्कि मजबूत लड़की साबित होगी खुद के पैरों पर खड़ी हो कर जमाने को दिखा कर रहेगी. मां-पिताजी बने मेंटरः अंकित के मिडिल क्लास फैमिली में उनकी मां धर्मशीला देवी व पिता सत्यनारायण पाल ने हौसला बढ़ाया तो संघर्ष करते हुए आगे बढ़ी. अंकिता के हौसला अफजाई में उनके माता-पिता दोनों शामिल थे. उन्होंने वादा किया कि तुम अपनी पढ़ाई जारी रखी और बेटियों के लिए एक मिसाल बनो बस यही अरमान लिए अंकित ने पढ़ाई जारी रखा. माता-पिता बेटी का हौसला बढ़ायाः अंकिता के माता-पिता उस वक्त परेशान हो गए जब बेटी की शादी की चिंता सताने लगी. वह जहां भी जाते हैं लोग दिव्यांग अंकिता को देखकर ही नाक भाव सिकुड़ने लगता. अब ऐसे में भी एक बार फिर माता-पिता ने बेटी का हौसला बढ़ाया. अंकित बताती है कि वह तो लगभग टूट सी चुकी थी लेकिन मां और पिताजी ने जिस तरह से उन्हें अहसास कराए कि वह खुद की बदौलत कुछ कर सकती हैं तो यही चीज उनके दिमाग में भर गई और ठान लिया कि वह कभी मजबूर नहीं होगी. 2020 में मिली लॉ की डिग्रीःअंकित की शादी डेहरी के रहने वाले देवनाथ पाल से हुई और इसके बाद पति सहित ससुराल वालों का भी भरपूर प्यार मिला जिससे अंकिता का हौसला और बढ़ता चला गया. उन्हें 2020 में लॉ की डिग्री मिल गई और वह अधिवक्ता बन गई. बच्चों को IAS-IPS बनाने का है सपनाः शादी के 2 साल बाद उन्हें दो बच्चे भी हुए वह बताती हैं कि बच्चों की परवरिश में काफी कठिनाइयों का दौर गुजरा, लेकिन मैंने हार नहीं मानी आज सपना है कि दोनों बच्चों को पढ़ा लिखा कर आईपीएस और आईएएस बनाएं. पति और ससुराल में मिल रहा साथः वह बताती है कि जब वह ऐसे देहरी अनुमंडल कोर्ट में अंकिता कुमारी प्रैक्टिस करती हैं, लेकिन प्रैक्टिस के दौरान जब उन्हें कोर्ट जाना पड़ता है तो पति उनके साथ लेकर जाते हैं, लेकिन कभी पति के न रहने की वजह से उन्हें पैदल भी जाना पड़ता है. ₹लोगों के ताने को कभी भी परवाह नहीं की और वह अपने आप को एक सशक्त महिला समझते हुए आज अनुमंडल कोर्ट में प्रैक्टिस करती हूं और घर का सारा खर्च भी संभालती हैं. मेरे दो बच्चे हैं दोनों बच्चों को पढ़ा लिखा कर आईपीएस और आईएएस बनाने का सपना है.₹-अंकिता कुमारी, अधिवक्ता, डेहरी अनुमंडल कोर्ट 11 मई को मदर्स डेः मई महीने के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है. भारत समेत दुनिया भर में 11 मई रविवार को धूमधाम से मदर्स डे मनाया जा रहा है. आज का दिन मां के नाम समर्पित होता है

सऊदी अरब के विदेश मंत्री ने भारत और पाकिस्तान के समकक्षों से की बात, क्षेत्रीय तनाव कम करने पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान बिन अब्दुल्ला ने भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। उन्होंने अपने समकक्षों से बढ़ते सैन्य तनाव को कम करने और शांति बहाल करने की अपील की। सऊदी अरब के विदेश मंत्री ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार से अलग-अलग वार्ता की। सऊदी दूतावास के अनुसार विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान बिन अब्दुल्ला ने बातचीत के दौरान दोनों देशों के साथ सऊदी अरब के संतुलित और घनिष्ठ संबंधों को दोहराया। उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के प्रति किंगडम की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।सऊदी अरब से पहले अमेरिका के विदेश मंत्री ने भी दोनों देशों के विदेश मंत्रियों से बातचीत की थी।

भारत-पाक तनाव के बीच फेक न्यूज की भरमार, पीआईबी फैक्ट चेक ने किया फेक न्यूज का ऑपरेशन

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे भारी तनाव, गोलाबारी के बीच सोशल मीडिया पर फेक न्यूज की बाढ़ आ गई है। सोशल मीडिया पर भारत-पाक के बीच चल रहे तनाव को लेकर चल रही फेक खबरों का पीआईबी फैक्ट चेक ने खंडन करते हुए लोगों को सर्तक रहने की सलाह दी है। फेक खबरों की सूची जारी करते हुए पीआईबी फैक्ट चेक की तरफ से बताया गया कि उधमपुर एयरबेस को नष्ट करने की गलत खबरें चलाई जा रही हैं, जबकि उधमपुर एयरबेस चालू है। 'एआईके न्यूज' द्वारा लाइव टीवी पर प्रसारित वीडियो में दावा किया गया है कि पाकिस्तान ने उधमपुर एयरबेस को नष्ट कर दिया है। पीआईबी फैक्ट चेक ने बताया कि प्रसारित वीडियो राजस्थान के हनुमानगढ़ की एक केमिकल फैक्ट्री में आग लगने की घटना से संबंधित है, जिसका भारत-पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति से कोई संबंध नहीं है। इसके साथ विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को माफी मांगते हुए दिखाते हुए एक छेड़छाड़ किया हुआ वीडियो ऑनलाइन प्रसारित हो रहा है। पीआईबी फैक्ट चेक ने बताया कि यह वीडियो एआई द्वारा जनरेट किया गया है और झूठे प्रचार का हिस्सा है। इसके साथ एक भारतीय वायुसेना विमान दुर्घटना का पुराना वीडियो गलत संदर्भ में शेयर किया जा रहा है। भारत-पाकिस्तान के मौजूदा हालात के संदर्भ में वायुसेना विमान दुर्घटना का एक वीडियो गलत तरीके से शेयर किया जा रहा है। पीआईबी फैक्ट चेक ने बताया कि यह वीडियो वायुसेना के एक जगुआर विमान को दिखाता है जो मार्च 2025 में एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान अंबाला में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

मां जानकी सीतामढ़ी के लिए लाडली बेटी है :आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण जी महाराज

सीतामढ़ी। जगत जननी मां सीता सीतामढ़ी के लिए माता नहीं बल्कि लाडली बेटी है।वह तो सीतामढ़ी और सम्पूर्ण मिथिला क्षेत्र के लिए गौरवान्वित करने वाली है।मिथिला सीतामढ़ी की भूमि को उन्होंने मनुष्यता के भाव से सिंचा है। उपरोक्त बातें सीतामढ़ी पुनौराधाम श्री जानकी जन्म स्थान के सीता प्रेक्षागृह में हिन्दुस्थान समाचार की ओर से आयोजित सीता महोत्सव में मुख्य वक्ता के रूप में आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण जी महाराजी ने कही।उन्होंने मा जानकी के अलग अलग रूपों और धर्म में वर्णित तथ्यों से सभाकक्ष में मौजूद लोगों को अवगत कराया।उन्होंने कहा कि यूं तो चार धाम हैं लेकिन मिथिला की धरती चारों धाम की सिद्धि देने वाली धरती है।उन्होंने कहा कि भगवान के कई रूप और अवतार हैं।उन्होंने कहा कि मां जानकी के चरित्र में किसी तरह का कोई संशय नहीं है।उनका चरित्र तो वेद,प्रशस्ति और स्तुति करने वाला है।सैकड़ों श्लोकों में मां जानकी के रूपों का वर्णन है।महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण सहित अन्य रचित रामायण में जगत जननी के चरित्र का अनोखे ढंग से वर्णन है,जिसे चंद शब्द सीमा में नहीं बांधा जा सकता।वाल्मीकी जी के रामायण में मां सीता की चरित्र व्यंजना वाली है। उन्होंने सीतामढ़ी की भूमि को उपासना वाली भूमि करार दिया।उन्होंने कहा कि मिथिला के बाहर सीता माता है,लेकिन मिथिला में तो वह लाडली सुकुमारी बेटी है।

पाकिस्तान एक जिम्मेदार राष्ट्र कभी भी नहीं बन सकेगा : गुलाम अली खटाना

नई दिल्ली । 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान की ओर से लगातार भारतीय नागरिकों को टारगेट किए जाने पर भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक जिम्मेदार राष्ट्र बनने में विफल रहा है। भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने कहा कि युद्ध कोई समाधान नहीं है, इससे केवल विनाश होता है। हालांकि, पाकिस्तान लगातार हमारे निर्दोष नागरिकों को निशाना बना रहा है। तीन दिनों से वह लगातार मिसाइल और ड्रोन दाग रहा है। जिस तरह की वह हरकत लगातार कर रहा है, यही वजह है कि पाकिस्तान कभी भी एक जिम्मेदार राष्ट्र नहीं बन पाया। वह भारत के खिलाफ चाहे सुरंग खोदने के माध्यम से हो या मादक पदार्थों की तस्करी के माध्यम से, वह हमेशा आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर पर डोभाल-वांग यी की बातचीत: एनएसए बोले- 'आतंक के खिलाफ कार्रवाई जरूरी थी'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के मध्य युद्धविराम की घोषणा के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच शनिवार देर रात अहम टेलीफोनिक वार्ता हुई। इस बातचीत का केंद्र बिंदु हाल ही में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' और क्षेत्रीय शांति रहा। डोभाल ने वांग यी को स्पष्ट किया कि पहलगाम आतंकी हमले में भारतीय नागरिकों की गंभीर क्षति के बाद आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई आवश्यक थी। उन्होंने कहा, 'भारत युद्ध नहीं चाहता, यह हमारी पसंद नहीं थी, लेकिन आतंकी हमले के जवाब में एक्शन जरूरी था।' उन्होंने आशा जताई कि भारत और पाकिस्तान दोनों जल्द ही युद्धविराम के प्रति पूरी प्रतिबद्धता के साथ क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करेंगे। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने इस बातचीत में पहलगाम आतंकी हमले

की निंदा की और कहा कि चीन आतंकवाद के सभी रूपों का विरोध करता है। उन्होंने कहा, वर्तमान वैश्विक परिदृश्य अस्थिर है और एशियाई क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। भारत और पाकिस्तान दोनों चीन के पड़ोसी हैं और इन्हें आपस में सहयोग और संवाद के रास्ते पर चलना चाहिए। वांग यी ने डोभाल के इस रुख की सराहना की कि युद्ध भारत की प्राथमिकता नहीं है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत और पाकिस्तान संयम बरतते हुए संवाद और परामर्श के माध्यम से अपने मतभेदों का समाधान निकालेंगे और तनाव को बढ़ने से रोकेंगे। उन्होंने कहा, 'चीन भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापक और स्थायी युद्धविराम का समर्थन करता है। यह दोनों देशों के साथ-साथ पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भी इच्छा है।' उल्लेखनीय है कि बीते दिनों भारत द्वारा पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सीजफायर की घोषणा की गई और अब चीन की मध्यस्थता की भूमिका से स्थिति में कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है।

संघर्ष विराम तोड़ने पर विदेश सचिव ने दी कड़ी चेतावनी, स्थिति की गंभीरता को समझे पाकिस्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने भारत के साथ सैन्य कार्रवाई रोकने पर बनी सहमति के कुछ ही घंटे में इसका उल्लंघन करना शुरू कर दिया है। इस पर विदेश सचिन विक्रम मिस्री ने कहा है कि यह आक्रामकता बेहद निंदनीय है और इसके लिए पाकिस्तान स्वयं जिम्मेदार है। विदेश मंत्री ने कहा, पाकिस्तान को स्थिति की गंभीरता को समझना चाहिए और इस आक्रामकता को रोकने के लिए तत्काल और उचित कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सेना स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है और उसे किसी भी घुसपैठ से निपटने के लिए सख्त और कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। एक विशेष वीडियो वक्तव्य में विदेश सचिव ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से चल रही शत्रुता को रोकने के लिए आज शाम को सहमति बनी। हालांकि, पिछले कुछ घंटों में पाकिस्तान की

ओर से इस समझौते का गंभीर उल्लंघन हुआ है। भारतीय सैनिक जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं और सीमा पर इस घुसपैठ का जवाब दे रहे हैं।

दिल्ली में अगले हफ्ते में पारा जा सकता है 40 के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के कुछ इलाकों में हुई झमाझम बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। कुछ इलाकों में हल्की बारिश और तेज हवाएं चलीं जिससे मौसम सुहाना बना रहा। दिल्ली का अधिकतम तापमान 35.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत से 3.4 डिग्री सेल्सियस कम है। न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि आज सुबह दिल्ली-एनसीआर में बारिश हुई। आने वाले दिनों में दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन आने वाले सप्ताह में उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान 4-6 डिग्री तक बढ़ने की उम्मीद है। रविवार को राजधानी में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सतही हवाएं 15 से 25 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी, जो कभी-कभी 35 किमी प्रति घंटे तक की झोंकों में बदल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38 से 40 डिग्री सेल्सियस और 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

सतही हवाएं 15 से 25 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी, जो कभी-कभी 35 किमी प्रति घंटे तक की झोंकों में बदल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 से 41 डिग्री सेल्सियस और 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मंगलवार को भी राजधानी में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सतही हवाएं 15 से 25 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी, जो कभी-कभी 35 किमी प्रति घंटे तक की झोंकों में बदल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 से 41 डिग्री सेल्सियस और 27 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि 14 मई तक पूर्वी भारत के अलग-अलग इलाकों में उष्ण लहर चलने की संभावना है। 12 मई तक उत्तर-पश्चिम भारत में और 14 मई तक मध्य भारत में गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है और उसके बाद इसकी तीव्रता में कमी आएगी।

10 और 11 मई को महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। 10 से 14 मई के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज के साथ भारी बारिश और बिजली गिरने की संभावना है।

भारत- पाकिस्तान तनाव: नोएडा में रेड अलर्ट,चिल्ला बॉर्डर पर सख्त निगरानी, अस्थायी मोर्चाबंदी

एजेंसी

नोएडा। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर दिल्ली से सटे नोएडा में रेड अलर्ट जारी करते सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। इस क्रम में दिल्ली और नोएडा को जोड़ने वाले चिल्ला बॉर्डर पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। यहां अस्थायी रूप से मोर्चाबंदी रकी गई है। एक्सप्रेसवे की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। बैरिकेडिंग कर पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है।आने-जाने वाले हर वाहन की सघन चेकिंग की जा रही है।

संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों की सहायता ली जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी तरह की अनहोनी से निपटने के लिए स्थानीय पुलिस पूरी तरह तैयार है। नोएडा पुलिस कमिश्नरेट की ओर से बताया गया कि चिल्ला बॉर्डर के साथ-साथ डीएनडी और कालिंदी कुंज बॉर्डर पर भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है और स्पेशल कमांडो यूनिट्स को अलर्ट पर रखा गया है। पुलिस की

टीमें 24 घंटे सक्रिय रहेंगी और हर आने-जाने वाले व्यक्ति पर पैनी नजर रखेंगी। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने दिल्ली से नोएडा आने-जाने वाले नागरिकों से भी अपील की है कि वे सुरक्षा एजेंसियों के साथ सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें। अफवाह से बचें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

जम्मू-कश्मीर समेत उत्तर-पश्चिमी इलाकों में स्थित तकनीकी और वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी: डॉ जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर, पंजाब, चंडीगढ़ और राजस्थान तथा गुजरात के उत्तर-पश्चिमी इलाकों में स्थित तकनीकी और वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा, श्रीनगर और लेह में महत्वपूर्ण आईएमडी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। मौजूदा सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर देशभर में तकनीकी और वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों और वैज्ञानिक एवं तकनीकी विभागों के प्रमुख मौजूद रहे। डॉ जितेंद्र सिंह ने विशेष रूप से सीएसआईआर-भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान (आईआईआईएम), जम्मू; सीएसआईआर-केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सीएसआईओ), चंडीगढ़; सीएसआईआर-केंद्रीय (एनएबीआई), मोहाली; श्रीनगर और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) (सीएसआईआर), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और

चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएलआरआई), जालंधर; सीएसआईआर-सूक्ष्मजीव प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएमटेक), चंडीगढ़; डीबीटी-बायोटेक अनुसंधान नवाचार परिषद (ब्रिक) - राष्ट्रीय कृषि-खाद्य और जैव विनिर्माण संस्थान प्रतिष्ठान; लद्दाख और आसपास के क्षेत्रों में पृथ्वी विज्ञान अनुसंधान स्टेशनों की तैयारियों और सुरक्षा तंत्र की समीक्षा की। डॉ जितेंद्र सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि वैज्ञानिक सुविधाएं, विशेष रूप से वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत आने वाली सुविधाएं राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे के प्रमुख स्तंभ हैं। उन्होंने सभी वैज्ञानिक संस्थानों को मौजूदा स्थिति के मद्देनजर अपने मौजूदा सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा करने और उसे बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

सीबीआई ने 8 राज्यों में 42 ठिकानों पर की छापेमारी, 5 गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने साइबर अपराधियों को अवैध रूप से सिम कार्ड मुहैया कराने में शामिल गिरोह के खिलाफ कार्रवाई की है। यह कार्रवाई ट्रांसनेशनल साइबर क्राइम नेटवर्क और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे अपराधों से जुड़ी है। 'ऑपरेशन चक्र-V' के तहत इन अपराधियों के 8 राज्यों में फैले 42 ठिकानों पर एकसाथ छापेमारी की गई। इस कार्रवाई में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीबीआई ने असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु में टेलीकॉम ऑपरेटर्स के पॉइंट ऑफ सेल एजेंट्स के ठिकानों पर छापे मारे।आरोप है कि ये एजेंट साइबर अपराधियों की मिलीभगत से फर्जी केवाईसी दस्तावेजों के आधार पर सिम कार्ड जारी कर रहे थे। इनका इस्तेमाल डिजिटल अरेस्ट, फर्जी विज्ञापन, निवेश धोखाधड़ी, यूपीआई फ्रॉड जैसे मामलों में हो रहा था। छापों

के दौरान सीबीआई ने मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, संदिग्ध केवाईसी दस्तावेज और अपराध की आय से खरीदी गई संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज जब्त किए हैं। गिरफ्तार पांचों आरोपी चार अलग-अलग राज्यों से हैं और इन पर टेलीकॉम नियमों का उल्लंघन कर सिम कार्ड बेचने का आरोप है।

भारत में मातृ मृत्यु अनुपात में उल्लेखनीय है सुधार, 2019-21 में एमएमआर में घटकर प्रति लाख जीवित जन्मों पर 93 हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के महापंजीयक (आरजीआई) के नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) रिपोर्ट 2021 के अनुसार, भारत में प्रमुख मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त कार्यालय नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत में मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) 2019-21 में घटकर प्रति लाख जीवित जन्मों पर 93 हो गई, जो 2018-20 में 97 और 2017-2019 में 103 थी। वही 2021 में शिशु मृत्यु दर प्रति 1000 बच्चों में 31 हो गई है। जबकि यह संख्या 2014 में प्रति 1000 जन्म पर 45 बच्चे थी। कुल प्रजनन दर 2021 में 2.0 पर स्थिर है, जो 2014 में 2.3 थी।

आठ राज्य पहले ही मातृ मृत्यु अनुपात का एसडीजी लक्ष्य प्राप्त कर चुके हैं जिसमें केरल (20), महाराष्ट्र (38), तेलंगाना (45), आंध्र प्रदेश (46), तमिलनाडु (49), झारखंड (51), गुजरात (53), कर्नाटक (63) शामिल हैं। 2030 तक इसके साथ बारह राज्य/केंद्र शासित प्रदेश पहले ही यूएमआर (2030 तक <=25) का एसडीजी लक्ष्य प्राप्त कर चुके हैं जिसमें केरल (8), दिल्ली (14),

तमिलनाडु (14), जम्मू और कश्मीर (16), महाराष्ट्र (16), पश्चिम बंगाल (20), कर्नाटक (21), पंजाब (22), तेलंगाना (22), हिमाचल प्रदेश (23), आंध्र प्रदेश (24) और गुजरात (24) शामिल है। छह राज्य/केंद्र शासित प्रदेश पहले ही एनएमआर का एसडीजी लक्ष्य (वर्ष 2030 तक मृत्यु की संख्या 12) प्राप्त कर चुके हैं केरल (4), दिल्ली (8), तमिलनाडु (9), महाराष्ट्र (11), जम्मू और कश्मीर (12) और हिमाचल प्रदेश (12)। 07 अप्रैल 2025 को प्रकाशित वर्तमान संयुक्त राष्ट्र मातृ मृत्यु दर अनुमान अंतर-एजेंसी समूह (यूएन-एमएमईआईजी) रिपोर्ट 2000-2023 के अनुसार, भारत की एमएमआर 2020 से 2023 तक में 23 अंकों की कमी आई है। इस उपलब्धि से, 1990 से 2023 तक पिछले 33 वर्षों में 48 प्रतिशत की वैश्विक कमी की तुलना में भारत की एमएमआर में अब 86 प्रतिशत की कमी आई है। भारत बाल मृत्यु दर में कमी लाने वाले शीर्ष प्रदर्शन करने वाले देशों में से एक है।

दिल्ली में राशन की कोई कमी नहीं : मनजिंदर सिंह सिरसा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि राजधानी में न वस्तुएं महंगी होगी न ही राशन की कोई कमी है। खाद्य और आपूर्ति प्रणालियां पूरी तरह से चालू हैं। लोगों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सबका ख्याल रहने के लिए हैं। मनजिंदर सिंह सिरसा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी सरकारे आपातकलीन स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहती है। इसको लेकर विभिन्न विभागों की बैठक होती है। इसमें घबराने की कोई जरूरत नहीं है। दिल्ली पूरी तरह सुरक्षित और यहां किसी भी वस्तु की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना अपना काम दिन-रात कर रही है।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली के मुख्यमंत्री आपकी चिंता कर रहे हैं। दिल्ली सुरक्षित थी, दिल्ली सुरक्षित है, भारत सुरक्षित था, भारत सुरक्षित है। उन्होंने सोशल साइटों पर चल रही अफवाहों से

सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि राशन और तेल लेने के लिए न दौड़े। खाद्य और आपूर्ति प्रणालियां पूरी तरह से चालू हैं। हमें डर या घबराहट का शिकार नहीं होना चाहिए। सरकार सभी चुनौतियों से निपटने में सक्षम है। वस्तुओं की बड़े पैमाने पर खरीद या जमाखोरी की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है।

आपातकालीन तैयारियों की मुख्यमंत्री ने की उच्चस्तरीय समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में सभी विभागाध्यक्षों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सभी विभागों की तैयारी की समीक्षा हुई। मुख्यमंत्री ने बिजली विभाग को बिजली जाने की स्थिति में तैयारी रखने और आवश्यक सेवाओं के लिए बैकअप बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गृह व पुलिस विभाग को परिचालन तत्परता और जल-विद्युत आपूर्ति की सुरक्षा बनाए रखने के आदेश दिए गए। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग, दिल्ली नगर निगम,नई दिल्ली नगर पालिक आदि को आपात स्थिति में अवसंरचना निर्माण के लिए ठेकेदारों व मशीनरी की सूची तैयार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने दिल्ली परिवहन निगम व दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन को आपात योजना व निकासी के लिए रूट मैप्स व फ्लीट प्रबंधन तैयार करने को कहा। दमकल विभाग को अलर्ट स्थिति में रहने के निर्देश दिए गए। दिल्ली सरकार ने आठ मई को

आदेश जारी कर सभी अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दीं। इसके साथ ही अगले आदेश तक किसी भी अधिकारी और कर्मचारी को छुट्टी देने पर रोक लगा दी गई है। दिल्ली में नागरिकों की सुरक्षा और आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों को और मजबूत बनाने के लिए दिल्ली लोक निर्माण विभाग ने नागरिक सुरक्षा निदेशालय के साथ मिलकर 09 मई की दोपहर आईटीओ स्थित पीडब्ल्यूडी मुख्यालय की बहुमंजिला इमारत पर एयर रेड अलर्ट सायरन का परीक्षण किया। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बताया कि शहर की प्रमुख बहुमंजिला इमारतों पर 40 से 50 एयर रेड अलर्ट सायरन लगाए जाएंगे। आपात स्थिति में यह सायरन चेतावनी देने का काम करेंगे। सभी सायरनों को एक केंद्रीय कमांड सेंटर से नियंत्रित किया जाएगा और इनका संचालन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधीन होगा।

सीजफायर उल्लंघन पर सहवाग का पाकिस्तान पर तंज, 'कुत्ते की दुम टेढ़ी ही रहती है'

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने भारत के साथ संघर्ष विराम समझौते के उल्लंघन के बाद पाकिस्तान पर निशाना साधा। दोनों देशों द्वारा सार्वजनिक रूप से संघर्ष विराम पर सहमति जताए जाने के कुछ ही घंटे बाद, अंतर्राष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर कई विस्फोटों की सूचना मिली, जिसमें पाकिस्तानी ड्रोन ने जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान के संवेदनशील क्षेत्रों को निशाना बनाया। अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर सहवाग ने एक प्रसिद्ध हिंदी मुहावरे का इस्तेमाल करते हुए पोस्ट किया, कुत्ते की दुम टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है। यह कहावत, जो आम तौर पर बदलाव के लिए प्रतिरोधी लोगों या संस्थाओं का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल की जाती है, को पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने के रिकॉर्ड पर सीधा कटाक्ष माना जाता है। सहवाग को मुल्तान का सुल्तान कहा जाता है। उन्होंने मुलतान में तिहरा शतक बनाया था। दोनों देशों द्वारा दिन में पहले संयुक्त रूप से औपचारिक संघर्ष विराम समझौते की घोषणा किए जाने के बावजूद उल्लंघन हुआ। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पुष्टि की कि दोनों पक्षों के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) ने तत्काल प्रभाव से सभी शत्रुताएं - चाहे भूमि, वायु या समुद्र से - समाप्त करने पर सहमति व्यक्त की है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भी संघर्ष विराम की पुष्टि की। उन्होंने कहा, भारत और पाकिस्तान ने गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई को रोकने पर एक समझौता किया है। भारत ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लगातार एक दृढ़ और अडिग रुख़ बनाए रखा है - और यह ऐसा करना जारी रखेगा। हालांकि, एक चौंकाने वाले बदलाव में, शाम को श्रीनगर में विस्फोट हुए।

संक्षिप्त समाचार

ऑक्सफोर्ड स्कूल करगे मांडर में मातृ दिवस कार्यक्रम का आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - आज ऑक्सफोर्ड स्कूल करगे मांडर में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिसने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। विद्यालय प्रशासन द्वारा इस आयोजन का उद्देश्य माताओं के प्रति सम्मान और बच्चों में पारिवारिक मूल्यों की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना की। मौके पर निदेशक नौसाद आलम, प्रधानाचार्य आशा बर्मन, अनुभा तिवारी, मीनाक्षी, पूजा,नाजिया,रेशम बाला कुमारी तौफीक,जावेद अहमद, गुलप्सा, असफा, नाहिद, दीपाली, मेहर, मसूद, अरशद, अंजना, रौसनी समेत स्कूल के छात्र छात्राएं मौजूद थे!

बैशाख पूर्णिमा पर संकट मोचन धाम पाथरोल में भजन संध्या, महाआरती एवं प्रसाद वितरण आज

पाथरोल, करौं, देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता उमेश चन्द्र मिश्रा की रिपोर्ट

संकट मोचन धाम, पाथरोल में आज बैशाख पूर्णिमा के पावन अवसर पर भव्य भजन संध्या, महाआरती तथा खिचड़ी प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में मंदिर प्रबंधक दिलीप पाठक ने जानकारी दी कि कार्यक्रम की शुरूआत शाम 8:30 बजे से भजन संध्या के साथ होगी, जिसमें स्थानीय एवं बाहर से आए भजन गायक अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके उपरांत रात्रि 10:00 बजे बाबा की महाआरती तथा श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा। श्री पाठक ने बताया कि यह आयोजन बीते कई वर्षों से प्रत्येक पूर्णिमा को भक्तों के सहयोग से निरंतर संपन्न होता आ रहा है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से इस पुण्य अवसर पर सपरिवार उपस्थित होने की अपील की है। मंदिर प्रबंधक श्री पाठक ने फोनपे/गूगलपे नंबर 9934531724 साझा किया है, जिसके माध्यम से इच्छुक श्रद्धालु कार्यक्रम के लिए सहयोग राशि भेज सकते हैं।

देवघर के कृष्णा सिंह यादव को गिरिडीह का सह-निर्वाचित पदाधिकारी नियुक्त

देवघर। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के राज्य निर्वाचन पदाधिकारी गिरधारी गोप ने पत्र जारी कर प्रदेश के 24 जिलों में वर्ष 2025-28 के लिए संगठनात्मक चुनाव कराने हेतु पदाधिकारियों की घोषणा की है। इसी क्रम में देवघर निवासी कृष्णा सिंह यादव को गिरिडीह जिला का सह-निर्वाचन पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। अपनी नियुक्ति पर कृष्ण सिंह यादव ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, झारखंड प्रभारी जय प्रकाश नारायण यादव, झारखंड राजद के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव, झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री संजय प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री सुरेश पासवान तथा राज्य निर्वाचन पदाधिकारी गिरधारी गोप के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें जो भी जिम्मेदारी सौंपी है, उसे वे पूर्ण ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाएंगे तथा झारखंड में पार्टी को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

देवघर में दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम संपन्न, डीएवी के शिक्षकों ने सीखे जीवन कौशल

देवघर। गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल, भंडारकोला में सीबीएसई पटना द्वारा आयोजित दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण सत्र में विद्यालय के 120 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य विषय था लाइफ स्किल जीवन कौशल। प्रशिक्षण सत्र में हिमांशु शेखर पांडे, आकाश कुमार, उमा शंकर सिंह एवं अवंतिका आनंद ने शिक्षकों को जीवन कौशल के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान समूह चर्चा, हैंडआउट गीत, पेंटिंग जैसी कई रचनात्मक गतिविधियों की प्रस्तुति की गई, जिससे शिक्षकों को विषयवस्तु को व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर मिला। विद्यालय के प्राचार्य सह प्रशिक्षण समन्वयक बलराम कुमार झा ने सभी प्रतिभागी शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को वे अपने शिक्षण कौशल के विकास में लगाएं, ताकि कक्षा में शिक्षा और भी प्रभावशाली बन सके।

शहीदों की आत्मा की शांति के लिए बाबा मंदिर प्रांगण में तीर्थपुरोहितों द्वारा किया गया पूजा हवन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक 11 मई 2025 को बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर झारखंड के तीर्थ पुरोहित चंद्रशेखर खवाड़े के नेतृत्व में मां भारती के वीर सपूतों की शहादत को नमन करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु तथा मां भारती को सुरक्षित रखने वाले सैनिकों की स्वास्थ्य रक्षा के लिए आज बाबा बैद्यनाथ जी के मनोकामना लिंग पर जलार्पण व पूजन करने के बाद यहां के पंडितों द्वारा एक विशेष हवन का आयोजन आचार्य ललन द्वारि के देख रेख में संपन्न हुआ। जिसमें यहां के सभी तीर्थ पुरोहितों और मंदिर में उपस्थित अन्य अन्य प्रदेशों से आए हुए भक्तों द्वारा आहुति अर्पित कर भारतीय सेना के शौर्य को बढ़ाने और शहीद सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए बाबा बैद्यनाथ जी,माता पार्वती से प्रार्थना किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे चंद्रशेखर खवाड़े ने बताया कि बाबा बैद्यनाथ धाम के तीर्थ पुरोहित हमेशा देश भक्ति की भावना से ओतप्रोत रहते हुए देश की सेवा में अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले देश की सेना और ऐसे देशभक्त शासको के हित के लिए बाबा बैद्यनाथ जी से हमेशा प्रार्थना करते रहती है। देश में चल रहे भारत पाकिस्तान के बीच तनाव में पाकिस्तान के द्वारा सीजफायर का उल्लंघन कर भारत पर लगातार हमला करने की कोशिश को भारतीय सेना के द्वारा संयम और साहस के साथ पाकिस्तान को मुंहतोड जवाब दिया जा रहा है। भारतीय सैनिको के सम्मान उनके शौर्य को और अधिक संबलता हासिल हो इसी कामना के साथ बाबा मंदिर में हवन पुजन का आयोजन किया गया है। बाबा बैद्यनाथ जी सभी सैनिकों को सुरक्षित और स्वस्थ रखें तथा हमारे सैनिकों की शौर्य गाथा दुनिया के सभी देशों में गई जाए ऐसा संबल हमारे सैनिकों को बाबा बैद्यनाथ की प्रदान करें। पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा की गई जवाबी कार्यवाही में पाकिस्तान की ओर से की जाने वाली गोलाबारी से बने युद्ध के माहौल में शहीद हुए हमारे सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए आज बाबा बैद्यनाथ जी के मनोकामना लिंग पर जलार्पण ,पूजन तथा हवन किया गया। हम हमेशा धर्म की जय और अधर्म का नाश के पक्षधर तथा विश्व कल्याण के समर्थक है।बाबा बैद्यनाथ विश्व की शांति हेतु हमारी प्रार्थना को स्वीकार करें।

गोह थाना का निरीक्षण, विधि-व्यवस्था की समीक्षा की गई

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद) गोह थाना परिसर में शनिवार को निरीक्षण पदाधिकारी रामजी प्रसाद ने औचक निरीक्षण कर थाना की विधि-व्यवस्था, अभिलेख संधारण, लंबित कांडों की स्थिति एवं साफ-सफाई आदि का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान थानाध्यक्ष मो. इरसाद, एसआई रवींद्र कुमार, एएसआई शिवपूजन यादव सहित कई पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। निरीक्षण पदाधिकारी ने थाना में लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी लाने, आमजन से संवाद बढ़ाने एवं अपराध नियंत्रण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही थाना परिसर की साफ-सफाई एवं रिकॉर्ड संधारण की भी सराहना की। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों से बेहतर जनसंपर्क और गश्ती को नियमित बनाए रखने की अपील की ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनी रहे।

लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल झुमरी तिलैया में मदर्स डे पर कार्यक्रम का आयोजन

झुमरी तिलैया विजय यादव

मदर्स डे के अवसर पर लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल, झुमरी तिलैया में एक हृदयस्पर्शी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से मातृत्व को नमन किया। कार्यक्रम में बच्चों ने कविता, नृत्य और भावनात्मक संदेशों के जरिए मां की ममता, त्याग और बलिदान को दशार्या। इस अवसर पर झुमरी तिलैया नगर परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष एवं लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल के संस्थापक संतोष यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति सबसे बड़ी शक्ति है, मां से बढ़कर कोई देवी नहीं होती। मां का कर्ज कोई चुका नहीं पाया है। मां ही बच्चे की पहली शिक्षक होती है। बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक दिलीप मजूमदार, वार्ड नंबर 11 के निवर्तमान पार्षद बसंत सिंह, तथा वार्ड नंबर 2 की पार्षद आशा देवी भी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए और बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की। कार्यक्रम में बच्चों के अभिभावकगण एवं विद्यालय के शिक्षक झ अनुपमा यादव, अंजू कुमारी, प्रेम कुमार, ऋषभ कुमार, विश्वजीत कुमार, रिया सिंह, ममता कुमारी, शीतल कुमारी, मलका शेख, आरुषी कुमारी, पूनम कुमारी झ तथा अभिभावकों में जानकी गोप, दिलीप यादव, नितेश कुमार, आलम और बबीता कुमारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में भावुकता, सम्मान और उत्साह का माहौल देखने को मिला। सभी ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों में बचपन से ही मां के प्रति सम्मान की भावना जागृत करना अत्यंत आवश्यक है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष शशांक राज का देवघर के कार्यकताओं ने किया स्वागत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक 11/05/2025 को भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज का देवघर स्थानीय परिसदन में भाजयुमो ज़िलाध्यक्ष आशीष दूबे के नेतृत्व में युवा मोर्चा कार्यकताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया गया , स्वागतोप्रांत उन्होंने बाबा बैधनाथ मंदिर में कार्यकताओं के साथ पूजा अर्चना कर संगठन की मजबूती और झारखंड की खुशहाली की कामना की ।साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड की हेमंत सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है. उन्होंने युवा मोर्चा के सदस्यों से सरकार के हर गलत निर्णय का विरोध करने की अपील की. साथ ही संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने पर भी जोर दिया. उन्होंने कहां की वर्तमान सरकार राज्य के युवाओं को ठग रही है ,आम जनता में निराशा घर कर गई है ,पूरा झारखण्ड पानी की समस्या से जूझ रहा है । इस दौरान विभिन्न मुद्दों पर गहन चिंतन भी हुआ. भाजयुमो द्वारा चलाये गये जिले में विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी. बैठक में मुख्य रूप से संगठन के आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गयी. युवाओं को संगठन से जोड़ने की भी रणनीति तय की गयी । शशांक राज ने कहा कि हेमन्त सरकार के नेतृत्व में राज्य की भोली भाली जनता घोर निराशा में जीने के लिए मजबूर हो गई है ।मौके पर भाजयुमो ज़िलाध्यक्ष आशीष दूबे,सीएन दुबे,संजय गुप्ता,राहुल चौधरी,लखन मंडल,नीरज मंडल,अमित कुमार,अभय सिंह, मनोज सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे ।।

पूर्व आईपीएस शिवदीप लांडे के सम्मान में आयोजित हुआ एक दिवसीय फुटबाल मैच

एकदिवसीय मैच में फुल्का ने धरहरा 2 - 0 किया पराजित

निलेश कुमार को दिया गया बेस्ट 22 का पुरस्कार।

रंजीत विद्यार्थी

मुंगेर : पूर्व आईपीएस सह हिन्द सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवदीप लांडे के सम्मान में एकदिवसीय फुटबॉल मैच का आयोजन फूलका मैदान में आयोजित हुआ। आयोजित मैच शंकर स्पोर्टिंग क्लब धरहरा एवं स्पोर्टिंग क्लब फुल्का के बीच खेला गया। खेले गए मैच में पहला गोल फूलका टीम की ओर से मैच के 30 वे मिनट में जर्सी नंबर 16 के अनुज कुमार ने किया। वही दूसरा गोल-फुल्का टीम की ओर से 40 मिनट में जर्सी नंबर 12 के निलेश कुमार ने कर मैच में 2 - 0 से बढ़त बना दिया। वही जवाबी गोल करने को लेकर धरहरा की टीम मैदान में संघर्ष करते देखी गई पर मैच के समाप्ति तक कोई गोल नहीं कर सके। इस तरह फुल्का ने धरहरा 2 - 0 पराजित कर मैच को जीत लिया। मैच में बेहतर प्रदर्शन करने वाले निलेश कुमार को बेस्ट 22 का पुरस्कार दिया गया। मैच में रेफरी की भूमिका रंजीत कुमार, सुधांशु कुमार, रामरक्षा, नीतीश कुमार ने पूरा किया वहीं उद्घोषक की भूमिका में पूर्व खिलाड़ी अजीत कुमार ने अपने निराले अंदाज से खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों को उत्साहित किया।इसके पहले मैच के मुख्य अतिथि शिवदीप दोनों टीम के खिलाड़ियों से परिचय पत्र प्राप्त कर उनका अफजाई करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामना देते हुए विजेता एवं उपयोगिता टीम पुरस्कार देते हुए फुल्का के खेल प्रेमियों के प्रति आभार जताया। मुख्य अतिथि ने विशेष तौर पर पुराने खेल प्रेमी अजीत कुमार मनोज कुमार कृष्णानंद प्रवीण शंकर, उमेश सिंह शिवलाल रजक के प्रति आभार जताते हुए कहा कि खेल का माहौल को जिंदा रखने में जो भूमिका आज आप लोग निभा रहे हैं. इसको आगे बढ़ाने के लिए युवाओं को आगे आने की जरूरत है, तभी समाज में हर तरह का बदलाव दिखेगा। मौके पर विनय यादव, संजय यादव, संजय सिंह, कन्हैया ताती, राजकुमार साहित सैकड़ो खेल प्रेमी मौजूद थे।

चित्रांजलि कलाकार समूह ने रचा कला का नया अध्याय

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर:- भारतीय कला जगत में एक नई ऊर्जा और सृजनात्मकता का संचार करते हुए चित्रांजलि कलाकार समूह ने अपने विशिष्ट कला कार्यों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। यह समूह विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए युवा एवं प्रतिभाशाली कलाकारों का संगठित मंच है, जो भारतीय सांस्कृतिक विरासत एवं आधुनिक कला का सुंदर समन्वय प्रस्तुत कर रहे हैं। समूह में प्रमुख रूप से मधुमिता दासगुप्ता, प्रेम, माधव शर्मा, सुंदरम, आस्था, प्राची, आयुष, राजवीर और सत्यम-जैसे समर्पित कलाकार शामिल हैं। इन सभी कलाकारों की शैली, विषय-वस्तु और रंगों के प्रयोग में विविधता और गहराई देखने को मिलती है। चित्रांजलि का उद्देश्य केवल चित्रकला तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मंच कलाकारों को विचारों की अभिव्यक्ति, सामाजिक सरोकारों की प्रस्तुति और सांस्कृतिक संवाद के लिए भी प्रोत्साहित करता है। आने वाले महीनों में यह समूह देश के विभिन्न शहरों में अपनी कला प्रदर्शनियों का आयोजन करेगा। चित्रांजलि समूह की यह पहल भारतीय कला जगत के लिए एक सकारात्मक संकेत है, जो युवा कलाकारों को प्रोत्साहित करने और कला को जन-जन तक पहुँचाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

संदीपनी पब्लिक स्कूल ने मनाया मातृ दिवस

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झौसागड़ी दुखी साह रोड स्थित संदीपनी पब्लिक स्कूल में मदर्स डे के उपलक्ष्य में एक भव्य व भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन वायोरे वैंकेस हॉल में किया गया। यह विशेष आयोजन मातृत्व के सम्मान में समर्पित था, जिसमें देवघर शहर की दर्जनों विशेष व्यक्तित्व वाली महिलाओं ने अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला थाना की थाना प्रभारी बीना हांसदा ने सिरकत की। अन्य विशिष्ट अतिथियों में समाज सेवी रीता चौरसिया, डॉक्टर के. पल्लवी, भारत विकास परिषद की सचिव कंचन शेखर, सत्संग कॉलेज की प्राचार्य नीलिमा सिंन्हा, इनरविह्ल क्लब सी. जी. आर सारिका साह, प्रेसिडेंट अर्चना भगत, रौनियार वैश्य समाज की अध्यक्ष लाजवंती गुप्ता, उपसचिव पायल गुप्ता, किडविज प्ले स्कूल की निर्देशिका ज्ञानी मिश्रा शामिल हुई। सामूहिक दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। कार्यक्रम को तीन भागों में विभाजित किया गया था। प्रथम सत्र बच्चों को समर्पित था, जिसमें उन्होंने नृत्य, कविता, गायन एवं नाट्य रूपांतरण जैसी सुंदर प्रस्तुतियों से उपस्थित माताओ का मन मोह लिया। बच्चों की मासूमियत और प्रतिभा ने पूरे माहौल को उल्लासमय बना दिया। द्वितीय सत्र माताओं के लिए आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं रखी गईं गई थी जैसे फोल्डिंग सारीज, सैरीगेटिंग पल्सेस, वेयरिंग पेपर नेकलेस, गेस द सॉन्ग, गेस द मूवी, कप बैलेंसिंग आदि । माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया और इनाम भी जीते।'. तीसरे सत्र में मदर कॉन्टेस्ट का आयोजन किया गया जिसमें मदर यूनिवर्स,मदर अर्थ, मदर वर्ल्ड और 'मल्टीटैलेंटेड मदर' जैसे खिताबों से उन्हें नवाजा गया। विजयी प्रतिभागियों को पुष्प गुच्छ,मुकुट और उपहार देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनकी रचनात्मकता और आत्मबल को एक नई पहचान मिली । कार्यक्रम के पश्चात सभी अतिथियों और माता ने सुस्वादी स्नैक्स का लुफ्त उठाया कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्राचार्य ने सभी शिक्षिकाओं, माताओ, अतिथियों, अभिभावकों, प्रतिभागियों एवं सहायकों को कार्यक्रम के सफल आयोजन में योगदान देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। यह आयोजन न केवल मातृत्व के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का माध्यम बना, बल्कि बच्चों और अभिभावकों के बीच आत्मीय संबंधों को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में भी एक प्रभावी प्रयास सिद्ध हुआ।

मुंगेर में बोले शिवदीप लांडे, 60 लाख शिक्षित बेरोजगार युवाओ को नही मिल रही नौकरीयां

बिहार के 243 सीटों पर लड़ेंगी राष्ट्रीय हिंद सेना पार्टी विस चुनाव

दो दिवसीय दौरे पर मुंगेर पहुंचे पूर्व आईपीएस अधिकारी शिवदीप लांडे

रंजीत कुमार विद्यार्थी

मुंगेर : अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान मुंगेर पहुँचे पूर्व आईपीएस व हिन्द सेना चीफ शिवदीप लांडे ने कहा युवा जिस दिन वो सोच लें बिहार बदल जायेगा,निश्चित रूप से बिहार बदल जाएगा. क्योंकि इनमे हैं अपार संभावनाएं. मुंगेर से अपने विशेष लगाव के कारण पूर्व आईपीएस व हिन्द सेना चीफ शिवदीप लांडे शनिवार (11 मई) को मुंगेर जिला पहुँचे। दौरे की शुरूआत नंदलाल बसु चौक स्थित नंदलाल बसु की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। चौक पर पूर्व से ही सैकड़ों युवा ढोल नगाड़ों के साथ शिवदीप लांडे के स्वागत को तैयार थें। वहाँ से पदयात्रा करते हुए अम्बेडकर चौक स्थित भीम राव अम्बेडकर के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अम्बेडकर चौक से खड़गपुर हाट बाजार पदयात्रा करते हुए माड़वारी तोला स्थित एक होटल में जन संवाद कार्यक्रम को सबोधित किया। भीषण गर्मी में भी अपने चहेते सुपर कॉर्प को सड़क पर देखते ही लोगो मे खासकर युवाओं में एक विशेष उत्साह देखा जा रहा है। हुजूम श्री लांडे जी के पीछे चल पड़ा। सैकड़ो युवा शिवदीप लांडे से हाथ मिलाने,सेल्फी लेने की होड़ होड़ में दिखे। 02 दिवसीय इस कार्यक्रम के दौरान वह स्थानीय लोगों से मिलते नजर आए,लांडे के साथ भारी संख्या में उनके समर्थक भी मौजूद थे। इस दौरे का उद्देश्य स्थानीय लोगो से सीधा संवाद,उनकी समस्याओं को जानना और जमीनी हकीकत से रूबरू होना है। अपने समर्थकों के साथ पदयात्रा करते हुए श्री लांडे मारवाड़ी टोला स्थित एक होटल में जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधन किया। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान श्री लांडे ने मुंगेर में हुए अपने पहले पोस्टिंग वाले दिनों को याद किया। लोगो को सरकारी तंत्र में फैले भ्रष्टाचार से कैसे निबटे इसके

लिए कई तरीके भी बताए। उसके बाद पूर्व आईपीएस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। आयोजित प्रेस वार्ता सम्मेलन में मीडिया को संबोधित करते हुए शिवदीप लांडे ने कहा कि 60 लाख शिक्षित बेरोजगार युवको में पास नौकरी नही है। व्यापार के विकल्प नही होने साथ इंडस्ट्री नही होने के प्राइवेट नौकरियां भी नही हैं ये सभी यहाँ की गंभीर समस्याएं हैं। हम आगामी विधानसभा चुनाव में तमाम 243 सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ेंगे। हमे अच्छे युवाओ को राजनीति में लाना है बिहार को बदलना है। मेरा जन्म भले ही बिहार में नहीं हुआ हो लेकिन बिहार हमेशा मेरे लिए कर्मभूमि रही है। बिहार में काफी संभावनाएं हैं लेकिन ये आज भी पिछड़ा राज्य है। बेरोजगारी व पलायन यहां की एक गंभीर समस्या है। बिहार की सेवा और विकास के लिए मैं सड़क पर हूँ और हर जाति वर्ग के लोगो का अपार स्नेह मिल रहा है जिसे पा कर अभिभूत हूँ। लोगो को हिन्द सेना से काफी उम्मीदें जग रही हैं भारी तादाद में हमे लोगों के संदेश भी मिल रहे हैं और वे उनकी पार्टी से जुड़ना चाह रहे हैं। हमने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर पार्टी के सदस्य बनने के लिए एक फॉर्म भी जारी किया है वहाँ से आप आसानी से हिन्द सेना के संस्थापक सदस्य बन सकते हैं। हिन्द सेना के मुखिया शिवदीप लांडे फुल्का मैदान में आयोजित फुटवाल मैच में बतौर अतिथि शिरकत कर पुरुस्कार वितरण किया व युवाओ को संदेश दिया। युवाओ को दिए अपने संबोधन में माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिवदीप लांडे ने कहा खेल हमे शारिरिक व मानसिक तौर पर स्वस्थ रखता है। हम स्वस्थ होंगे तभी समाज व देश के विषय मे सकारात्मक परिकल्पना कर पायेंगे। धरहरा बनाम फुल्का के बीच फुटबॉल मैच काफी रोमांचल रहा।

अपने संबोधन में शिवदीप लांडे ने आगे कहा कि अधिक से अधिक युवा राजनीति में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। बिहार को बदलने में युवाओं की ऊर्जा सबसे ज्यादा सहायक होगी। बिहार के युवाओ में एक गजब सी ऊर्जा है और ये कुछ भी कर सकते हैं। लेकिन रोजगार नही होने में कारण यहाँ पलायन व बेरोजगारी एक गंभीर समस्याएं हैं अगर इसपे काबू नही किया गया तो बहुत जल्द बिहार बूढों का राज्य बन कर रह जायेगा। सूबे में युवाओ के लिए बेरोजगारी के साथ महिलाओं व बुजुर्गों के लिए भी जीवन बहुत कठिन है। कई गावों तक बुनियादी सुविधाएं अभी तक नही पहुचीं हैं। करोड़ो रुपये की योजनाओं के बावजूद साफ पानी व समुचित बिजली हर जगह नही पहुच पाई है। शिक्षा की स्थित बदतर होने साथ स्वास्थ्य की बुनियादी सुविधाएं नदारद हैं। हिन्द सेना राष्ट्रवाद, सेवा और समर्पण के सिद्धांतों पर कार्य करेगी। बिहार की सेवा और विकास ही हमारा प्रथम और आखिरी लक्ष्य है।

संक्षिप्त समाचार

डीएवी भंडारकोला में मातृ दिवस मनाया गया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल भंडारकोला में मातृ दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। हर साल मई महीने के दूसरे रविवार को मनाया जाने वाला मातृ दिवस अपनी माँ को जो कि हमें जन्म देने वाली एवं जीवन की पहली गुरु है तथा प्रेम, समर्पण और त्याग की प्रतिमूर्ति है, को सम्मानित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इस अवसर पर विद्यालय में इंटर हाउस गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्लास III से V, VI से VII और VIII से XII के कुल तीन समूहों में प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। दयानंद हाउस,अरविंदो हाउस, विवेकानंद हाउस और श्रद्धानंद हाउस के कुल 52 प्रतियोगियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। गायन प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में आदित्य चटर्जी और प्रियव्रत मजूमदार मौजूद थे।सबों ने माँ से संबंधित सुमधुर गीत की प्रस्तुति की। विद्यालय के प्राचार्य बलराम कुमार झा ने कहा कि सभी बच्चे माँ के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए अपनी माँ को उपहार,शुभकामनाएँ और प्यार जरूर दें। उन्होंने यह भी कहा कि मातृ दिवस का उद्देश्य केवल एक दिन माँ को सम्मान देना नहीं है, बल्कि यह याद दिलाना है कि माँ का स्थान जीवन में सबसे ऊँचा है।

प्राचीन कला केंद्र चंडीगढ़ के द्वारा नटराज स्कूल ऑफ आर्ट के बच्चों की ली गई परीक्षा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक 11 /5/2025 को नटराज स्कूल ऑफ आर्ट वेद टीचिंग संस्थान में प्राचीन कला केंद्र चंडीगढ़ के द्वारा क्रियात्मक परीक्षा की शुरूआत हुई जिसमें चंडीगढ़ से आए हुए परीक्षक मनोज चटर्जी के द्वारा क्रियात्मक परीक्षा लिया गया जिसमें गायन, वादन तबला ,कथक ,नृत्य तथा ड्राइंग की परीक्षा ली गई सभी विषयों के बच्चों ने अपने संबंधित विषय पर अपना सर्वोत्तम दिया, और बेहतर प्राप्तांक की उम्मीद कर रहे हैं। कुल 52 परीक्षार्थी ने भाग लिया नटराज स्कूल ऑफ आर्ट्स वेद टीचिंग संस्थान की निर्देशिका डॉक्टर रीता ठाकुर ने बच्चों को शुभकामनाएँ दी और कहा कि किसी भी तरह के परीक्षा को खूब इंजॉय करना चाहिए यह हम में निखार लाता है, यह भी कहा कि कला के क्षेत्र में बच्चे आगे बढ़े ताकि हमारे संस्थान के बच्चे देवघर ही नहीं बल्कि देश-विदेश में अपना नाम रोशन कर सके इस इसी संकल्प को लेकर नटराज संस्थान काम कर रही है । इस क्रियात्मक परीक्षा में नटराजा के शिक्षक गायन में विश्वमय चक्रवर्ती, तबला में सुनील कुमार विश्वकर्मा , कत्थक में संजीव परिहस्त तथा तबला में हरि शंकर बर्मन ड्राइंग में कुंदन पंडित का सहयोग रहा इस क्रियात्मक परीक्षा में रिंकू ठाकुर तथा विजया सिंह का भी विशेष सहयोग रहा ।

बारुण प्रखंड के पिपरा में अष्टभुजी महोत्सव सारी तैयारियां पूर्ण

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के बारुण प्रखंड में स्थित मशहूर ग्राम पिपरा में अवस्थित प्रसिद्ध शक्ति स्थल अष्टभुजी माता मंदिर के प्रांगण में 12 मई को आयोजित होने वाली अष्टभुजी महोत्सव के निमित्त महत्वपूर्ण बैठक हुई। 12 मई को आयोजित होने वाले महोत्सव के लिए तैयारी की समीक्षा की गई समीक्षोपरांत सभी कार्यक्रम संतोषजनक पाए गए। आयोजन समिति के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित बैठक का संचालन उपाध्यक्ष अजय कुमार द्वारा किया गया तैयारी से संबंधित प्रतिवेदन सचिव राजा दिलीप सिंह ने पेश किया।महोत्सव के दिन सुबह सवेरे अष्टभुजी माता की विशेष पूजा की जाएगी विद्यालयी बच्चों का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।अपराह्न में महोत्सव का विधिवत उद्घाटन किया जाएगा जिसमें स्थानीय सभी जनप्रतिनिधियों ने अपनी आने की अनुमति दे दी है। जिले के विभिन्न महोत्सव के सक्रिय सदस्यों का सम्मान समारोह के बाद विशिष्ट कलाकारों का सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। अष्टभुजी माता के महिमा एवं गरिमा को देश दुनिया में प्रचारित प्रसारित करने वास्ते स्थल को पर्यटन स्थल का दर्जा दिलाने के लिए महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। विंध्यवासिनी माता के प्रतिकृति के रूप में यहां अष्टभुजी मंदिर स्थापित है जो सैकड़ो गांव के कुलदेवी के रूप में पूजी जाती हैं। आज के बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में में एंटी करप्शन ब्यूरो के राष्ट्रीय अधिकारी आदित्य श्रीवास्तव की गरिमामई उपस्थिति रही। उन्होंने महोत्सव के आयोजन पर अपनी प्रसन्नता जाहिर की।आयोजन समिति के संरक्षक पत्रकार अजीत मिश्रा,संयोजक सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि सारे कार्यक्रमों की रूपरेखा तय कर ली गई है।

बेगूसराय में दोस्त ने हीं दोस्त की गला रेतकर कर दी हत्या, आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर काटा बवाल

हत्या की वजह का खुलासा नहीं हो सका है. लाइब्रेरी की छत पर युवक का शव मिला.

गणादेश ब्यूरो

बेगूसराय (मुंगेर) : मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत बेगूसराय जिला में दोस्तों ने ही युवक को मार डाला, लाइब्रेरी की छत पर गला रेतकर हत्या कर दी. घटना से आकर्षित लोगों ने सड़क जामकर रोष पूर्ण प्रदर्शन किया. घटना के कारणों का पता भी नहीं चल पाया है. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है. बताते चले की ,बेगूसराय के बरौनी के गढ़हरा थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर परिषद बीहट के वार्ड- 12 में हाजीपुर पोखर के पास पुस्तकालय भवन की छत पर शनिवार की रात विशेश्वर साह के 23 वर्षीय पुत्र राणा कुमार की तेज हथियार से गला रेत कर निर्मम हत्या कर दी गयी। घटनास्थल पर पेप्सी कोड

ड्रिंक्स की बोतल, डिस्पोजल ग्लास, बेल्ट, गमछा समेत अन्य खाने पीने बिखरा हुआ सामान पाया गया। आशंका जताई जाती है कि कुछ मित्रों ने ही साजिश के तहत उसकी हत्या कर दी। परिजनों को घटना की जानकारी मिलते ही कोहराम मच गया।

सुबह करीब छह बजे ही आक्रोशित लोगों ने

बरौनी-जीरोमाइल मुख्य सड़क जाम कर दी। सूचना पाकर गढ़हरा थानाध्यक्ष सुमंत चौधरी दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच मामले का जायजा लिया।इस दौरान सदर डीएसपी टू इमरान अहमद,बरौनी इंस्पेक्टर रंजन कुमार ठाकुर, जीरोमाइल इंस्पेक्टर राजेश कुमार, जीरोमाइल थानाध्यक्ष चंद्रकांत कुमार,एसआई जितेंद्र कुमार, मो आलम गिरि समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद हुए। घटना के बाद लोग एसपी के आने की मांग पर डटे थे। साथ ही, हत्यारों की तुरंत गिरफ्तार करने की मांग पर अड़े थे। वहीं समाजसेवी पार्षद अधिवक्ता चंदन कुमार, संजीव प्रसाद सिंह, हरि कुमार, मिंटू कुमार, राम प्रकाश महतो, माणिक चंद्र महतो, श्यामदेव चौधरी आदि के प्रयास से करीब 04 घंटे से लगे जाम को हटाया गया। इसके बाद आवागमन सामान्य हुआ।

भाजपा नेता राकेश सिंह के भतीजी के शादी में नेता और अधिकारी पहुंचे

पटना , । भाजपा नेता राकेश सिंह के बड़े भाई अरविंद सिंह की पुत्री की शादी में कई बड़े बड़े अधिकारी और नेता का आने जाने का लगा रहा ताता पूर्व केंद्रीय मंत्री साहनवाज हुसैन बिहार सरकार मंत्री मंटू सिंह भाजपा बिहार झारखण्ड संघठन प्रभारी नागेंद्र भाई साहब आरएसएस सुबहेदार साहब विधायक केदार सिंह विधायक डॉ सीएन गुप्ता विधायक छोटेलाल राय जिला उपाध्यक्ष प्रियंका सिंह युवा नेता सुधीर सिंह प्रमुख प्रतिनिधि राजन राय उप प्रमुख रंजीत राय प्रमुख प्रतिनिधि पशुपति साह विनोद सम्राट विजय लाला बबलू सिंह मुखिया प्रतिनिधि अजीत सिंह राहुल सिंह छोटू ओझा किशोर सिंह हरी सहनी विजय नारायण सिंह अजय मांझी सहित अनेक लोगो का आगमन देर रात्री तक आने जाने का लगा रहा सभी लोगो ने वर वधु को शुभकामनाएँ दिया इस अवसर पर गाड़ी का काफिला देर रात्री तक लगा रहा इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मंटू बाबा रामानंद सिंह सुमंत तिवारी मोनू सिंह संतोष शर्मा अजय नाथ पूरी मुखिया प्रतिनिधि विक्रम सिंह अमरेंद्र सिंह प्रमोद सिंह जीतेन्द्र गिरी मुखिया सुधीर अकेला सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

बिहार के लाल मोहम्मद इम्तियाज ने पाकिस्तान से लड़ते हुए दी शहादत

भाजपा नेता राकेश सिंह ने शाहिद के परिजनों से मिलकर दी सांत्वना

पटना । भारत और पाकिस्तान के बीच छपरा के एक और लाल ने देश की रक्षा में दी शहादत।10 मई, 2025 को पाकिस्तान ने बिना किसी उकसावे के गोलीबारी शुरू कर दी। छपरा के मोहम्मद इम्तियाज बीएसएफ में एसआई के पद पर कार्यरत थे ।वे एस के पूरा सेक्टर कश्मीर में बॉर्डर पर प्रतिनियुक्त थे। उनका पैत्रिक आवास सारण जिले के गरखा प्रखंड अतर्गत नारायण पुर गाँव मे स्थित है ।ज्ञात हो कि मोहम्मद इम्तियाज तीन भाई थे। जिसमें वह सबसे बड़े थे और सेवा में 1987 में भर्ती हुए थे। इन्हें चार बच्चे हैं दो लड़का और दो लड़की। उनके तीन बच्चों की शादी अपने जीवन काल में ही कर चुके हैं। ज्ञात हो कि उनके दूसरा भाई मोहम्मद गुलाम मुस्तफा 1994 में बीएसएफ में भर्ती हुए थे ।तीसरा भाई सऊदी अरब में मोहम्मद असलम रहते हैं। उनके पिता बहुत ही मेहनतकश इंसान हैं। जैसे ही इस बात की जानकारी भाजपा नेताओं को हुई डॉक्टर नजरे इमाम जिला

अध्यक्ष भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, संजय कुमार सिंह जिला प्रवक्ता भाजपा, राकेश कुमार सिंह भाजपा नेता सह सांसद प्रतिनिधि,राहुल पासवान भाजपा नेता, अजय माँझी ,नीरज कुमार सिंह ,संतोष सिंह, दीपु सिंह, रितेश राय,पवन सिंह, विवेक शर्मा,सुभाष राम, मनोज पटेल के साथ हाल-चाल जाना । वहीं दूरभाष पर सांसद राजीव प्रताप रूडी ने उनके भाई गुलाम मुस्तफा से बात कर ढांढ़स बंधाय और हर संभव मदद देने की बात कही है।

एसडीपीओ द्वारा मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी की बैठक की गई

साहिबगंज: राजमहल अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना प्रभारी व पुलिस निरीक्षकों के साथ एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी की अध्यक्षता में मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी आयोजित की गई। मासिक अपराध नियंत्रण गोष्ठी में बीते माह के लंबित मामलों की समीक्षा की गई। इस दौरान सभी थाना प्रभारीयो से थाना में दर्ज केस से संबंधित जानकारी ली गई। वहीं मामलों के त्वरित निष्पादन को लेकर उपस्थित पुलिस पदाधिकारी को कई आवश्यक निर्देश दिए गए।

विश्व मातृ दिवस पर महिलाओं के उत्थान को लेकर लिया संकल्प

मुंगेर। विश्व महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यदुवंश संगठन की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता यदुवंश समाज के प्रबुद्ध संघ के अध्यक्ष महेंद्र यादव तथा संचालन पवन यादव ने किया। बैठक का संयोजन मुंगेर एवं भागलपुर प्रमंडल के प्रभारी सुरेश यादव तथा सह-संयोजन शिक्षक अजय कुमार यादव कर रहे थे। मातृशक्ति का नेतृत्व संयुक्त रूप से महिला यदुवंश नेत्री बिंदा यादव, संगीता यादव एवं पूजा यादव ने किया। इस दौरान मातृशक्ति को समर्पित संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में महिलाओं के उत्थान, महिलाओं के सशक्त विकास, महिला शिक्षा, महिलाओं को रोजगार से जोड़ने तथा परिवार में महिलाओं की प्रधानता पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया। महिला सशक्तिकरण पर चर्चा करते हुए यदुवंश समाज का नेतृत्व कर रहे अभिषेक यादव, संजीत यादव, चंद्रमा प्रसाद उर्फ चंदन यादव एवं

चौधरी पवन यादव ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं को समझ में सशक्त भूमिका में लाने की दिशा में पुरुषों को अपने घर से प्रयास करने की जरूरत है। इसके लिए महिलाओं को सर्वप्रथम शिक्षा से जोड़कर उन्हें रोजगार की दिशा में प्रशिक्षण देकर रोजगार मुहैया करने पर हर संभव प्रयास करने की जरूरत है। यदुवंश समाज इस दिशा में अथक प्रयास कर रहा है। यदुवंश समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी महेंद्र यादव, अजय यादव एवं सुरेश यादव ने कहा कि हमें अपने समाज में महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे लाकर उन्हें उचित सम्मान दिलाने के लिए प्रयत्नशील होना होगा। हम एक सभ्य तथा सशक्त समाज की परिकल्पना तभी कर सकते हैं जब उसे समाज में महिलाओं की भागीदारी अहम होगी। सत्यजीत यादव एवं दीपक यादव ने कहा कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, महिला उत्पीड़न जैसी सामाजिक कुरीति पर रोक लगाने की आवश्यकता है। बिंदा यादव, संगीता यादव एवं पूजा यादव ने कहा कि हम महिलाओं को पुरुषों की तरह समान अवसर मिले तो हम महिलाएं भी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से काम नहीं होगी। परंतु समाज में महिलाओं को हर क्षेत्र में पीछे रखा जाता है। जहां महिलाओं को मौका मिलता है, वहां अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने में चूकती नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

बुद्धा आश्रम संस्था के द्वारा वृद्धाश्रम संचालन कमेटी का किया गठन

मुंगेर। बुद्धा आश्रम संस्था के तत्वावधान में रविवार को छोटी केशोपुर में एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सामाजिक कार्यकर्ता मयंक राज उर्फ छोटू डॉन ने किया। बैठक में सामाजिक स्तर पर विभिन्न सामाजिक कार्यों को संचालित करने की दिशा में चर्चा की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से स्थानीय स्तर पर जरूरतमंद वयोवृद्ध लोगों को शरण देने के उद्देश्य से वृद्धाश्रम विकसित किए जाने को लेकर निर्णय लिया गया। वृद्धाश्रम को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए और कमेटी तथा महिला कमेटी का गठन किया गया। महिला कमेटी के रूप में एससी एसटी महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष साधना देवी को जिम्मेदारी सौंपी गई। मयंक राज उर्फ छोटू डॉन को जमालपुर प्रखंड अध्यक्ष, अमझर कोल काली निवासी मंगल कुमार को प्रखंड सचिव, शिवम कुमार को प्रखंड कोषाध्यक्ष, बनाया गया। इस बैठक में कोर कमेटी के सदस्य के रूप में राजीव कुमार, सुधीर कुमार, रोहित कुमार, अमित रंजन को जिम्मेदारी दी गई। बैठक में बुद्ध आश्रम संस्था का डायरेक्टर गोविंद कुमार भी उपस्थित थे।

मेडिकल कैंप लगाकर करीब 200 मरीज का किया गया मुफ्त इलाज

जमालपुर। श्री श्री आनंदमूर्ति जी के जन्मोत्सव आनंद पूर्णिमा के 104 वीं जन्मोत्सव के उपलक्ष में 72 घंटे का अखंड कीर्तन 9 मई से अनवरत चल रहा है जो 12 मई को सुबह 5:45 में में संपन्न होगी। रविवार को वलीपुर जागृति में एकदिवसीय मेडिकल कैंप किया गया। जिसमें ब्लड टेस्ट कैंप किया गया और होम्योपैथी चिकित्सा और एलोपैथिक चिकित्सा भी किया गया। जिसमें करीब 200 पेशेंट को लाभ हुआ। ब्लड टेस्ट कैंप में रिलीफ सेकेटरी इंद्रदेव कुमार, पैथोलॉजिस्ट कुंदन जी और डॉक्टर प्रिंस कुमार डॉ अखिलेश कुमार और स्टाफगण अन्य लोग शामिल थे। सभी रोगी का उचित रूप से चेकअप हुआ। ब्लड प्रेशर,शुगर, कोलेस्ट्रॉल, कैल्सियम वगैरह और सबका रक्त लिया गया। जिसका रिपोर्ट सभी को मंगलवार को दिया जाएगा। आनंद मार्ग प्रचारक संघ केवल इनडोर प्रोग्राम ही नहीं बल्कि आउटडोर प्रोग्राम भी करते हैं और समाज के निम्न वर्ग तक पहुंचने का प्रयास करते हैं। इनका प्रयास है कि समाज के निचले स्तर तक ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाया जा सके और उनको रिलीफ दिया जा सके। मेडिकल कैंप का सफल संचालन के लिए डायसिस सचिव आचार्य सद्विरानंद अवधूत दादा, केंद्रीय जनसंपर्क सचिव आचार्य कल्याणमित्रानंद अवधूत जी और भूक्ति प्रधान रणजीत कुमार जी, रमेश जी, राजेश जी, ब्रजेश जी, विवेकजी और उनके समिति के सभी लोग क्रियाशील रहे और बताया गया कि आगे भी इस प्रकार का आयोजन बार-बार किया जाएगा और समाज के निचले स्तर तक रिलीफ दिया जा सकेगा।

सीबीएसई रीजनल ऑफिस,पटना के तत्वावधान में दो दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यशाला का डीएवी, भण्डारकोला में आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल भंडारकोला में सीबीएसई पटना द्वारा आयोजित दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में डीएवी भंडारकोला के 120 शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय था लाइफ स्किल। इसमें विद्यालय के शिक्षकों ने बड़े ही उत्साह से भाग लिया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रशिक्षक हिमांशु शेखर पांडे, आकाश कुमार,उमा शंकर सिंह और अवंतिका आनंद ने ₹लाइफ स्किल₹ के हर पहलू से शिक्षकों को अवगत कराया ।कार्यक्रम में शिक्षकों के द्वारा समूह परिचर्चा,हैंड आउट गीत,पेंटिंग आदि गतिविधियों की भी प्रस्तुति की गई । कार्यक्रम काफी ज्ञानवर्धक रहा ।कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य सह प्रशिक्षण समन्वयक बलराम कुमार झा ने शिक्षकों को प्रशिक्षण प्राप्त कर इसका सीधा लाभ अपने शिक्षण कौशल वर्धन में लगाने की अपील की।

गोह में करंट लगने से महिला की मौत, पुलिस ने ऋस्छ टीम के साथ की जांच

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद) (गोह) गोह थाना क्षेत्र के असेयास गांव में शनिवार को करंट लगने से एक 40 वर्षीय महिला की दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान असेयास गांव निवासी स्व कृष्णा यादव की पत्नी आरती कुंवर के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही गोह थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित रूप से मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए आस-पास के ग्रामीणों के बयान दर्ज किए। पुलिस के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल (ऋस्छ) टीम को बुलाया गया, जो घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन का कार्य कर रही है। घटनास्थल पर पंचनामा की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को अंत्य परीक्षण के लिए सदर अस्पताल, औरंगाबाद भेजा गया है। थानाध्यक्ष मो इरसाद ने बताया की पुलिस मामले में अग्रतर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है और हर पहलू से जांच जारी है। विदेशी शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार, टेम्पो भी जब्त गोह (औरंगाबाद) अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बंदेया पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 0.375 लीटर विदेशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है, साथ ही शराब की ढुलाई में प्रयुक्त एक टेम्पो को भी जब्त किया गया है। बंदेया थानाध्यक्ष सूरज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि कांड संख्या- 48/25 के तहत थानाक्षेत्र के साव बिगहा गांव निवासी सुरेन्द्र यादव को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी अवैध रूप से शराब की तस्करी कर रहा था।

औधोगिक विकास के लिए तरस रही धरहरा, अन्यत्र पलायन कर रहे मजदूर

धरहरा में नही है एक भी कल-कारखाने

पत्थर उधोग, स्लेट उधोग हुआ बंद, हजारों मजदूर हुए बेकार

कालीन उधोग धरातल उतरने से पहले तोड़ दी दम

डॉ शशि कांत सुमन

मुंगेर : आजादी के वर्षो बाद भी धरहरा प्रखंड का औधोगिक विकास नहीं होने से यहां के बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। रोजगार नहीं मिलने के कारण स्वजनों का दो जून की रोटी की जुगाड़ के लिए अन्य राज्यों की ओर पलायन करना पड़ रहा है।कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के दौरान अन्य राज्यों में यातना सह चुके मजदूरों ने स्थानीय स्तर पर रोजगार नहीं मिलने के कारण एकबार फिर रोजगार ढूंढने के लिए अन्य राज्यों की ओर निकलना शुरू कर दिया है।

रोजगार के लिए एक भी नहीं है कल कारखाने

कभी सुखाड़, कभी बाढ़ की विभीषिका झेलने के लिए अभिशिप्त धरहरा वासियो के लिए साल-दर-साल बीतता गया। लेकिन कोई जनप्रतिनिधियों ने यहां के बेरोजगारों को रोजगार दिलाने के लिए कल-कारखाने खोलने के लिए प्रयास नहीं किए। अंग्रेजी हुकूमत के समय से चले आ रहे पत्थर उत्खनन व स्लेट उधोग भी बंद हो गए। धरहरा के पहाड़ी इलाकों में उन्नत किस्म के पत्थरों के खदान है। पूर्व इन क्षेत्रों में लीज के माध्यम से पत्थर उत्खनन होता था।इन पत्थरों की मांग बिहार सहित अन्य राज्यों में होती थी। इसमें हजारों लोगों को रोजगार मिलता था। लेकिन इन वन क्षेत्रों को भीमबांध वन्य जीव आश्रयणी क्षेत्र घोषित किए जाने के बाद धरहरा के पहाड़ी इलाकों में पत्थर उत्खनन बंद हो गया। इसी तरह आजिमगंज के पहाड़ों में उन्नत किस्म का स्लेट का पत्थर मिलता है। कभी यहां के बने स्लेट देश अन्य राज्यों में रेल के माध्यम से भेजा जाता था। यह उधोग को भी वन्य जीव आश्रयणी क्षेत्र घोषित करने के बाद लीज को रद्द कर दिया।

बंगलवा कालीन उधोग धरातल उतरने के पूर्व तोड़ दी दम

पूर्व मंत्री उपेन्द्र प्रसाद वर्मा के कार्यकाल में बंगलवावासियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए बंगलवा कचहरी चौक के पास कालीन उधोग भवन का निर्माण कराया गया। लेकिन यह योजना धरातल उतरने से पूर्व ही विभागीय उदासीनता के कारण दम तोड़ दी। वर्तमान में कालीन उधोग भवन में हेल्थ एन्ड वेलनेस सेंटर संचालित किया जा रहा है।

उधोग लगाने की है आपार संभावनाएं

धरहरा में कल कारखाने लगाने के लिए सैकड़ो एकड़ जमीन गैर मजरुआ जमीन है। इसके साथ ही टाल क्षेत्रों में सैकड़ो जमीन है। जहां सिर्फ एक फसल होती है। टाल क्षेत्र की जमीन एनएच 80 के साथ रेलमार्ग से भी जुड़ा हुआ है। इस जमीन को भी एक्वायर कर कल-कारखाने लगाए जा सकते है।

क्या कहते है धरहरावासी

समाजसेविका चंदा यादव, कैलाश यादव ने कहा कि रोजगार के साधन नहीं रहने के कारण रोजगार की तलाश में यहां बेरोजगार अन्यत्र पलायन करते है। यदि यहां कल-कारखाने स्थापित किया जाए तो लोगों को रोजगार अन्यत्र नहीं जाना पड़ेगा। प्रवीण कुमार सिंह, मिलन पटेल ने कहा कि नई ओधोगिक नीति के तहत कल-कारखाने की खोलने की जरूरत है। छोटे-छोटे उधोग के लिए भी बैकों के उदारता दिखाते हुए युवाओं को ऋण देने की भी आवश्यकता है।

धरहरा पीएचसी में लगी धड़कनों पर नजर रखने वाली मशीन. अब यहीं होगा ईसीजी, नहीं जाना पड़ेगा शहर

दिव्य दिनकर संवाददाता

धरहरा (मुँगेर): धरहरा के मरीजों के लिए बड़ी राहत की खबर है। अब सीने में जरा सी भी घबराहट या दिल की धड़कनों में गड़बड़ी महसूस हुई तो सीधे धरहरा पीएचसी जाइए–यहां ईसीजी जांच की सुविधा शनिवार से प्रारंभ कर दी गई है। अस्पताल में हृदय की धड़कनों पर नजर रखने वाली ईसीजी मशीन को सक्रिय कर दिया गया है। सीएचसी के प्रभारी डॉ. अविनाश कुमार ने बताया कि मशीन को इंस्टॉल कर लिया गया है और मरीजों की जांच भी शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा कि ह्लईसीजी जैसी जरूरी जांच अब गांव में ही हो रही है, जिससे समय पर बीमारी पकड़ में आएगी और इलाज में देरी नहीं होगी. गांव के पंचायत जनप्रतिनिधि बोले–अब नहीं लगाना पड़ेगा शहर का चक्कर धरहरा के सरपंच राकेश रंजन उर्फ कालीचरण, पूर्व प्रखंड प्रमुख सह बंगलवा पंचायत की पंचायत समिति सदस्य फूला देवी ,पंचायत समिति सदस्य आशीष कश्यप ने बताया पहले मामूली जांच के लिए भी मुंगेर जाना पड़ता था। अब यहीं सब हो रहा है–बहुत बड़ी सुविधा मिल गई है ,गरीबो के लिए यह सुविधा रामवाण होगी । हमने सालों से ईसीजी जैसी सुविधा की मांग की थी। अब जाकर स्वास्थ्य विभाग की नींद खुली है। उम्मीद है आने वाले समय में अल्ट्रासाउण्ड सहित अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी। ईसीजी की खूबियां बताने खुद पहुंचे डॉक्टर और टीम ईसीजी मशीन की शुरूआत के मौके पर प्रभारी डॉ. अविनाश कुमार, मैनेजर राजेश कुमार और संतोष कुमार सहित अन्य स्वास्थ्य कमीयों ने मशीन की विशेषताओं और इसके इस्तेमाल के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

नशे में धुत डीजे वाहन चालक ने महिलाओं को रौंदा, दो की मौत

मामला लखीसराय जिले के सूर्यगढ़ा थाना क्षेत्र के मानिकपुर गांव का शादी की खुशियां मातम में बदली, परिजनों में मचा कोहराम

दिव्य दिनकर संवाददाता

लखीसराय (मुंगेर) : मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत लखीसराय जिले के सूर्यगढ़ा में एक अनियंत्रित डीजे गाड़ी ने दरवाजे पर बैठी महिलाओं को रौंद दिया. इस हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गयी. जबकि एक महिला जख्मी है. चालक फरार हो गया. पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है. सूर्यगढ़ा प्रखंड के मानिकपुर थाना क्षेत्र के बाकरचक गांव की यह घटना है. घटना शनिवार देर रात की है. हादसे में दो महिलाएं की मौत हो गयी, जबकि एक अन्य जख्मी हो गयी.मृतक की पहचान बाकरचक गांव के रहने वाले स्व. फूचो महतो की पत्नी 80 वर्षीय पार्वती देवी और इसी गांव के रहने वाले स्व. भूखन साव की पत्नी 62 वर्षीय मालती देवी के रूप में हुई. जबकि हादसे में इसी गांव के रहने वाले सुबोध साव की पत्नी 35 वर्षीय कुसुम देवी जख्मी हो गयी. पुलिस के मुताबिक डीजे लोड नियंत्रित वाहन ने ग्रामीण सड़क पर खड़ी दो बाइक,एक साइकिल एवं बिजली के पोल को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया. घटना के बाद गाड़ी का चालक गाड़ी खड़ी करके भागने में सफल रहा. पुलिस ने वाहन को कब्जे में लिया है. इधर, घटना को लेकर चर्चा है कि वाहन का चालक नशे की हालत में था. जिससे यह घटना हुई. मानिकपुर थानाध्यक्ष रणधीर कुमार ने बताया कि अभी चालक की पहचान नहीं हो पायी है. न ही उसके अल्कोहल का सेवन करने की पुष्टि हो पायी है. मृतक के परिजनों द्वारा अभी मामले को लेकर आवेदन नहीं दिया गया है. पुलिस द्वारा दोनों शव का सदर अस्पताल लखीसराय में पोस्टमार्टम कराया गया है. जानकारी के मुताबिक डीजे लोड पिकअप गाड़ी ग्रामीण सड़क पर खड़ी थी. वहीं महिलाएं घर के दरवाजे पर बैठी थीं. ड्राइवर ने जैसे ही गाड़ी स्टार्ट किया, गाड़ी उछलकर दरवाजे पर बैठी महिलाओं से जा टकरायी. आनन-फानन में ड्राइवर गाड़ी खड़ी करके फरार होने में सफल रहा. पुलिस ने वाहन को जब्त किया है.

बोले,थानाध्यक्ष

मानिकपुर थानाध्यक्ष रणधीर कुमार ने कहा कि वाकरचक गांव में डीजे लोड पिकअप ने अपने दरवाजे पर बैठी महिलाओं को टक्कर मार दिया. जिससे दो महिलाओं की मौत हुई है. पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया है. मामले को लेकर अभी आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

भाजपा उपहारा मंडल की नई कमिटी घोषित की गई

अरुणजय शर्मा उपाध्यक्ष, सत्येन्द्र शर्मा महामंत्री और भीम कुमार कोषाध्यक्ष किये गये नियुक्त।

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)उपहारा में रविवार को भारतीय जनता पार्टी, उपहारा मंडल की नई कमिटी की घोषणा मंडल अध्यक्ष राजीव कुमार विद्यार्थी द्वारा की गई। संगठन विस्तार और स्थानीय कार्यकताओं को सशक्त करने के उद्देश्य से घोषित इस कमिटी में अनुभवी और युवा चेहरों को जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। घोषित कमिटी में उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी अरुणजय शमी, नितु कुमारी, श्रीमती रीता देवी, अमोद कुमार उर्फ प्रमोद जायरावाल, श्रीमती रेशम कुमारी और सुभाष वर्मा को सौंपी गई है। महामंत्री के रूप में सत्येन्द्र शर्मा और बृजकिशोर पाल को नियुक्त किया गया है। मंत्री पद के लिए जिन कार्यकताओं को चयनित किया गया है, वे हैं: ज्ञान दिप सिंह उर्फ प्रधान जी, संजय साब, विजय बिन्द, श्रीमती आरती देवी और श्रीमती उषा देवी। कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी श्री भीम कुमार सिंह को दी गई है। मंडल अध्यक्ष राजीव कुमार विद्यार्थी ने नवगठित कमिटी के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि यह टीम संगठन को मजबूत करने, आम जनता से जुड़ने और पार्टी की विचारधारा को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाएगी।

छेड़ मिलन के गीत रे मितवा छेड़ मिलन के गीत, दो सांपों का 'प्रेम मिलन

अद्भुत नजारा देख लोग बोले- छेड़ो नहीं,करने दो प्यार

तारापुर के गणेली गांव के पास दो सांपों का अद्भुत नजारा दिखा. दोनों सांप आपस में लिपटे हुए थे.

यह दृश्य प्रेम मिलन का प्रदर्शन था,घटना की खबर फैलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई

रंजीत विद्यार्थी

मुंगेरः अपने जमाने का मशहूर फिल्म 'शेषनाग' का सुपरहिट गीतों में शामिल छेड़ मिलन के गीत रे मितवा छेड़ मिलन के गीत..., का नजारा रविवार को मुंगेर जिले के तारापुर अनुमंडल क्षेत्र में देखने को मिला. बताते चले की वर्ष 1989 में सुपरहिट फिल्म शेषनाग रिलीज हुई थी. इस फिल्म में इच्छाधारी नाग और नागिन का प्रेम मिलन पर छेड़ मिलन के गीत रे मितवा छेड़ मिलन के गीत...,को बेहतरीन ढंग से प्रदर्शित किया गया था. इसी तरह का कुछ अद्भुत व अनोखा नजरा तारापुर अनुमंडल क्षेत्र के गणेली गांव में देखने को मिला। यहां दो सांप प्रेम करते हुए दिखाई दिए। वे एक-दूसरे से लिपटे हुए थे। यह दृश्य इतना अद्भुत था कि लोग हैरान रह गए। सांपों को देखने के लिए मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने इस घटना को अपने कैमरे में कैद कर लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। माना जाता है कि सांपों का ऐसा व्यवहार अक्सर प्रजनन काल में देखा जाता है।

आपस में लिपटे हुए थे दो सांप

दरअसल, गणेली गांव के पास दो बड़े सांप अठखेलियां कर रहे थे। जैसे ही यह खबर फैली, गांव वाले और राहगीर वहां जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने दो विशाल सांपों को आपस में लिपटे हुए देखा। वे एक खास अंदाज में घूम रहे थे। यह देखकर वे हैरान रह गए। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना अन्य लोगों को दी।

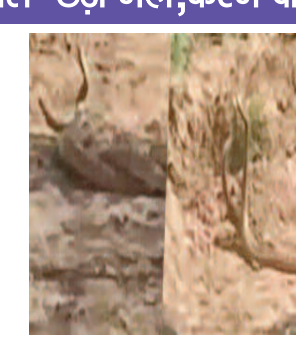

सांपों की अठखेलियों देखने को लगी भीड़

सांपों की अठखेलियों को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। हर कोई इस नजारे को हैरानी से देख रहा था। लोगों ने इस पल को कैमरे में कैद कर लिया। फिर इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में सांप झाड़ियों के बीच लिपटे हुए दिख रहे हैं। वे एक दूसरे के चारों ओर घूम रहे हैं। ऐसा लग रहा था जैसे वे कोई नृत्य कर रहे हों।

प्रजनन काल में सांपों का ऐसा व्यवहार

सांपों का ऐसा व्यवहार अक्सर उनके प्रजनन काल में देखा जाता है। नर सांप मादा सांप को आकर्षित करने के लिए ऐसा करते हैं। वे आपस में कुश्ती करते हैं या अठखेलियां करते हैं। इस दृश्य की दुर्लभता ने इसे स्थानीय लोगों के लिए यादगार बना दिया। यह घटना प्रकृति के अद्भुत और रहस्यमय पहलुओं को दिखाती है। इसे देखकर लोग हैरान और खुश हो गए।

जिले में महिला संवाद कार्यक्रम सभी ग्यारह प्रखंडों के चयनित ग्राम संगठनों में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में महिला संवाद कार्यक्रम सभी ग्यारह प्रखंडों के चयनित कुल तीस ग्राम संगठनों में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया`

औरंगाबाद जिला में अभी तक 619 ग्राम संगठनो मे महिला संवाद का आयोजन किया जा चूका है` जिले में प्रतिदिन 15 महिला संवाद रथ का संचालन दो पालियो मे किया जा रहा है महिला संवाद बिहार सरकार का महिलाओं के साथ सीधा संवाद करने की अनूठी पहल है । जहाँ महिला सशक्तीकरण संबंधी योजनाओं की जानकारी महिलाओं के साथ साझा की जा रही है । महिलायें इन योजनाओं से हुए सीधे लाभ की बात करती हैं और योजनाओं को और बेहतर बनाने की बात भी संजीदगी के साथ करती है` इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएँ अब अपने सपनों और आकांक्षाओं को खुलकर व्यक्त कर रही हैं । राज्य सरकार की पहल, महिला संवाद , उनके लिए उम्मीदों का एक ऐसा मंच साबित हो रहा है, जहाँ वे न केवल अपनी समस्याओं को उजागर कर रही हैं, बल्कि विकास की नई संभावनाओं की ओर भी इशारा कर रही हैं । इस कार्यक्रम के माध्यम से महिलाएँ अपनी अपेक्षाओं और आवश्यकताओं को सीधे सरकार तक पहुँचा रही हैं, वहीं सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन में हुए बदलाव को साझा कर दूसरों को प्रेरित भी कर रही हैं । राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित महिलाएं –बसंती देवी ,रेखा देवी,कांति देवी,सवीता देवी अदि ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे इन योजनाओं का लाभ लेकर उन्होंने अपने परिवार के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार किया है और गाँव की अन्य महिलाओं को भी प्रेरित कर रही हैं। पिछले बीस सालों में राज्य में हुए विकास को उत्तरोत्तर गति प्रदान करने के उद्देश्य से महिला संवाद में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो रही हैं ' जहाँ गाँव की महिलाएं गाँव के विकास के लिए अपनी इच्छाएं एवं आकांक्षाओं को सुचिवद्ध करा रही हैं ' अभी तक कुल 13332 अपेक्षाओं का ऐप मे प्रविष्ट किया जा चुका है ' ग्राम संगठन स्तर पर राज्य के सभी जिलों में महिला संवाद आयोजित किये जा रहे हैं` साथ ही राज्य सरकार द्वारा संचालित लोक कल्याणकारी योजना की सफलता पर आधारित फिल्मे भी महिला संवाद रथ में प्रदर्शित की जा रही है ' इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन के लिए राज्य में संचालित योजनाओं से संबंधित लीफलेट महिलाओं के बीच वितरित किया जा रहा है ताकि अब तक अगर कोई भी महिला योजनाओं का लाभ नहीं ले पाई है तो उससे जुड़कर अपने जीवन में बदलाव लाये और मुख्यमंत्री, बिहार श्री नीतीश कुमार का माहिलाओ के नाम संदेश भी सभी को दिया जा रहा है पार्वती ग्राम संगठन,गनपत तेंदुआ,बारुण के महिला संवाद मे श्री श्रीकांत शास्त्री जिला पदाधिकारी,औरंगाबाद, श्री पवन कुमार ,जिला परियोजना प्रबंधक,जीविका, श्री सुरेश चौधरी, प्रबंधक सामाजिक विकास , श्री अखिलेश कुमार ,प्रखंड परियोजना प्रबंधक,बारुण श्री अमित कुमार, क्षेत्रीय समन्वयक,प्रतिमा कुमारी, सामुदायिक समन्वयक एवं सभी माहिलाओ ने भाग लिया। जिला पदाधिकारी द्वारा महिला संवाद के बारे बताया गया की बिहार सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए विभिन्न विभिन्न तरह की योजना चलाई जा रही है । जिला पदाधिकारी,औरंगाबाद द्वारा विभिन्न छात्रवृत्ति योजना ,मुख्यमंत्री महिला उधमी योजना, मुख्यमंत्री बालिका साईकिल योजना एवं बालिका पोशाक योजना आदि के बारे मे विस्तार से बताया एवं इसका लाभ लेने के लिए उपस्थित सभी माहिलाओ को प्रेरित किया '

भारत ने हमला नहीं, जवाबी कार्रवाई की है

>> विचार

> दिलचस्प यह है कि पाकिस्तान के इन हमलों को निष्फल करने वाली आकाश मिसाइल को भारत की अपनी स्वदेशी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने बनाया है। भारत ने उनके तीन सैनिक ठिकाने जहां तबाह किए हैं, वहीं उसको लगातार जवाब दिया जा रहा है। भारत को अपने षडयंत्र का निशाना बनाने वाले भारतीय मूल के आसिफ मुनीर लगातार हालात को बिगाड़ने की कोशिश में लगे हैं। सुनने में भले ही अजूबा लगे, भारत के खिलाफ आतंकी युद्ध के पीछे भारत से पाकिस्तान गए लोगों का ही हाथ रहा...ठीक 26 साल पहले पाकिस्तान ने सियाचिन इलाके में घुसपैठ के जरिए हम पर करगिल का युद्ध थोप दिया था।

उमेश चतुर्वेदी

भारत ने काफी सावधानी से इन स्थलों को चुना और मिसाइल एवं ड्रोन के जरिए निशाना बनाया। भारत की कोशिश यह रही कि उसकी कार्रवाई की जद में सामान्य नागरिक ना आएं। लेकिन पाकिस्तान ने इसे खुद पर हमला माना। चाहे दुश्मन की हों, या अपनी, सेनाएं हमेशा चौकस रहती हैं। ऐसे में छह और सात मई की दरमियानी रात भारतीय सेनाएं जिस तरह पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर की नौ जगहों पर सफल निशाना साधने में कामयाब रहीं, उससे पाकिस्तान की सेना, उसकी चौकसी और चीन से खरीदे उसके चौकसी वाले तंत्र पर सवाल उठता है। भारत ने यह कार्रवाई पहलगाम में 22 अप्रैल को बहे बेगुनाह खूनों के जवाब में किया। भारत के खबरिया टीवी चैनल अक्सर ही जल्दबाजी में रहते हैं। उनके यहां सोच-विचार की प्रक्रिया की गुंजाइश कम है। शायद यही वजह है कि भारतीय कार्रवाई को उन्होंने पाकिस्तान पर हमला बताने में देर नहीं लगाई। लेकिन यह ध्यान रखने की बात है कि हमला एक तरह से युद्ध की शुरुआत होता। इस लिहाज से देखें तो भारत ने जवाबी कार्रवाई की है, हमला नहीं। क्योंकि भारत ने अपनी तरफ से शुरूआत नहीं की है। इसमें दो राय नहीं कि पहलगाम में बहाए गए बेगुनाह खूनों के चलते देश में गुस्से की लहर थी। पहलगाम में आतंकियों ने जिन 26 बेगुनाह लोगों का खून बहाया, उनमें एक नेपाली नागरिक भी था। हैरत की बात यह है कि इन बेगुनाहों खून बहाते वक्त आतंकियों ने बाकायदा उनसे नाम पूछा, उन्हें कुरान की आयत और कलमा पढ़ने को बोला। यहां तक कि उनके वस्त्र उतारकर उनके अंदरूनी अंगों को देखा और हिंदू होने की तसल्ली होते ही बिना वजह गोलियों सो उड़ा दिया। उसमें दो ऐसी महिलाएं विधवा हुईं, जिनके माथे पर कुछ ही दिनों पहले सिंदूर का तेज शामिल हुआ था। आतंकियों ने धर्म के नाम पर इन महिलाओं का सुहाग उजाड़कर सिर्फ इन महिलाओं और उनके परिवारों को सूना ही नहीं किया, बल्कि भारतीय सहनशक्ति को चुनौती दे दी। भारत में गुस्से की लहर उड़ना स्वाभाविक था। बिहार के मधुबनी में एक सभा में प्रधानमंत्री

मोदी का कहना कि सुहाग उजाड़ने वाले आतंकियों का पीछा करके उन्हें खोजकर मिट्टी में मिला दिया जाएगा, उस गुस्से की ही अभिव्यक्ति थी। उसी अभिव्यक्ति को भारतीय सेनाओं ने बीती छह और सात मई की आधी रात को एक बजकर पांच मिनट से डेढ़ बजे के बीच जमीनी हकीकत बना दिया। इस हमले में पाकिस्तान के बहावलपुर स्थित मौलाना मसूद अजहर का केंद्र भी रहा, जिसने थोक के भाव से आतंकियों को पैदा किया और भारत निर्यात किया है। जिसमें 26 नवंबर 2008 को मुंबई को खून से लाल कर देने वाले अजमल कसाब और उसका षडयंत्र रचने वाले रिचर्ड हेडली भी शामिल थे। भारत ने काफी सावधानी से इन स्थलों को चुना और मिसाइल एवं ड्रोन के जरिए निशाना बनाया। भारत की कोशिश यह रही कि उसकी कार्रवाई की जद में सामान्य नागरिक ना आएं। लेकिन पाकिस्तान ने इसे खुद पर हमला माना। दिलचस्प यह है कि उसने आतंकी ठिकानों को नागरिक ठिकाने बताना शुरू किया। इसके साथ ही उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह भी बताना तेज कर दिया कि भारत ने मासूमों को निशाना बनाया है। फिर उसने आतंकवादी कार्रवाई पर साझा जांच का प्रस्ताव रखा। लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इसे स्वीकार नहीं किया है। पाकिस्तान एक तरफ जहां खुद को प्रताड़ित बता रहा है, वहीं वह सात-आठ मई की रात से लगातार भारतीय क्षेत्रों में हमला कर रहा है। दुखद बात यह है कि वह खुद भारतीय क्षेत्र में नागरिक ठिकानों और घरों को निशाना बना रहा है। कश्मीर सीमा पर पुंछ में उसने एक गुरूद्वारे पर हमला किया, जिसमें रागी समेत चार लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान लगातार भारत के सैनिक ठिकानो पर हमला कर रहा है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक वह तकरीबन पूरी पश्चिमी सीमा पर मिसाइल, मोर्टार, ड्रोन और हवाई हमले कर चुका है। उसने चंडीगढ़, जैसलमेर, बाड़मेर, उरी, अखनूर, पहलगाम, जम्मू, लेह, सर क्रीक, भुज समेत तमाम सैनिक ठिकानों पर निशाना साधने की कोशिश कर चुका है। यह बात और है कि भारत की जवाबी कार्रवाई में उसके तकरीबन सभी प्रयास नाकाम कर दिए गए। दिलचस्प यह है कि पाकिस्तान के इन हमलों को निष्फल करने वाली आकाश मिसाइल को भारत की अपनी स्वदेशी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने बनाया है। भारत ने उनके तीन सैनिक ठिकाने जहां तबाह किए हैं, वहीं उसको लगातार जवाब दिया जा रहा है। भारत को अपने षडयंत्र का निशाना बनाने वाले भारतीय मूल के आसिफ मुनीर लगातार हालात को बिगाड़ने की कोशिश में लगे हैं। सुनने में भले ही अजूबा लगे, भारत के खिलाफ आतंकी युद्ध के पीछे भारत से पाकिस्तान गए लोगों का ही हाथ रहा...ठीक 26 साल पहले पाकिस्तान ने सियाचिन इलाके में घुसपैठ के जरिए हम पर करगिल का युद्ध थोप दिया था.. उस युद्ध के पीछे जनरल परवेज मुशर्रफ का हाथ था..पाकिस्तान जाने से पहले परवेज का परिवार दिल्ली के चांदनी चौक में रहता था..पहलगाम की नृशंस आतंकी कार्रवाई का षडयंत्र किस्तान के जनरल आसिफ मुनीर ने रचा। यहां जानना जरूरी है कि आसिफ का परिवार भी भारत से पाकिस्तान गया था..बंटवारे से पहले आसिफ का परिवार जालंधर में रहता था.. भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान लगातार मुंह की खा रहा है। इसके बावजूद वह दुष्प्रचार के जरिए अपनी डींगे हांक रहा है। पाकिस्तान अपने लोगों को लगातार बता रहा है कि उसकी सेनाओं ने भारत की सेना या वायुसेना को इतना नुकसान पहुंचाया। जबकि उसके ये दावे कोरे झूठ हैं। इस लिहाज से देखें तो भारत दो मोर्चों पर जूझ रहा है..पहला मोर्चा जहां सैनिक है, वहीं दूसरा मोर्चा सूचनाओं का है..अरब क्रांति के दौरान देवता के रूप में उभरा सोशल मीडिया अब देवता और दैत्य-दोनों ही भूमिकाओं में है..पाकिस्तान इन दिनों सोशल मीडिया की दैत्य वाली भूमिका का खूब उपयोग करते हुए भारत के बारे में लगातार गलत सूचनाएं दे रहा है..अपनी सेनाओं की झूठी कामयाबियों को इसी के जरिए वह फैला रहा है। भारत पर आरोप लगा रहा है कि भारतीय सेनाएं रिहायशी इलाकों और धार्मिक स्थानों पर हमला कर रही हैं.लेकिन यह गलत है और भारत का सार्वजनिक सूचना तंत्र और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय लगातार इन भ्रामक सूचनाओं को तथ्यों के साथ खारिज कर रहे हैं और पाकिस्तान के झूठ को बेपर्दा कर रहे हैं। वैसे यह दुनिया का जाना-पहचाना तथ्य है कि सीधी लड़ाई में नाकाम रहने वाले ही फर्जी खबरों का सहारा लेते हैं। सीधा युद्ध जो नहीं कर सकता, वही शेखी भी बघारता है। पाकिस्तान के दुष्प्रचार को इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए। सच्चाई तो यह है कि भारत ने ज्यादातर पाकिस्तानी आतंकी उत्पाद केंद्रों और रक्षा केंद्रों को निशाना बनाया है। एक तरह से देखें तो भारत इस बार आतंक की फैक्ट्रियों के खात्मे को लेकर दृढ़ संकल्प नजर आ रहा है। दूसरी तरफ पाकिस्तान ड्रोन और मिसाइलों से हमला कर रहा है और फिर उससे इनकार भी कर रहा है। इससे उसका डर भी जाहिर हो रहा है। भारत में यह मानने वालों की संख्या कम नहीं है कि पाकिस्तान का यह डर और बढ़ाया जाना चाहिए। पता नहीं यही वजह है या नहीं, लेकिन भारत की जवाबी कार्रवाई एक तरह से उसके डर को ही बढ़ाने की कोशिश कर रही है। जिन देशों की आर्थिक स्थिति खराब होती है, वे युद्ध जैसी विभीषिका से बचने की कोशिश करते हैं। लेकिन पाकिस्तान की स्थिति दूसरी है। दरअसल वहां सरकार दुनिया को दिखाने का एक चेहरा भर है। शाहबाज शरीफ भले ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री हों, लेकिन असल ताकत वहां सेना प्रमुख आसिफ मुनीर के हाथ है। पाकिस्तान में कह सकते हैं कि सरकार में सेना घुसी हुई है। इसे दुनिया भी स्वीकार कर रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रूबियो का आसिफ मुनीर को फोन करना और युद्ध रोकने की बात करना सरकार में सेना के घुसी होने का ही सबूत है। पाकिस्तान की सेना एक तरह से सेना प्रमुख की लिमिटेड कंपनी होती है। सेना का रोजगार युद्ध और आतंक की सप्लाई से चलता है, इसीलिए पाकिस्तान की तरफ से आसिफ मुनीर इस युद्ध को जारी रखे हुए है। लेकिन उन्हें याद रखना होगा कि जिस तरह 1948, 1965, 1971 और 1999 में भारत ने पाकिस्तान को धूल चटाया, 1971 में बांग्लादेश को अलग कराया, अगर वह नहीं सुधरा तो इस बार भारत बड़ा सबक सिखाएगा। कुछ पश्चिमी राजनीतिक जानकार तो कहने भी लगे हैं कि पाकिस्तान दरअसल प्रसव पीड़ा से गुजर रहा है और हो सकता है कि इस बार उसकी कोख से बलूचिस्तान का जन्म हो जाए। इसलिए पाकिस्तान को चेतना होगा। अगर वह नहीं चेतेगा तो भारतीय सेनाएं इस बार उसे ऐसा सबक सिखाएंगी कि वह लंबे समय तो उसे भूल नहीं पाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से मिली 1.4 अरब डालर की रकम हिचकोले खाती उसकी अर्थव्यवस्था को हल्का सा सहारा ही दे सकती है,लंबे समय तक उसे ढो नहीं सकती।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं..)

संपादकीय

दोपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ी

पूरे देश में सड़कों का जाल तैयार हो गया है। 2023-24 में देश के अंदर में हर दिन 33 किलोमीटर से अधिक नेशनल हाइवे का निर्माण हुआ है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 में कुल 12349 किलोमीटर नेशनल हाइवे बने हैं। सड़क परिवहन मंत्रालय की महत्वाकांक्षी योजना है कि वह हर दिन 100 किलोमीटर हाइवे बनाए। इससे भारत अमेरिका को टक्कर देने की स्थिति में पहुंच जाएगा। देश में सड़कें तेजी से बन रही हैं और इस कारण से वाहनों की बिक्री भी बढ़ रही है। अब कहीं भी सड़क मार्ग से जाना आसान होता जा रहा है। देश की राजधानी दिल्ली से यहां की वित्तीय राजधानी मुंबई तक पहले कारों से लोग नहीं जाया करते थे। उसमें 24 घंटे तक की थका देने वाली यात्रा करनी होती थी, लेकिन अब यह 1350 किलोमीटर की दूरी महज 12 घंटे में की जा सकती है। इस तरह की कई सड़कें बन गई हैं जिनसे अपने गंतव्य पर पहुंचने में अब आधा समय लगता है और कम ईंधन फुंकता है। इससे सड़क परिवहन को बढ़ावा मिला है और वाहनों की बिक्री भी बढ़ी है। देश में इलेक्ट्रिक कारों का उत्पादन भी बढ़ रहा है। विदेशी कंपनियों के अलावा भारतीय कंपनियां टाटा और महिंद्रा के अलावा दो पहिया बनाने वाली कई कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहन बनाने लगी हैं। भारत में बनी कारें चीनी कार बावायडी या फिर इलोन मस्क की टेस्ला से काफी सस्ती हैं। इस वजह से इनकी बिक्री भी खूब बढ़ रही है। भारत में काम कर रही अन्य कार निर्माता कंपनियां जैसे मारुति, हुंडई, एमजी वगैरह भी इलेक्ट्रिक कारें बना रही हैं। इससे इसके बाजार में विस्तार हुआ है और लोगों में दिलचस्पी बढ़ी है। फिलहाल परंपरागत कारों के साथ-साथ इन कारों की बिक्री भी बढ़ रही है। सबसे बड़ी बात है कि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। खेती से दोपहिया वाहनों की भी बिक्री बढ़ी है।

युद्धविराम हो गया, बोलना है तो गोदी-मोदी भाषा बोलो !

विष्णु नागर

व्यंग्य

ऑपरेशन सिंदूर' जब तक चल रहा था, तब तक सरकार जो भी कहे, उसे सुनना और मानना जरूरी था। इधर-उधर झांकना मना था। संदेह नहीं करना मना था। जो सरकार ने नहीं कहा, उसे सुनना मना था। हां सरकार का लाडला गोदी मीडिया इसका अपवाद पहले भी था, तब भी था। वह सरकार के असली मन की असली बात पहले भी बोलता था, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी बोलता रहा। उसे सब माफ़ था।ये विदेश सचिव और रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता तो सरकारी भाषा में बड़े संभल-संभल कर, बहुत तौल-तौल कर बोलते थे। उतना बोलते थे, जितना कि बोलना चाहिए। एक शब्द न कम, न एक अधिक मगर यह मोदी जी की कार्यशैली के विरुद्ध था। उनकी मन की बात के खिलाफ था। उनकी नीतियों और कार्यशैली का खुला अपमान था पर क्या करें, तब वक्त की मजबूरी थी। सहना पड़ रहा था। ये मोदी-गोदी की भाषा नहीं बोलते थे। इनके अलावा कोई कुछ भी कहे, सच हो तो भी उसे झूठ मानना था। कोई कहे कि भारत का एक फ्रांस से खरीदा रफाएल विमान गिरा दिया गया है तो इसे हरगिज़ सच नहीं मानना था। इसे दुश्मन द्वारा फैलाई गई अफवाह मान कर चलना था।सरकार ने फोर पीएम, द वायर और पुण्य प्रसून वाजपेयी के यूट्यूब चैनल पर रोक लगा दी थी क्योंकि ये मोदी की गोदी में कभी नहीं लेटे। इनको ऐसे संस्कार ही नहीं मिले थे। आठ हजार ट्विटर एकाउंट भी इसीलिए बंद किए गए थे कि हो सकता है, उनमें सच का कुछ अंश हो! युद्धविराम हो गया है मगर जुबान की तालाबंदी जारी रहेगी। बोलना है तो गोदी-मोदी भाषा बोलो वरना चुप रहो !युद्धविराम से पहले हमें कुछ नहीं बोलना था, कुछ नहीं देखना था और कुछ नहीं सोचना था और कुछ नहीं करना था। यह सारा भार सरकार ने उठा रखा था, जिसे विपक्ष ने इसका लाइसेंस दे दिया था, फिर भी बीजेपी इससे खुश नहीं थी। उसकी आईटी सेल दुख के भार से दबी थी। फिर भी उस सरकार का साथ

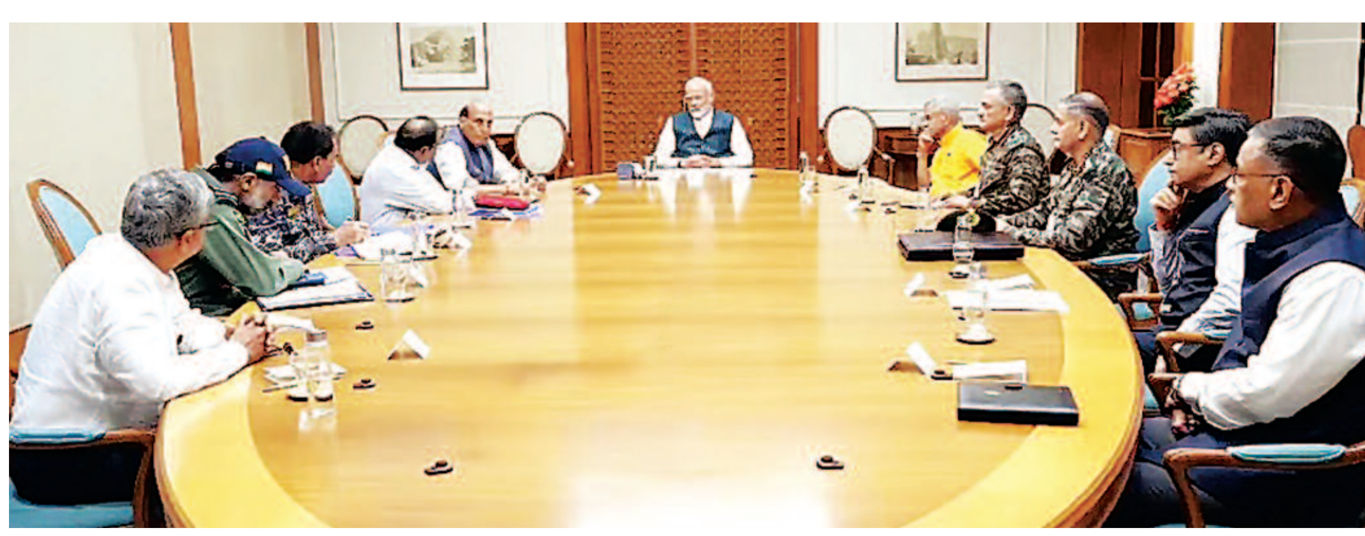

देना था, जिसे हम कल तक बात-बात पर गरियाते थे, झूठा कहते थे।उसे ही सच्चा मानना पड़ रहा था, देश का असली हितचिंतक स्वीकार करना पड़ रहा था। उससे कोई प्रश्न भूल से भी नहीं करना था। वैसे भी प्रश्न करने के लिए यह सरकार कभी उपलब्ध नहीं रही। उससे जितना चाहो, आत्मप्रचार करवा लो, इसमें उसका जवाब नहीं मगर सवालों का जवाब वह नहीं देती! यह मोदी-सिद्धांत के विरुद्ध है! वही बोलना था, वही सुनना था, वही और उतना ही पढ़ना था, जितना प्रधानमंत्री जी चाहते थे।वही देखना था, जो गृहमंत्री जी दिखाना चाहते थे। वही महसूस करना था, जो रक्षा मंत्री जी महसूस करवाना चाहते थे। अपने दिल-दिमाग को ताक पर रखकर भूल जाना था। उस पर धूल पड़ जाए तो उसे साफ नहीं करना था। दुखी नहीं होना था। कल तक हिंदू सबसे अधिक असुरक्षित थे, अब अत्यंत सुरक्षित होने लगे थे कि ऑपरेशन सिंदूर विदा हो गया। अब फिर से हिंदू 'असुरक्षित' होने लगेगा और मुसलमान फिर से 'सुरक्षित' हो जाएंगे।ऑपरेशन सिंदूर के समय गोदी मीडिया जो कहे, उसका मंडन न? कर सको तो खंडन भी नहीं करना था। वह भारत की वीरता के प्रदर्शन के लिए अफगानिस्तान, लेबनान, सीरिया की तबाही के मंजर के विडियो और फोटो परोसता तो उसे भी हमारे साहस और शौर्य का प्रमाण मान कर खुश रहना था। वे कहें पांच घंटे में पूरा पाकिस्तान खत्म, तो खत्म। वे कहें आज पाकिस्तान की आखिरी रात है, तो उसे वाकई आखिरी रात मान लेने में भला था।वे कहें लाहौर पर तिरंगा फहरा दिया तो फहरा दिया। वे कहें कि कराची भारत के क़ब्ज़े में आ चुका तो इसे कराची के क की क़ब्ज़े के क से अनोखी तुक मिलाने का शाब्दिक खेल समझने की भूल नहीं करना था। वे कहते कि इस्लामाबाद फतह तो मान लेना था कि फतह हो गया, हमने आधा पाकिस्तान जीत लिया तो जीत लिया। अब यह नशा हिरन हो गया है। जिन्होंने इसकी खुशी मनाई, मिठाई बांटी, डीजे बजाए, नाचे-कूदे- मोदी जी की जय बोली। यह खेल खत्म हो गया। इस शैली में खत्म हो गया, दूसरी शैली में जारी रहेगा। मोदी जी की दुंदुभी अब और जोर से बजेगी।और अंबानी जी आदि 'ऑपरेशन सिंदूर' को अपनी टीवी नेटवर्क का ट्रेडमार्क बनाने के लिए दौड़ पड़े थे तो इस पर टिप्पणी नहीं करना था। इसका बुरा नहीं मानना था। यह नहीं कहना था कि शव नोचने के लिए गिद्ध आ गए। इन्हें मौत और संकट में भी बिजनेस सूझता है। उनकी तारीफ़ करना था कि वे कितने देशभक्त हैं कि ऊपर से इशारा मिला कि अभी नहीं, थोड़ा रुककर आपका काम हो जाएगा तो तुरंत वे इस दौड़ से पीछे हटकर देशभक्त बन गए! ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था मगर प्रधानमंत्री के पास एक के बाद दूसरी सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने के लिए भी समय नहीं था। मगर तब इस पर प्रश्न उठाना मना था। तब यह नहीं पूछना था कि उनके पास इसके लिए समय नहीं है तो फिर किसके लिए समय है? क्या इससे भी जरूरी कुछ है? क्या बिहार में चुनाव प्रचार करना उससे अधिक आवश्यक था? क्या गोदी चैनल के कार्यक्रम में जाकर वहां के एंकर-एंकरानियों के साथ फोटो खिंचवाना और विडियो बनवाना देश के लिए जरूरी था? तब इस तरह सोचना भी राष्ट्रद्रोह था, पाकिस्तान की भाषा बोलना था। 'द वायर' हो जाना था !यह तो प्रधानमंत्री की मेहरबानी थी कि वह पहलगाम पर आतंकी हमले की खबर सुनकर सऊदी अरब से फौरन लौट आए। न आते तो कोई उनका क्या कर लेता? और इसी बीच उन्हें फिर क्रोएशिया, नार्वे और हालैंड जाना था पर वे नहीं गए। तीन-तीन देशों की यात्रा का बलिदान उन्होंने देश के लिए उस समय किया। आप बताइए कि आज अगर जवाहरलाल नेहरू या इंदिरा गांधी या राजीव गांधी प्रधानमंत्री होते तो ऐसा त्याग कर पाते? उनमें देश के लिए ऐसा जज्बा था? भक्त कहेंगे, नहीं था।और सुनिए अगर ऑपरेशन सिंदूर लंबा खिंच जाता, युद्ध में बदल जाता और व्यापारी जम कर लूटने लगते तो भी उस समय चूं भी करना देशद्रोह माना जाता। उस समय व्यापारियों और ग्राहकों के बीच एकता बेहद जरूरी मानी जाती। अगर वे लूटते तो इसके लिए भी लोगों को अपने को दोषी मानना था, न कि लुटेरों को !बहरहाल युद्धविराम घोषित हुआ है, मगर विपक्ष और सरकार के बीच युद्धविराम लागू नहीं है। हिंदू-मुसलमान करने पर युद्धविराम लागू नहीं है। यह युद्ध चलता रहेगा। झूठ के कारखाने में उत्पादन होता रहेगा। पटरी से उतरा देश, पटरी से उतरा रहेगा।

प्रतिभाशाली बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

पंकज श्रीवास्तव

तमाम सख्त उपायों के बावजूद प्रतिष्ठित नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) में बैठने वाले अभ्यर्थियों का भरोसा टूटने का काम फिर हो गया। भारतीय प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए होने वाली स्तरीय परीक्षाओं में से एक 'नीट' लापरवाही के दलदल से बाहर नहीं निकल पाई है। गत चार मई को सम्पन्न हुई इस परीक्षा में राजस्थान में जयपुर, बिहार में समस्तीपुर और अन्य स्थानों पर डमी परीक्षार्थियों के पकड़े जाने की घटनाएं बताती हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं में जाने के इच्छुक बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली ये घटनाएं रोकी नहीं जा सकी हैं। कमजोर अभ्यर्थी की जगह स्कोरर के इस परीक्षा में बैठने के मामले जहां नहीं खुल पाते वहां कमजोर छात्र भी दाखिले की सीढ़ी तक पहुंच ही जाता है। मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश की चाह रखने वाले लाखों अभ्यर्थियों का भरोसा तोडने़ के लिए ऐसी इक्का-दुक्का घटनाएं ही काफी होती हैं। ये मामले तो तब सामने आए हैं जब परीक्षा देने गए बच्चों को कड़ी सुरक्षा जांच के बीच प्रवेश दिया गया। अभिभावक बच्चों के सकुशल परीक्षा देकर आने की उम्मीद में परीक्षा केन्द्रों के बाहर घंटों कड़ी धूप में खड़े रहने को मजबूर भी हुए। कुछ को आधार कार्ड के चक्कर में दौड़ लगाते देखा गया। हर बार की तरह अभिभावकों ने जांच की इस सख्त व्यवस्था पर रोष भी व्यक्त किया। ईमानदार प्रतिभागियों और उनके अभिभावकों को भरोसा था कि अब इस परीक्षा में किसी किस्म की लापरवाही की गुंजाइश नहीं है। परीक्षा में 'मुन्ना भाइयों' के शामिल होने के समाचार अखबारों की सुर्खियों में छाए रहे। एक तरह से वही तरीका जो पिछले सालों से इस परीक्षा के प्रति भरोसा तोड़ता रहा है वह फिर देखा गया। जब कभी एवजी परीक्षार्थियों को बैठाने वाला गिरोह पकड़ा जाता है तो डमी परीक्षार्थी के रूप में बैठने वाले किसी प्रतिभाशाली का भविष्य भी चौपट हो जाता है। चंद रकम के लालच में दलालों के झांसे में आकर ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थी भी डमी छात्र के रूप में परीक्षा देने पहुंच जाते हैं। चिंता इस बात की भी है कि इस सब प्रक्रिया के सूत्रधार दलालों का कुछ नहीं बिगड़ता। पकड़े जाने पर थोड़ी-बहुत सजा हो भी गई तो सजा पूरी कर ये फिर नए स्थान और नए नाम से सक्रिय हो जाते हैं। भविष्य अंधकारमय तो उन प्रतिभाशाली विद्यार्थी का होता है, जिनका हक मारकर कोई अन्य मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने में कामयाब हो जाता है। सवाल ये है कि चाक-चौबंद व्यवस्थाओं में भी सेंध कैसे लग जाती है? फेस वैरिफिकेशन, बायोमैट्रिक्स का सत्यापन, आधार कार्ड की जांच, प्रवेश पत्र के फोटो से मिलान आदि कितने ही उपाय कैसे फेल हो जाते हैं? सीधी-सी बात है कि जिम्मेदार ही लापरवाही बरत रहे हैं। ऐसे मामले सामने आते भी हैं तो आरोपी बचाव की गलियां भी निकाल लेते हैं। दलाली के खेल लम्बी-चौड़ी बिसात पर होते हैं। परीक्षाओं की पवित्रता खत्म करने वाले पूरे कुनबे को सख्त सजा देने का काम होना चाहिए, ताकि भरोसा कायम रहे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

सफेद बालों

की समस्या से छुटकारा पाने के लिए घरेलू नुस्खें

चेहरे की सुंदरता के साथ बालों की खूबसूरती भी हमारी पर्सनालिटी में चार चांद लगाती हैं, पर कई बार कुछ परेशानियों की वजह से हमारे बाल झड़ने और सफेद होने लगते हैं। ऐसे में अगर हम अपने बालों की अच्छे से देखभाल नहीं करेंगे तो हमारे बाल हमारी पर्सनालिटी को खराब कर देते हैं।

आजकल ज्यादातर लोग सफेद बालों की समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में वह बालों को काला करने के लिए बाजार से कई तरह के हेयर कलर लाकर इस्तेमाल करते हैं, पर यह हेयर कलर अपके बालों की जड़ों को कमजोर बनाते हैं। इसलिए आज हम आपको बालों की समस्या से छुटकारा पाने के लिए घरेलू नुस्खें बताएगें। इन्हें अपनाकर कर आप आपने बालों को कुदरती तौर पर काला कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं...

- आंवला

आंवला एक अत्यंत पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन सी जैसे अनेकों तत्व भी अच्छी मात्रा में मिल जाते हैं। यह छोटा सा आंवला आसानी से मिलने वाला व सस्ता है। इसका उपयोग सफेद होते बालों की समस्या को दूर करने के लिए भी किया जाता है। इसे मेंहदी में मिलाकर बालों पर लगाने से हमारे बाल काले हो जाते हैं। आप इसे गर्म नारियल तेल में मिलाकर भी बालों पर लगा सकते हैं। - काली मिर्च

वैसे तो काली मिर्च का इस्तेमाल खाने में किया जाता है, पर हम इसका उपयोग सौंदर्य में बालो को काला करने के लिए भी कर सकते हैं। काली मिर्च को पानी में उबाल कर रख लें। आप जब भी बालों को धोएं तो बाद में इस पानी को सिर में डाल लें। नियमित इसका इस्तेमाल करने से आपको इसका असर दिखाई देगा।

- कॉफी और काली चाय

बालों को काला करने के लिए कॉफी और काली चाय का इस्तेमाल करें। बालों को चाय या कॉफी सो धोनें से आपके बाद फिर से काले होने लग जाते हैं। हो सके तो आप दिन में दो बार बालों को कॉफी और चाय के साथ धोएं।

- एलोवेरा

अगर आपके बाल झड़ते हैं तो एलोवेरा जेल में नींबू का रस मिला कर पेस्ट बना ले और बालों में लगाएं। इस तरह करने से आपके बालों का झड़ना भी कम हो जाएगा और बाल काले भी होने लगेगे। - दही

आप दही और हिना को बराबर मात्रा में मिला कर पेस्ट बना लें। बाद में इस पेस्ट को बालों पर लगाएं। इस पेस्ट को हफ्ते में 2-3 लगाने से आपको बाल काले होने लगते हैं।

- प्याज

बालों को काला करने के लिए नहाने से पहले अपने बालों में प्याज का पेस्ट लगाएं। सूख जाने पर पानी से साफ कर लें। ऐसा करने से आपके काले तो होंगे ही साथ ही बालों में चमक आएगी।

- भृंगराज और अश्वगंधा

बालों के लिए भृंगराज और अश्वगंधा की जड़ों को वरदान माना जाता हैं। भृंगराज और अश्वगंधा की जड़ों का पेस्ट बनाकर नारियल के तेल में भिगों कर बालों पर एक घंटे तक लगा कर रखें। बाद में गुनगुने पानी से बालों को अच्छे से धो लें। ऐसा करने से आपके बालों की कंडीशनिंग भी होगी और बाल काले हो जाएगें।

- दूध

गाय के दूध को बालों में लगाने से आपके सफेद बाल काले होने लगते हैं। इसलिए बालों को कुदरती तौर पर काला करने के लिए हफ्ते में 2-3 बार इसे बालों पर जरूर लगाएं।

- कढ़ी पत्ता

बालों को धोने से पहले आप नहाने वाले पानी में कढ़ी पत्तें डाल कर एक घंटे तक रख दें। बाद में उसी पानी से आप बालों को धोएं। आप इसे दूसरी तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस पत्तों को बारीक काटकर गर्म नारियल तेल में मिला भी बालों में लगा सकते हैं।

- देसी घी

कुदरती तौर पर बालों को काला करने के लिए देसी घी से सिर की मालिश करें। इसे त्वचा को पोषण मिलता है और बालों के सफेद होने की समस्या भी दूर हो जाती हैं।

स्ट्राइप फैशन का क्रेज

स्टाइलिश ड्रैसेज

फैशन हर दिन बदलता है। आज स्लीवलैस का तो कल फुलस्लीव का फैशन ट्रैंड में होता है। इन दिनों स्ट्राइप फैशन जोरों-शोरों पर चल रहा है। वैसे यह स्ट्राइप पहले भी चलते थे लेकिन अब यह फिर से फैशन में नजर आ रहे हैं। हॉलीवुड सितारें हो या बॉलीवुड, उनके आऊटफिट्स में भी स्ट्राइप फैशन की झलक देखने को खूब मिलती है। स्ट्राइप में भी आपको डिफरैंट-डिफरैंट स्टाइल देखने को मिलेंगे। आप अपनी पसंद और पर्सनैलिटी के हिसाब से हॉरिजॉन्टल, वर्टिकल, रैक्टेंगुलर, डाइगनल, जिग-जैग और नॉटिकल स्ट्राइप का चुनाव कर सकती हैं। नॉटिकल स्ट्राइप में ड्रैस और टॉप लड़कियों को खूब पसंद आते हैं। स्ट्राइप में आप वन पीस, क्रॉप टॉप, गाऊन, साड़ी पहन सकते हैं। अब तो आपको स्ट्राइप स्टाइल पेंट्स में भी आसानी से मिल जाएंगी। अगर आप स्पोर्टी लुक चाहती हैं तो स्ट्राइप ड्रैस बेस्ट हैं। यह जरूरी नहीं है कि आप ब्लैक एंड व्हाइट स्ट्राइप डिजाइन चूज करें। आप फ्लोरल कलर में कन्ट्रास्ट मैचिंग भी कर सकते हैं। स्ट्राइप ड्रैस वियर करने की सबसे खास बात यह है कि इसके साथ आपको ज्यादा एक्सेसरीज और हेयर स्टाइल बनाने की जरूरत नहीं पड़ती क्योंकि यह साधारण लुक में भी काफी ग्रैसफुल लगती है। आप इसके साथ सिंपल, फ्रैंच या फिश टेल बना सकती हैं। आप बालों को लूज भी छोड़ सकती हैं। गले में कुछ न भी पहनें तो भी आप आकर्षक ही दिखेंगी। इन बातों का रखें ख्याल स्ट्राइप आऊटफिट को प्रफैक्ट ड्रैसिंग रूल के अनुसार पहना जाए, तभी यह अच्छी लगती है। अपने फिगर और पर्सनैलटी के हिसाब से स्ट्राइप स्टाइल चूज करें। - अगर आपकी हाइट छोटी और आप हैल्दी हैं तो हॉरीज़ॉन्टल स्ट्राइप्स पहनने की गलती न करें क्योंकि उसमें आप फैटी और छोटे दिखेंगी बल्कि वर्टिकल स्ट्राइप का चुनाव करें। वहीं अगर आप बहुत ज्यादा पतली हैं तो हॉरीजॉन्टल स्ट्राइप्स चूज करें।

- स्ट्राइप ड्रैंस के साथ ज्यादा एक्सेसरीज न पहनें। अगर आप कुछ पहनना ही चाहती हैं तो चंकी एक्सेसरीज पहनें।

- अगर आप ड्रैस या फिर जींस के साथ टॉप वियर करना चाहती हैं तो नॉटिकल स्ट्राइप बेस्ट हैं। बाजार में आपको ढेरों नॉटिकल स्ट्राइप प्रिंट मिल जाएंगे। नॉटिकल स्ट्राइप में आप स्टाइलिश लुक में नजर आएंगी। -डायगनल यानी तिरछी रेखाओं वाले टॉप भी बहुत ही स्टाइलिश लगते हैं। आप स्ट्राइप टॉप के साथ प्लेन स्कर्ट या जींस वियर कर सकती हैं। अगर आपके कंधे चौड़े हैं तो आप इसमें लूज ड्रैस का चुनाव कर सकती हैं।

अब पैरों की बदबू नहीं करेंगी परेशान, अपनाएं ये नुस्खा

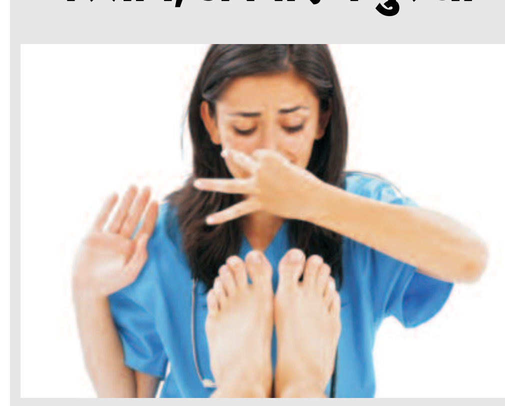

गर्मियों में पैरों की बदबू आपको खुद को तो परेशान करती ही है, साथ ही साथ यह दूसरों को भी इरीटेट करती है। बहुत बार तो पैरों के अंगूठे और अंगुलियों के आस पास रैशेज़ भी हो जाते है। आज हम आपको पैरों की दुर्गंध दूर करने के कुछ उपाय बताएंगे। आप पैरों की इस परेशानी को दूर करने के लिए घर पर ही स्प्रे बना सकते है।

-3 चम्मच डिस्टिलड वॉटर -1 चम्मच स्प्रिट

-डृ चम्मच आलमंड ऑयल -15 बूंदें पिपरामिंट ऑयल -15 बूंदे टी ट्री ऑयल विधिः एक बर्तन में पानी, स्प्रिट, आलमंड ऑयल, पिपरामिंट ऑयल और टी ट्री ऑयल को मिक्स कर लें। अब इसे एक स्प्रे बोतल में डाल लें। इसका लगातार इस्तेमाल करते रहे। पैरों कीदुर्गंध अपने आप गायब हो जाएगी। बादाम का तेल स्किन को माइस्चराइज़ करता है। पिपरामिंट ऑयल रिफ्रैशिंग खूशबू देता है और टी ट्री ऑयल इंफैक्शन को दूर करता है।

इन 5 तरह की मिट्टियों से पाएं बेदाग-निखरा चेहरा!

गर्मियों के दिनों में पिंपल्स और घमौरिया की समस्या आम बात है। इस मौसम में स्किन आयली हो जाती है, जिसकी वजह से बाडी पर दाने होने लगते है। इस तरह की परेशानी से छुटकारा पाने के लिए आप मंहगे प्रोडक्टस भी यूज़ करते है।आज हम आपको कुछ ऐसे पैक्स के बारे में बताएंगे जिससे आप इस परेशानी से निजात पा सकते है। 1.मोरक्को की लाल मिट्टी

इस मिट्टी में आयरन आक्साइड होता है,जो रंग गोरा करता है और ब्लैकहैडस हटाता है। यह मोरोको के अटलास पहाडों में पाई जाती है। मिट्टी और पानी को बराबर मात्रा में मिला लें। इसे चेहरे पर 10-15 मिनटों के लिए लगाएं।

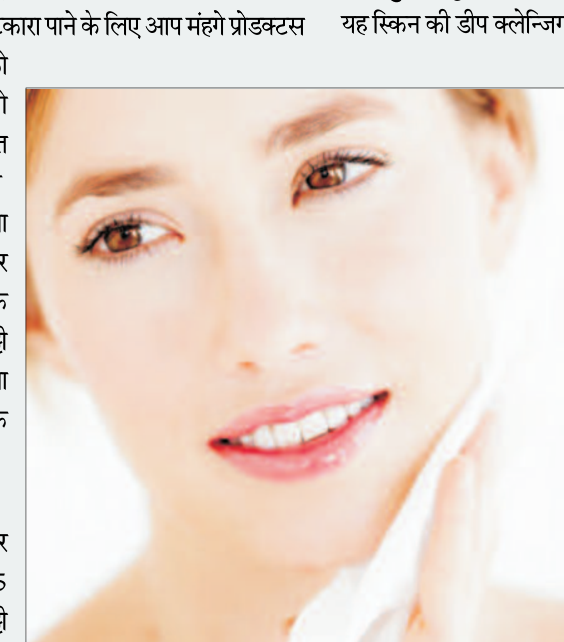

2. बेटोनाइट मिट्टी

इस मिट्टी को बराबर मात्रा में फिल्टर पानी के साथ मिला लें।10-15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। ये मिट्टी ज्वालामुखी की राख से बनती है, और पिंपल्स रोकने में मदद करती है।

3. समुद्री मिट्टी

यह स्किन की डीप क्लेन्जिग करती है। मिट्टी में एप्पल साइड विनेगर मिला कर लगाए, और 10-15 मिनट बाद धो लें।

4. मुलतानी मिट्टी

यह मिट्टी पिगमेंनटेशन को ठीक करती है। 2 छोटे चम्मच मुल्तानी मिट्टी,1 छोटा चम्मच शहद,1 चुटकी हल्दी और एक बडा चम्मच गुलाब जल मिला लें। हफ्ते में दो बार लगाएं।

5. सफेद चीनी

मिट्टी यह गर्म और नमी वाली जगहों पर होती है। इसे चाइना क्ले भी कहा जाता हैं। सैंसीटीव स्किन के लिए इसका बना पैक बहुत फायदेमंद है। इसे आप ऐलोवीरो और पानी के साथ मिक्स करके लगाएं। धोने के बाद मॉश्चराइज़र लगा लें।

मंत्री अनिल विज की अपील पर टीवी चैनलों द्वारा सायरन बजाने बंद किए, मंत्री विज ने खुशी जताई और धन्यवाद किया

पाकिस्तान के कुछ ड्रोन तो ऐसे थे जिनमें ये बारूद डालना भूल गए थे, ये सिर्फ दिखाना चाहते है : अनिल विज

एजेंसी

अम्बाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने गत दिवस सभी मीडिया चैनल्स से ट्वीट कर अपील की थी कि ÷वह अपने चैनलों पर बार बार खतरे के सायरन न बजाएं क्योंकि यदि कभी असली सायरन बज गया तो लोग इसे भी टीवी का सायरन समझ कर उनकी जो सुरक्षा के कदम उठाने हैं वह उठा नहीं पाएंगे÷ उनकी अपील पर चैनलों ने सायरन बंद कर दिए जिस पर उन्होंने सभी चैनलों का धन्यवाद जताते हुए खुशी जताई और कहा कि ÷उन्हें खुशी है कि चैनलों ने मेरी छोटी सी अपील पर सायरन बंद कर किया÷। पाकिस्तान की तरफ से भारत पर ड्रोन से अटैक किए जाने पर ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज ने पाकिस्तान पर तंज कसते हुए कहा कि अखाड़े में जो मजबूत पहलवान होता है वो पहले कमजोर पहलवान को उछल कूद करने देता है और जब टाइम आता है तो उठाकर धोबी पछाड़ मार देता है, वो ही हाल पाकिस्तान का है। अब ये सोच रहे है कि हम इन पतंगों से डर जाएंगे।

उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि जानकारी तो यहां तक आई है कुछ ड्रोन तो ऐसे थे जिनमें ये बारूद डालना भूल गए थे, ये सिर्फ दिखाना चाहते है। इसके साथ ही पाकिस्तान की तरफ से लंबी दूरी की मिसाइल छोड़े जाने पर उन्होंने कहा कि हमने उनकी मिसाइल को हवा में ही उड़ा दिया है। उन्होंने भारत के स-400 डिफेंस सिस्टम की भी जमकर तारीफ की। पाकिस्तान करे खिलाफ स्वदेशी हथियारों की कामयाबी पर भी कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि ये तो गलत धारणा थी कि विदेशों की चीजें ही अच्छी होती है, वो ही कपड़ा अंबाला में मिलता है और वो लेते नहीं है और वो ही कपड़ा इंग्लैंड में मिलता है वो ले लेते है। उन्होंने इसे गलत धारणा बताया। उन्होंने कहा कि हमने अपनी चारपाई के नीचे लाठी मारकर नहीं देखा कि हमारे पास भी एक से एक बहुत ही एक्सपर्ट बैठे है। मोदी ने जी ने उन्हें उत्साहित किया, आज हम इतने हथियार बना रहे हैं कि बाहर के देश हमसे खरीद रहे हैं जबकि पहले हम खरीदते थे। भारत सरकार का पाकिस्तान पर एक और वाटर बम फोड़ दिया है। भारत से चिनाब नदी का पानी पाकिस्तान की तरफ छोड़ दिया है जिसको लेकर पाकिस्तान को खरी खरी सुनाते हुए अनिल विज ने कहा कि सिन्धु नदी हमारी के किनारे हमारी सबसे पुरानी सभ्यताओं ने जन्म लिया। अब सिंधु नदी का पानी पी-पी कर ही हम हिन्दू हो गए अगर तुम पियोगे तो तुम्हारा क्या हाल होगा। वहीं, गत दिवस अम्बाला में हुए ब्लैक आउट पर भी कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने अंबाला की जनता की जमकर तारीफ की क्योंकि ब्लैकआउट में अंबाला की जनता ने प्रशासन का साथ दिया और ब्लैक आउट को पूरी तरह से सफल बनाया।

जिला की सभी ग्राम पंचायतों व सचिवालयों में लगाए सायरन - उपायुक्त मीणा

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिलावासियों की सुरक्षा व उन्हें आपातकालीन स्थितियों की तवरित सूचना देने के उद्देश्य से जिला व उपमंडल पर स्थित सचिवालयों, जिला की सभी 325 ग्राम पंचायतों, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के कार्यालयों में सायरन सिस्टम स्थापित किए गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति की सूचना आमजन तक आसानी से पुहंचाई जा सके और समय रहते आवश्यक सावधानी के साथ जनहानि को रोकना संभव हो सके। उपायुक्त ने यह जानकारी पत्रकारों से बातचीत के दौरान दी। उन्होंने बताया कि सायरन सिस्टम स्थापित करने के लिए जिला के शहरी क्षेत्रों के लिए जिला नगर आयुक्त सुशील कुमार मलिक व ग्रामीण क्षेत्रों के जिला परिषद के सीईओ प्रदीप अहलावत को नोडल अधिकारी बनाया गया था। इसके साथ ही एसडीएम, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारियों को भी गाड़ियों में सायरन सिस्टम लगाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आपदा की स्थिति में जनता की सुरक्षा के दृष्टिगत उनका उपयोग किया जा सकें। इसके साथ ही सभी सायरन ऑपरेटर व जिला आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों का एक वाट्सअप ग्रुप भी बना दिया गया है ताकि सूचना के आदान-प्रदान में कोई गेप या कमी न रहे। उन्होंने जानकारी दी कि जिला के सभी फायर स्टेशन के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए है, जिसके तहत उन्हें फायर स्टेशन को नजदीकी बूस्टिंग के साथ मैप किया जाएगा।

तावडू में पंजाबी समाज ने पाकिस्तान पर किए गए हमले के लिए खुशी मनाकर आभार व्यक्त किया

तावडू। शहर के पंजाबी समाज ने पाकिस्तान पर किए गए हमले के लिए खुशी मनाकर आभार व्यक्त किया। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए 28 निदोर्षों की हत्या के बदले में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत सरकार ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकाने तबाह करके और लगभग 100 आतंकियों को मार कर पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। पंजाबी समाज के प्रधान प्रमोद आहुजा ने कहा कि इस पहल के लिए बधाई देने के लिए शहर के मुख्य मार्ग पर स्थित उनके कार्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लेकर भारतीय सेना और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्देश हिंदुओं को नाम व धर्म पूछकर मारा था और मृत लोगों के परिजनों से मोदी को बता देने के लिए कहा था। वहीं भारतीय सेना द्वारा की गई एयर स्ट्राइक इस बात का सबूत है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवादियों की चुनौती को स्वीकार कर पाकिस्तान के अंदर 9 आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूत कर दिया और लगभग 100 आतंकवादियों को मारकर आतंकवाद के जनक पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

गुरुग्राम। अवैध हथियार सहित एक युवक को पुलिस ने काबू किया है, जिसके कब्जे से एक पिस्टल बरामद की गई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अपराध शाखा ने आरोपी साहून को सोहना-अलवर रोड से काबू किया है। आरोपी के कब्जे से 01 पिस्टल बरामद करने पर उसके खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

4 जमानोत्तर अपराधी गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस ने कार्यवाही कर 4 जमानोत्तर अपराधियों को काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि वर्ष 2022 में थाना सदर में दर्ज मामले में आरोपी विक्रम, वर्ष 2023 में थाना उद्योग विहार में दर्ज मामले में आरोपी अमनदीप, वर्ष 2025 में थाना सिविल लाइन में दर्ज मामले में आरोपी कुलदीप व आरोपी रविंद्र को अदालत द्वारा जमानत पर छोड़ा गया था और आगामी तारीख पेशी निश्चित करते हुए न्यायालय में पेश होने के आदेश दिए गए थे किन्तु उपरोक्त आरोपी निश्चित की गई तारीख पेशियों पर अदालत के सम्मुख पेश ना होने व माननीय अदालत के आदेशों की अवहेलना करने पर उपरोक्त आरोपियों को जमानोत्तर अपराधी घोषित किया गया था। अदालत द्वारा घोषित उपरोक्त जमानोत्तर अपराधियों को गुरुग्राम पुलिस की अलग अलग टीमों द्वारा गिरफ्तार करके अदालत के सम्मुख पेश किया गया।

अवैध चरस सहित 2 युवक गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस ने 2 युवकों को अवैध चरस सहित काबू किया है, जिनके कब्जे से एक किलो 361 ग्राम अवैध चरस, 7 लाख रुपए व कार बरामद किए गए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अपराध शाखा पालम विहार ने नजदीक पचगांव से 2 व्यक्तियों राजेश व मुकेश को अवैध चरस सहित काबू किया है। आरोपियों के कब्जे से एक किलो 361 ग्राम अवैध चरस, 7 लाख रुपए व कार बरामद होने पर उनके खिलाफ थाना मानेसर में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पूछताछ में ज्ञात हुआ कि आरोपी राजेश रेवाड़ी में टैक्सी चालक है तथा आरोपी मुकेश दिल्ली से स्पेयर पार्ट्स लाकर रेवाड़ी में बेचने का काम करता है। आरोपियों के कब्जे से बरामद किया गया चरस आरोपी मनाली से लेकर आए थे तथा गुरुग्राम में सप्लाई करने वाले थे लेकिन सप्लाई करने से पहले ही गुरुग्राम पुलिस ने आरोपियों को काबू कर लिया।

सांसद कुमारी सैलजा ने सिरसा में पाक मिसाइल ध्वस्त करने पर भारतीय सेना और सुरक्षाबलों को दी हार्दिक बधाई

कुमारी सैलजा ने फोन पर सिरसा जिला प्रशासन के अधिकारियों से बातचीत कर ली स्थिति के बारे में जानकारी

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने सिरसा के पास पाकिस्तान ड्रोन गिरने की घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि पाकिस्तान की ओर से आए एक संदिग्ध ड्रोन को भारतीय सेना द्वारा समय रहते गिराया जाना हमारी सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का प्रमाण है। वे इस सफल कार्रवाई के लिए भारतीय सेना और सुरक्षा बलों को हार्दिक बधाई देती है। साथ ही सैलजा ने फोन पर सिरसा जिला प्रशासन के अधिकारियों से बातचीत कर स्थिति के बारे में जानकारी ली। मीडिया को जारी बयान कुमारी सैलजा ने कहा कि यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सतर्कता और सहयोग कितना आवश्यक है। वे सिरसा की जागरूक जनता से अपील करती है कि वे अफवाहों से बचें और प्रशासन द्वारा जारी किए जा

रहे निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन करें। यह समय धैर्य, एकजुटता और संवेदनशीलता का है। सैलजा ने प्रशासन से भी अनुरोध करते हुए कहा कि लोगों को समय पर सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं और आवश्यक सुरक्षा उपायों को और अधिक प्रभावी बनाएं। हम सभी को मिलकर अपने देश, क्षेत्र और नागरिकों की सुरक्षा के लिए सतर्कता और जिम्मेदारी से आगे बढ़ाना होगा। इस आपातकालीन स्थिति में सभी से सहयोग की अपेक्षा है।कुमारी सैलजा ने कहा कि सिरसा एक ऐसा शहर जो ना केवल अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के लिए जाना जाता है, बल्कि भारतीय वायुसेना के सबसे महत्वपूर्ण एयरबेस के लिए भी देश की सामरिक दृष्टि से अहम है। वर्ष 1965 और 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में इस एयरबेस को पाकिस्तानी वायुसेना ने निशाना बनाया था, जिसके बाद से जिला प्रशासन ने आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए कड़े कदम उठाए है। कुमारी सांसद ने कहा कि इस विकट समय में सभी एकजुट होकर रहे, जरूरत पड़ने पर एक दूसरे की मदद के लिए तैयार रहे। ब्लैक आउट का ईमानदारी से पालन करे ऐसा करने से आप और आपका शहर सुरक्षित रहेगा।

ढेंचा उगाने वाले किसानों के लिए हरियाणा सरकार का बड़ा ऐलान

राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का पूरा लाभ उठाएं : श्याम सिंह राणा

- प्रति एकड़ 1,000 रुपये की सहायता, 4 लाख एकड़ में फसल विविधीकरण का लक्ष्य

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य में हरित खाद को बढ़ावा देने और किसानों को रासायनिक खाद पर निर्भरता से मुक्त करने के उद्देश्य से एक बड़ी योजना की घोषणा की है। अब जो किसान अपनी जमीन पर ढेंचा हरित खाद के रूप में उगाएंगे, उन्हें सरकार की ओर से नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। यह राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। हरियाणा के कृषि मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ढेंचा उगाने वाले किसानों को प्रति एकड़ 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि ढेंचा एक प्राकृतिक खाद है जो मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने, नमी बनाए रखने और उत्पादन लागत घटाने में

सहायक है। यह योजना पहली बार प्रदेशभर में लागू की जा रही है, जिससे हजारों किसानों को लाभ होगा। ढेंचा एक फलीदार फसल है, जिसे कटाई से पहले मिट्टी में जोतकर जैविक खाद तैयार की जाती है। यह फ़सल मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में भी सहायक होती हैं क्योंकि ये नाइट्रोजन स्थिरीकरण करती हैं और नाइट्रोजन की पूर्ति करती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे मिट्टी की संरचना बेहतर होती है और लंबे समय तक उत्पादकता बनी रहती है।

श्री राणा ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी ढेंचा फसल की फोटो 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर समय रहते अपलोड करें , इसके बिना योजना का लाभ नहीं मिल पाएगा। सरकार ने राज्य के 22 जिलों में 4 लाख एकड़ भूमि पर फसल विविधिकरण का लक्ष्य रखा है, जिसमें ढेंचा की फ़सल को प्रमुखता दी जा रही है। इस योजना से अनुमानित 3 लाख से अधिक किसानों को लाभ मिलेगा।

कृषि मंत्री ने बताया कि यह योजना मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के किसान-केंद्रित दृष्टिकोण को धरातल पर उतारने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। राज्य सरकार का उद्देश्य इस योजना के जरिए किसानों को डिजिटल प्रणाली से जोड़ना और सरकारी लाभों को पारदर्शी व सुगम तरीके से उनके घर तक पहुंचाना है। कृषि मंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का पूरा लाभ उठाएं और ढेंचा जैसी पर्यावरण-अनुकूल फसल को अपनाकर हरित क्रांति में भागीदार बनें।

सरकार रोड नेटवर्क को मजबूत कर रही है : आरती सिंह राव

नारनौल। हरियाणा सरकार की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के अथक प्रयासों से अटेली विधानसभा क्षेत्र को लोक निर्माण विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए लगभग 2712.2 लाख (27.12 करोड़) की लागत से 27 सड़कों के निर्माण व सुदृढ़ीकरण की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह अटेली क्षेत्र की आधारभूत संरचना को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जिससे क्षेत्रीय विकास, आवागमन की सुगमता और सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही राज्य सरकार लगातार रोड नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए काम कर रही है। इसी कड़ी में, अटेली हलके के लिए लगभग 27 करोड़ रुपए सडक़ों के मजबूत और मरम्मत करने के लिए जारी किए गए हैं। यह जानकारी देते हुए प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि सरकार लगातार ढांचागत सुविधाएं बढ़ाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सडक़ों की गुणवत्ता में सुधार करने से न केवल यातायात की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि अटेली हलके में सड़क विकास परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र के निवासियों को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी। इससे न केवल यातायात की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और लगातार ढांचागत सुविधाएं बढ़ाने के लिए काम कर रही है। राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं जो क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने में मदद करेंगे। उन्होंने बताया कि नारनौल-रेवाड़ी सड़क से खेड़ी तक 362.38 लाख, महासर गांव में सड़क (स्कूल मंदिर से लिंक) रोड़ 7.32 लाख, कनीना महेंद्रगढ़ से बाघोत सड़क 668.71 लाख, चिड़िया कनीना से गांव बाघोत तक लिंक शिव मंदिर रोड़ 52.4 लाख, कनीना अटेली से रामबास सड़क 156.49 लाख, एफएसके मुंडायन के लिए सड़क 43.52 लाख, चिड़िया कनीना रोड़ से बास जाने वाला मार्ग 47.41 लाख, बवाना से भोजावास वाया सुंदरह सड़क 362.07 लाख, खरखड़ावास से स्कूल सड़क 38.77 लाख, करीरा गांव में (शमशान घाट से लिंक) सड़क 106.85 लाख, जेएनएस मुख्य सड़क से करीरा के लिए (जवाहर नवोदय स्कूल से लिंक) सड़क 112.38 लाख, स्याणा से दुधवा सीमा तक सड़क 79.91 लाख, खेड़ी से बाघोत रोड 107.07 लाख, सीहोर से बाघोत रोड 159.03 लाख, स्याना से दातौली सीमा तक 64.94 लाख, बोचडिय़ा से महासर रोड 12.75 लाख, अटेली कनीना से कारिया जाने वाला मार्ग 4.4 लाख, एफएसके ढाणी अटाली का रास्ता 61.82 लाख, करीरा से हरिजन चौपाल स्कूल के साथ लिंक रोड 16.23 लाख, एफएसके रोड से कोका 33.96 लाख, नारनौल-रेवाड़ी रोड से उनिंदा 8.6 लाख, नारनौल-रेवाड़ी रोड से धनौंदा तक 7.42 लाख, एमकेएलएन रोड से गुढ़ा 54.38 लाख, रसूलपुर से रसूलपुर की ढाणी रोड (बचिन) 23.5 लाख, गणियार से विजय नगर राजस्थान सीमा तक 12.27 लाख, खरकड़ा बास से खरकड़ा 13.81 लाख व गुढ़ा से गुढ़ा की ढाणी (नांगल हरनाथ) तक 23.8 लाख रुपए की लागत से सडक़ों की मरमत की जाएगी।

गुवानी ग्राम पंचायत ने भारत-पाक तनाव को देखते हुए बैठक हुई

एजेंसी

सिहमा। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच सिहमा खंड की ग्राम पंचायत गुवानी में बैठक आयोजित कर मौजूदा खतरे को देखते हुए विशेष चर्चा की गई। इस बैठक का नेतृत्व करते हुए सरपंच रीना यादव के पति दिनेश यादव ने बताया कि पाकिस्तान की ओर से की गई इन नापाक हरकतों का भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दे रही है भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों ने पाकिस्तान के ड्रोन हमलों को समय रहते नष्ट कर दिया है। उन्होंने बताया कि सभी ग्रामवासी अनावश्यक भीड़ भाड़ करने तथा अफवाहों पर ध्यान ना दें। सभी ग्रामीण रात को निर्धारित समय पर अपनी लाइट बंद कर

दें और किसी भी हालात में खुले स्थान पर तेज रोशनी न करें। केंद्र व प्रदेश सरकार के आदेशों की पालना करें। 140 करोड़ की आबादी वाले भारत एकजुट होकर एक साथ खड़ा है। जिसका नेतृत्व हमारे शानदार सशस्त्र बल कर रहे है और जिसकी कमान महानतम नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के हाथों में है। इस बैठक में ग्राम पंचायत के अलावा अनेक ग्रामीण विशेष रूप से मौजूद थे।

हरियाणा में आपातकालीन तैयारियों को लेकर राज्य नागरिक सलाहकार समिति की बैठक

मुख्य सचिव ने दिए विभागों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश

एजेंसी

चंडीगढ़। आपातकाल, खास तौर पर हमले या आपदा के दौरान जान- माल की सुरक्षा और आवश्यक सेवाओं के लिए नागरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत और समन्वित बनाने के उद्देश्य से, राज्य नागरिक सलाहकार एवं कार्यान्वयन समिति की पहली बैठक आज यहां मुख्य सचिव और समिति के अध्यक्ष श्री अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में हुई।

मुख्य सचिव ने सभी प्रशासनिक सचिवों को निर्देश दिए कि वे इस समय छुट्टी पर गए अधिकारियों और कर्मचारियों को तुरंत वापस बुलाएं। साथ ही, आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए अग्रिम और आकस्मिक योजनाएं भी तैयार रखें। उन्होंने कहा कि विभाग कम समय में आवश्यक उपाय लागू करने के लिए खुद को तैयार रखें। आपात स्थितियों के दौरान समन्वय बढ़ाने के लिए उप-सचिव (सचिवालय स्थापना) की देखरेख में राज्य सचिवालय में एक युद्ध आपातकालीन शाखा स्थापित की जाएगी। गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता

मिश्रा, जो समिति की उपाध्यक्ष भी हैं, ने सोशल मीडिया पर चल रही फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं के दृष्टिगत सख्त प्रवर्तन उपायों की आवश्यकता जताई। उन्होंने संबंधित विभागों को तत्काल और निरंतर कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए कहा कि ऐसी सामग्री की प्रभावी रूप से निगरानी की जानी चाहिए और गलत सूचना फैलाने वाले सभी खातों को ट्रैक और बंद किया जाना चाहिए।

बैठक के दौरान बताया गया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी नहीं है और स्टॉकिस्टों को निर्देश दिए गए हैं कि वे केंद्र और राज्य सरकार के पोर्टलों पर वास्तविक समय के आधार पर अपनी सूची अपलोड करें। डॉ. मिश्रा ने सभी प्रशासनिक सचिवों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि उनके विभाग आपातकालीन प्रतिक्रिया से जुड़ी तमाम आवश्यक कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह तैयार हों। उन्होंने निर्देश दिए कि हर विभाग उप-सचिव या समकक्ष स्तर का एक ड्यूटी अधिकारी नामित करे। यह अधिकारी विभाग की प्रतिक्रिया के समन्वय तथा राज्य और केंद्र सरकारों से सभी तरह के संचार के लिए जिम्मेदार होगा। विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने नामित अधिकारियों का संपर्क विवरण आज शाम तक मुख्य सचिव कार्यालय में जमा करवाएं। बैठक में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, सिंचाई और जल संसाधन, ऊर्जा, लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें), खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले तथा उच्च शिक्षा विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिवों ने भाग लिया। उद्योग और स्कूल शिक्षा विभागों के प्रधान सचिव के अलावा विकास और पंचायत, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, शहरी स्थानीय निकाय तथा सूचना, जनसंपर्क और भाषा विभाग के आयुक्त और सचिव भी बैठक में मौजूद थे।

सिरसा में सुरक्षा की दृष्टि से ड्रोन उड़ाने पर पूर्ण पाबंदी रहेगी : एसपी डॉ. मयंक गुप्ता

सूचना देने वाले को नकद राशि से सम्मानित किया जाएगा

एजेंसी

सिरसा। सिरसा में धारा 163 के तहत ड्रोन उड़ाने पर पूर्ण रुप से पाबंदी लगाई गई है । पुलिस व जिला प्रशासन ने सभी जिलावासियों से अपील की है कि अगर वे किसी संदिग्ध ड्रोन या वस्तु को उड़ते हुए देखते हैं, या किसी व्यक्ति को इन्हें उड़ाते हुए देखते हैं, तो वे तुरंत हेल्पलाइन नंबर 112 पर सूचना दें । पुलिस अधीक्षक डॉक्टर मयंक गुप्ता ने नागरिकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है,पुलिस व जिला प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए हम पूरी तरह सतर्क हैं

और जिले में शांति बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं । उन्होंने नागरिकों से इस दौरान शांति बनाए रखने और प्रशासन के साथ सहयोग करने का आग्रह किया गया । सूचना देने वाले नागरिक को जिला प्रशासन द्वारा नकद राशि के साथ सम्मानित किया जाएगा । यह कदम सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया गया है।

सिरसा जिले में धारा 163 लागू, इन कामों पर रहेगी पाबंदी

हरियाणा के सिरसा जिला में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए ड्रोन, ग्लाइडर, रिमोट कंट्रोल्ड एयरक्राफ्ट, फ्लाइंग कैमरा, हेलीकैम और अन्य प्रकार के यूएवी की उड़ान पर 10 दिनों के लिए रोक लगाई गई है। जिलाधीश शांतनु शर्मा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 और ड्रोन नियम, 2021 के नियम 24 के तहत ये आदेश जारी किए हैं।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा की मीटिंग हर्बल पार्क घरौंडा में हुई

एजेंसी

घरौंडा। घरौंडा ब्लॉक मासिक मीटिंग रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा की हर्बल पार्क जी टी रोड घरौंडा में हुई जिसकी अध्यक्षता सुल्तान सिंह कोहंड जिला वरिष्ठ उप प्रधान ने की। संचालन मनीष गुप्ता सह सचिव व योगेंद्र शर्मा खंड प्रधान घरौंडा ने किया। विशेष रूप से जिला प्रधान मास्टर बलराज सिंह पहुंचे। डॉक्टर ईश्वर सिंह गुढा ,सरदार सतनाम सिंह लेक्चरर ,ओम दत्त प्रेस

सचिव, जयप्रकाश बसताड़ा ने संगठन को मजबूत करने के सुझाव दिए। योगेंद्र शर्मा ने सभी मांगों पर प्रकाश डाला कॉम्यूटेशन इंक्रीमेंट 25 मार्च 2025 आठवें वेतन आयोग से वंचित रखने का वित्त विधेयक बिल ,20 मई राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर चर्चा करते हुए अपनी बात रखी। इस अवसर पर ईश्वर सिंह धीमान उप प्रधान ,राम प्रकाश कोषाध्यक्ष, ताराचंद सचिव, जोगिंदर सिंह फोर, ताराचंद पंवार,ऋषिपाल राणा ,राजेंद्र सिंह शर्मा अराईपूरा,गांधी राम बसताड़ा, प्रवीन कुमार ,नरेश कुमार कश्यप, नरेश कुमार राणा कैरवाली,बलबीर सिंह, बलजीत सिंह, महा सिंह ,राम दिया ,राजवीर सिंह राम दिया हुड्डा ,कृष्ण चंद्र सुखबीर सिंह राणा ,महावीर सिंह हसनपुर आदि साथियों ने भाग लिया और आगे से अधिक से अधिक संख्या बढाने पर बल दिया।

स्थगित हुआ गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज का जन्मोत्सव समारोह

एजेंसी

गुरुग्राम। राष्ट्र सर्वोपरि, राष्ट्र धर्म सर्वोपरि, राष्ट्र के प्रति कर्तव्य परायणता सर्वोपरि यह उद्घोष केवल एक वाक्य नहीं बल्कि समर्पण की भावना है जिसे महापुरुषों ने अपने जीवन में आत्मसात किया है। पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक बोधराज सीकरी ने कहा कि इसी भाव के साथ गीता मनीषी महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने अपने जन्मोत्सव के भव्य आयोजन को राष्ट्र धर्म की प्राथमिकता देते हुए स्थगित करने का सत्संकल्प लिया है। स्वामी ज्ञानानंद महाराज, जो कि सनातन धर्म, गीता प्रचार, राष्ट्र सेवा, गौ सेवा तथा मानव कल्याण के लिए जीवन पर्यंत समर्पित हैं, उनके 2025 के जन्मोत्सव पर विशाल सेवा कार्यक्रमों की योजना बनाई गई थी। 15 मई को गुरुग्राम की पुण्यभूमि, लेज़र वैली, सेक्टर 29 में इस आयोजन को संपन्न किया जाना था। इस आयोजन में प्रदेश के मुख्यमंत्री सहित गणमान्य लोगों को शामिल होना था। हालांकि, देश की वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए–जो कि जनमानस की सुरक्षा, सामाजिक समरसता तथा राष्ट्र की अखंडता से जुड़ी हुई हैं–स्वामी श्री ने इस आयोजन को स्थगित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे उनके सभी शिष्यों ने श्रद्धापूर्वक स्वीकार किया। बोधराज सीकरी ने कहा कि यह निर्णय एक बार पुनः यह सिद्ध करता है कि धर्म का प्रथम कर्तव्य राष्ट्र के प्रति होता है। जब देश किसी विशेष परिस्थिति से गुजर रहा हो, तब समाज के प्रत्येक वर्ग का यह उत्तरदायित्व बनता है कि वह अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहे और राष्ट्रधर्म को निभाए। स्वामी ज्ञानानंद महाराज की प्रेरणा अनुसार, 15 मई को सभी भक्तों, शिष्यों और साधकों से यह निवेदन है कि वे अपने-अपने निवास स्थलों पर ही साधना, प्रभु सिमरन, जाप व श्रीमद्भगवद्गीता का स्वाध्याय करें।

होंडा ने सीबी650आर और सीबीआर650आर को ई-क्लच तकनीक के साथ किया लॉन्च

नयी दिल्ली। प्रीमियम मोटरसाइक्लिंग के क्षेत्र को नए आयाम देते हुए होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने एडवांस्ड ई-क्लच टेक्नोलॉजी से लैस मिडल-वेट 650सीसी मोटरसाइकिल 2025 सीबी650 आर और सीबीआर650आर को लॉन्च किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि बिग विंग डीलरशिप पर बुकिंग शुरू हो चुकी है और मई 2025 के अंतिम सप्ताह से डिलीवरी की योजना है। सीबी650आर की दिल्ली में एक्स शोरूम कीमत 9.60 लाख रुपये और सीबीआर650 आर की कीमत 10.40 लाख रुपये है। कंपनी के विक्रय एवं विपणन निदेशक योगेश माथुर ने कहा हम इंडियन राइडर्स के लिए नई सीबी650आर और सीबीआई650 आर को लेकर बहुत उत्साहित हैं, अब ये क्रांतिकारी ई-क्लच टेक्नोलॉजी के साथ पेश की गई हैं। इनके स्टैंडर्ड संस्करणों को पहले ही शानदार रिस्पॉन्स मिला था, और ई-क्लच एडिशन से ये एक्सपीरियंस और भी एडवांस होगा। ये मोटरसाइकिल्स परफॉर्मेंस, ईज़ और इनोवेशन का परफेक्ट बैलेंस ऑफर करती हैं।

राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान तेल, गैस पर होगा सरकार का पहला अधिकार

नई दिल्ली। तेल क्षेत्र से जुड़े कानूनों में संशाधन के लिए तैयार किए गए मसौदा नियमों के अनुसार राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति में सरकार के पास देश में उत्पादित सभी तेल और प्राकृतिक गैस पर पहला अधिकार होगा। कच्चे तेल को भूमिगत या समुद्र तल के नीचे से निकाला जाता है और इसे पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों में परिष्कृत किया जाता है। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस का उपयोग बिजली उत्पादन, उर्वरक उत्पादन, वाहनों के लिए सीएनजी और पाइप्ड रसोई गैस के लिए किया जाता है। नियमों में संशोधन से जुड़े मसौदे में ऐसे अधिकारों को शामिल करने का मकसद सरकार को राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने और आपात स्थितियों के दौरान सार्वजनिक कल्याण सुनिश्चित करने में मदद करना है। मसौदा नियमों के अनुसार तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादकों को 'पूर्व-अधिकरण के समय प्रचलित उचित बाजार मूल्य' का भुगतान किया जाएगा। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मसौदा नियमों पर टिप्पणियां आमंत्रित की हैं। इस वर्ष की शुरुआत में संसद ने तेल क्षेत्र (विनियमन व विकास) संशोधन विधेयक पारित किया था। इस विधेयक में घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और देश के ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों को समर्थन देने के लिए 1948 के अधिनियम के पुराने प्रावधानों को बदलने का प्रस्ताव है।

दावा निपटारे के लिए डेढ़ अरब डॉलर का भुगतान करेगी गूगल

नई दिल्ली। दिग्गज टेक कंपनी गूगल, अमेरिकी राज्य टेक्सास को 1.4 अरब डॉलर का भुगतान करेगी। यह भुगतान दावे के निपटारे के लिए किया जाएगा। दरअसल टेक्सास ने गूगल के खिलाफ यूजर्स की मंजूरी के बिना उनका डेटा इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था। टेक्सास के स्टेट अटॉर्नी जनरल ने यह जानकारी दी। अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन ने बताया कि यह समझौता टेक कंपनियों के लिए एक संदेश है कि हम हमारे अधिकारों और आजादी को बेचकर उन्हें पैसे नहीं कमाने देंगे। पैक्सटन ने कहा कि टेक्सास में, बड़ी तकनीकी कंपनियां कानून से ऊपर नहीं हैं। वर्षों तक गूगल ने लोगों की गतिविधियों, निजी सर्च और यहां तक कि उनके वॉइस प्रिंट्स और फेसियल ज्योमेट्री को भी अपने उत्पादों और सेवाओं के लिए इस्तेमाल किया। यह समझौता टेक्सास द्वारा गूगल के खिलाफ किए गए जियो-लोकेशन, गुप्त सर्च और बायोमीट्रिक डेटा से संबंधित कई दावों का निपटारा करता है। गूगल के प्रवक्ता जोस कास्टानेडा ने कहा कि यह समझौता पुराने दावों की एक श्रृंखला का निपटारा है, जिनमें से कुछ उत्पाद नीतियों से संबंधित हैं जिन्हें कंपनी पहले ही बदल चुकी है। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि समझौते के लिए किसी भी नए उत्पाद परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है। पैक्सटन ने कहा कि 1.4 अरब डॉलर इस प्रकार के डेटा-गोपनीयता उल्लंघनों पर गूगल के साथ समझौते में किसी भी राज्य द्वारा जीती गई सबसे बड़ी राशि है।

सैटेलाइट सेवाओं पर कंपनियों को देना पड़ सकता है राजस्व का चार फीसदी शुल्क

नई दिल्ल्सी। दूरसंचार नियामक ट्राई ने एलन मस्क की स्टारलिंक जैसी उपग्रह संचार सेवा प्रदाता कंपनियों पर सालाना राजस्व का चार फीसदी स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क लगाने की सिफारिश की। इसके साथ ही, प्रति शहरी ग्राहक 500 रुपये का वार्षिक शुल्क भी देना होगा। ये सिफारिशें एलन मस्क की स्टारलिंक के भारत में आने से पहले की गई हैं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा, सैटेलाइट नेटवर्क पर उपलब्ध कुल बैंडविड्थ बहुत कम है। स्पेक्ट्रम को सैटेलाइट प्रदाताओं के बीच साझा किया जा सकता है। ट्राई चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने कहा, यह एक पूरक सेवा है। प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में इस मुद्दे की जांच करने का कोई ठोस आधार नहीं है। स्टारलिंक को अब ट्राई की सुझाई गई शर्तों के तहत स्पेक्ट्रम हासिल करना होगा।?इसके तहत उसे इस्तेमाल किए जाने वाले स्पेक्ट्रम के लिए न्यूनतम 3,500 प्रति मेगाहर्ट्ज का शुल्क देना होगा। ट्राई ने कहा, सैटेलाइट के लिए स्पेक्ट्रम आवंटन सिर्फ पांच साल तक होगा, जिसे दो साल तक बढ़ाया जा सकता है। स्टारलिंक ने स्पेक्ट्रम की न्यूनतम 15 साल की वैधता मांगी थी। सिफारिश के मुताबिक, 8 फीसदी का प्राधिकरण शुल्क भी लागू होगा।

आरबीआई का एसबीआई पर एक्शन, 1.72 करोड़ रुपये का लगाया जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) पर 1.72 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना आरबीआई के कुछ निर्देशों का ठीक से पालन नहीं करने पर लगाया है। यह जुर्माना बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 के तहत लगाया है। आरबीआई के बयान के अनुसार एसबीआई से आरबीआई के ऋण और अग्रिम वैधानिक व अन्य प्रतिबंध ग्राहक संरक्षण अनधिकृत, इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन में ग्राहकों की देयता को सीमित करना और बैंकों की तरफ से चालू खाते खोलना अनुशासन की आवश्यकता पर जारी किए गए कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने पर जुर्माना लगाया है। दरअसल, आरबीआई ने 31 मार्च 2023 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के बारे में पर्यवेक्षी मूल्यांकन वैधानिक निरीक्षण

(आईएसई 2023) किया। इस दौरान पता चला कि एसबीआई आरबीआई के निर्देशों के पालन नहीं कर रही है। इसके बाद से एसबीआई को एक नोटिस जारी कर कारण बताने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि निर्देशों का पालन नहीं करने पर आरबीआई आप पर क्यों जुर्माना न लगाए। इसके बाद एसबीआई ने आरबीआई के नोटिस का जवाब दिया फिर व्यक्तिगत सुनवाई के बाद से आरबीआई ने एसबीआई पर जुर्माना लगाया है।

स्टेट बैंक पर यह आरोप था कि उसने एक संस्था (इकाई) को ब्रिज लोन यानी एक तरह का अस्थायी कर्ज दिया, जो केंद्र या राज्य सरकार से मिलने वाली सब्सिडी या भुगतान के बदले में दिया गया था। इसके साथ ही बैंक पर एक अन्य आरोप यह लगा था कि उसने विनियामक आवश्यकताओं के उल्लंघन करते हुए कुछ चालू खाते खोल रखे थे। आरबीआई ने कहा कि यह कार्रवाई विनियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है। इसका उद्देश्य बैंक की तरफ से अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल उठाना नहीं है। इसके अलावा, मौद्रिक जुर्माना आरबीआई की तरफ से एसबीआई के खिलाफ शुरू की जाने वाली किसी भी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना लगाया गया है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार चढ़ाव जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर

पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.92 प्रतिशत उबलकर 61.60 डॉलर प्रति बैरल पर रहा जबकि लंदन ब्रेंट क्रूड 0.05 प्रतिशत उतरकर 63.88 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

केनरा बैंक ने सभी अवधियों के लिए एमसीएलआर दर 0.10 फीसदी घटाया

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने अधिकांश अवधियों के लिए सीमांत लागत आधारित उधार दर (एमसीएलआर) में 0.10 फीसदी की कटौती की है। इस कटौती के बाद कर्ज सस्ते हो जाएंगे। नई दरें 12 मई से प्रभावी होगी। केनरा बैंक ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि एमसीएलआर में 0.10 फीसदी की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद एक साल की अवधि का एमसीएलआर का मौजूदा दर 9.10 फीसदी से घटकर अब 9 फीसदी रह जाएगा। बैंक ने कहा कि उसकी नई सीमांत एमसीएलआर 12 मई से लागू होगी।बैंक की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि एक महीने, तीन महीने और छह महीने की अवधि के लिए ब्याज दर 8.25-8.80 फीसदी के दायरे में होगी। इसके अलावा एक दिन की अवधि के लिए एमसीएलआर 8.30 फीसदी

के मुकाबले 8.20 फीसदी होगी। बेंचमार्क एमसीएलआर का उपयोग वाहन और व्यक्तिगत ऋण जैसे अधिकांश उपभोक्ता ऋणों की दर तय करने के लिए किया जाता है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पिछले महीने अपनी प्रमुख ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती करके इसे छह फीसदी कर दिया था। रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में इस साल लगातार दूसरी बार कटौती की है।

गेल कर्नाटक में एक गीगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करेगा, सरकार से समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस उपयोगिता कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने कर्नाटक सरकार के साथ राज्य में एक गीगा वाट (जीडब्ल्यू) तक की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना की संभावना तलाशने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता ज्ञापन पर कर्नाटक सरकार के बड़े और मध्यम उद्योग तथा अवसंरचना विकास मंत्री एमबी पाटिल और राज्?य के ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज की उपस्थिति में वाणिज्य और उद्योग विभाग के प्रधान सचिव डॉ. एस. सेल्वाकुमार और गेल के कार्यकारी निदेशक (एसडी और नवीकरणीय) ने हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने कहा कि गेल 05 वर्ष की अवधि के भीतर एक गीगा वाट तक की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने का इरादा है। इस एमओयू के तहत कर्नाटक सरकार गेल को मौजूदा नीतियों के अनुसार संबंधित विभागों से आवश्यक मंजूरी देगी। इस अवसर पर मंत्री एमबी पाटिल ने कर्नाटक में गेल की रणनीतिक रुचि का स्वागत

करते हुए कहा कि यह समझौता औद्योगिक विकास को आगे बढ़ाते हुए स्वच्छ ऊर्जा निवेश को सुविधाजनक बनाने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज ने कहा कि यह साझेदारी हमारे राज्य की हरित ऊर्जा केंद्र के रूप में स्थिति को मजबूत करेगी और रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान देगी।

एएआई ने उत्तरी व पश्चिमी क्षेत्र के 32 हवाई अड्डों पर नागरिक उड़ान परिचालन अस्थायी रूप से निलंबित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के मद्देनजर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्र के 32 हवाई अड्डों पर नागरिक उड़ान परिचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। इसके अलावा नई दिल्ली और मुंबई उड़ान सूचना क्षेत्रों (एफआईआर) के भीतर हवाई यातायात सेवा (एटीएस) मार्गों के 25 खंडों के अस्थायी रूप से बंद रहने की अवधि को बढ़ा दिया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि एएआई ने उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्र के 32 हवाई अड्डों पर नागरिक उड़ान परिचालन अस्थायी रूप से निलंबित किया है। परिचालन कारणों से इन हवाई अड्डों पर सभी नागरिक उड़ान संचालन 9 से 14 मई, 2025 तक निलंबित रहेंगे, जो (15 मई 2025 को 0529 आईएसटी के अनुरूप

है)। इसके अलावा एएआई ने दिल्ली और मुंबई उड़ान सूचना क्षेत्रों के भीतर एयर ट्रैफ़िक सेवा मार्गों के 25 खंड अस्थायी रूप से बंद किया है। ये 25 मार्ग खंड जमीनी स्तर से असीमित ऊंचाई तक सुलभ नहीं होंगे। देश के जिन 32 हवाई अड्डों को सभी तरह के नागरिक उड़ान संचालन के लिए अस्थायी रूप से बंद किया गया है, उनमें अधमपुर, अंबाला, अमृतसर, अवंतीपुर, बठिंडा, भुज, बीकानेर, चंडीगढ़, हलवारा, हिंडन, जैसलमेर, जम्मू, जामनगर, जोधपुर, कांडला, कांगड़ा, केशोद, किशनगढ़, कुल्लू मनाली, लेह, लुधियाना, मुंद्रा, नलिया, पठानकोट, पटियाला, पोरबंदर, राजकोट, सरसावा, शिमला, श्रीनगर, थोइस और उत्तरलाई शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि इस अवधि के दौरान इन हवाई अड्डों पर सभी नागरिक उड़ान गतिविधियां बंद रहेंगी। वहीं, एयरलाइंस और फ्लाइट ऑपरेटरों को मौजूदा हवाई यातायात परामर्श के अनुसार वैकल्पिक रूटिंग की योजना बनाने की सलाह दी गई है। साथ ही सुरक्षा सुनिश्चित करने और व्यवधान को कम करने के लिए संबंधित एटीसी इकाइयों के समन्वय में अस्थायी बंद का प्रबंधन किया जा रहा है।

सोनीपत में हुई 4,18,648 टन गेहूं की खरीद

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा में सोनीपत की विभिन्न मंडियों में शाम तक 4,18,648 टन गेहूं की आवक दर्ज की गई।यह जानकारी शनिवार को उपायुक्त मनोज कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि कुल आवक में से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने 1,21,600 टन, हैफेड 1,73,603 टन, हरियाणा वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन ने 91,089 टन, तथा फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) ने 14,578 टन गेहूं की खरीद की है। इसके अतिरिक्त 17,778 टन गेहूं की खरीद आम उपभोक्ताओं द्वारा (कमर्शियल गेहूं) की गई है।

जिले की मंडियों में विभिन्न स्थानों पर हुई गेहूं की आवक इस प्रकार रही बरोदा 5050 टन, भैंसवाल 6286 टन, बिचपड़ी 1,275 टन, दातौली 5,384 टन, फरमाणा 15,124 टन, गन्नौर मण्डी 33,054 टन, गोहाना 1,39196 टन, हुल्लाहेड़ी 2,063, टन, कासंडी 11,184 टन, कथूरा 11,746 टन, खानपुर 9,412 टन, खरखौदा 58,507 टन, मोहाना 12,515, टन, मुण्डलाना 9,184 टन, मुरथल 10,462 टन, नाहरा 8,790 टन, पुगथला 15,448 टन,पुरखास 8,420 टन, रूखी 12,686 टन, सनपेड़ा 10,213 टन, सोनीपत मण्डी 32,649 टन की खरीद की उपायुक्त ने बताया कि अब तक जिले की मंडियों में 31,076 किसान अपनी फसल लेकर पहुंचे हैं, जिनसे 2,425 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं की खरीद की गई है।

महंगाई आंकड़ों पर रहेगी बाजार की नजर

एजेंसी

मुंबई। भारत-पाकिस्तान तनाव से सहमे निवेशकों की बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह करीब डेढ़ प्रतिशत तक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह अप्रैल के जारी होने वाली थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े पर नजर रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1047.52 अंक अर्थात 1.3 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताहांत पर आठ कारोबारी सत्र के बाद 80 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 79454.47 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 338.7 अंक यानी 1.4 प्रतिशत की गिरावट लेकर 24008.00 अंक पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की ही तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर बिकवाली हुई। इससे मिडकैप 596.37 अंक अर्थात 1.4 प्रतिशत लुढ़ककर सप्ताहांत पर 42111.50 अंक और स्मॉलकैप 623.59 अंक यानी 1.3 प्रतिशत कमजोर रहकर 46741.95 अंक रह गया।

बाजार विश्लेषकों के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में निवेशकों की धारणा पर इसका सीमित प्रभाव देखने को मिला है। इस वर्ष अप्रैल में निरंतर विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) और रिकॉर्ड वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत दिया, जिससे बाजारों में स्थिरता बनी रही। कमजोर अमेरिकी डॉलर और स्थिर कच्चे तेल की कीमतों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया है। भारत-ब्रिटेन के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की सकारात्मक चर्चा ने विशेष रूप से कपड़ा, ऑटोमोबाइल और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में तेजी को समर्थन दिया। वैश्विक स्तर पर भी संकेत उत्साहवर्धक रहे हैं। अमेरिका की फेडरल रिजर्व ओपेन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की नीतिगत बैठक के सतर्क रुख के बावजूद अमेरिका और चीन व्यापार वार्ता की संभावित बहाली तथा अमेरिका और ब्रिटैन व्यापार समझौते को लेकर आशावाद ने वैश्विक बाजारों को सहारा दिया। इसके साथ ही पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना द्वारा ब्याज दरों में कटौती के फैसले ने क्षेत्रीय बाजारों में सकारात्मक रुख को बढ़ावा दिया, जिससे निवेशकों का विश्वास और मजबूत हुआ।

बाजार की अगले सप्ताह दिशा निर्धारित करने में घरेलू स्तर पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित थोक महंगाई जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े अहम भूमिका निभाएंगे। विशेषज्ञों को उम्मीद है कि मुद्रास्फीति के दबाव में कुछ नरमी देखने को मिल सकती है। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव एक महत्वपूर्ण जोखिम बना हुआ है। बावजूद इसके बाजार को उम्मीद है कि भारत की कूटनीतिक, आर्थिक और सैन्य शक्ति इस संकट को जल्द सुलझा लेगी।

चना गरम, अरहर दाल नरम

एजेंसी

नई दिल्ली। स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में चना में तेजी रही जबकि अरहर दाल में नरमी को छोड़कर खाद्य तेल समेत शेष सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनीःमीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे।

दाल-दलहन :दाल-दलहन के बाजार में मिश्रित रूख देखा गया। इस दौरान चना और चना दाल 100-100 रुपये प्रति क्विंटल उबल गयी जबकि अरहर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे :-

दाल-दलहन : चना 5950-6050, दाल चना 6950-7050, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9650-9750, उड़द दाल 9150-9250, अरहर दाल 8300-8400 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज :(भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-

3050 रुपये और चावल 3550-3650 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 4280-4380, चीनी एम. 4500-4600, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4400-4500 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 15751 रुपये, मूंगफली तेल 18314 रुपये, सूरजमुखी तेल 16484 रुपये, सोया रिफाइंड 14725 रुपये, पाम ऑयल 13919 रुपये और वनस्पति तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

एक्मे सीकर सोलर पावर परियोजना में 52.5 मेगावाट का पहला चरण शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने राजस्थान के बीकानेर में एक्मे सीकर सोलर पावर परियोजना के 52.5 मेगावाट के पहले चरण को शुरू करने की घोषणा की है।कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि 52.5 मेगावाट की वर्तमान कमीशनिंग 300 मेगावाट की सौर परियोजना का हिस्सा है जिसे चरणों में पूरी तरह से चालू किया जाएगा। इस उपलब्धि के साथ कंपनी की कुल परिचालन क्षमता 2,540 मेगावाट से बढ़कर 2,592.5 मेगावाट हो गई है। भारत के सबसे ऊंचे सौर विकिरण क्षेत्रों में से एक में रणनीतिक रूप से स्थित, यह भारत के अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों में एक महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है। यह परियोजना राजस्थान के बीकानेर में 1300 एकड़ में फैली हुई है। इस परियोजना के माध्यम से प्राप्त स्वच्छ ऊर्जा को इन्वर्टर स्टेशनों पर एकत्र किया जाता है और एक समर्पित सिंगल सर्किट 220 केवी ट्रांसमिशन लाइन का उपयोग करके बीकानेर-दो ग्रिड को भेजा जाता है। पीएफसी लिमिटेड के माध्यम से वित्तपोषित, इस परियोजना से इसके पूर्ण कमीशन के बाद सालाना लगभग 780 मिलियन यूनिट स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न होने का अनुमान है। परियोजना से उत्पन्न बिजली को व्यापारिक आधार पर बिजली एक्सचेंजों पर बेचा जाएगा।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में चौथे माह भी गिरावट, एसआईपी में रिकॉर्ड 26632 करोड़ का निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। इक्विटी म्यूचुअल फंड (एमएफ) में निवेश अप्रैल, 2025 में 3.24 फीसदी घटकर 24,269 करोड़ रुपये रह गया। यह लगातार चौथा महीना है, जब इक्विटी एमएफ में निवेश घटा है। हालांकि, म्यूचुअल फंड योजनाओं में शुद्ध निवेश लगातार 50वें महीने सकारात्मक बना रहा।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) ने आंकड़े जारी कर बताया, पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव से शेयर बाजार में जारी अस्थिरता के कारण यह गिरावट आई है। पिछले महीने इक्विटी एमएफ में निवेश मार्च के 25,082 करोड़, फरवरी के 29,303 करोड़, जनवरी के 39,688 करोड़ और दिसंबर, 2024 के 41,156 करोड़ रुपये से काफी कम है। आंकड़ों के मुताबिक, इक्विटी एमएफ में गिरावट के बावजूद सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेशकों का आकर्षण बना हुआ है। अप्रैल में एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में निवेश मार्च के चार महीने के निचले स्तर से उबरते हुए रिकॉर्ड 26,632 करोड़ रुपये पहुंच गया। मार्च में एसआईपी के जरिये

म्यूचुअल फंड में निवेश मामूली घटकर 25,926 करोड़ और फरवरी में 25,999 करोड़ रुपये रहा था।

46 लाख नए एसआईपी खाते पंजीकृत

आंकड़ों के मुताबिक, बीते महीने कुल 1.36 करोड़ निष्क्रिय एसआईपी खाते बंद हो गए। इसके बावजूद एसआईपी खातों की कुल संख्या मार्च के 8.11 करोड़ से बढ़कर अप्रैल में 8.38 करोड़ पहुंच गई। इस अवधि में 46 लाख नए एसआईपी खाते पंजीकृत हुए?हैं।

एयूएम 70 लाख करोड़ रुपये के नए शिखर पर

एम्फी के मुताबिक, म्यूचुअल फंड उद्योग का एयूएम (प्रबंधन के अधीन संपत्तियां) अप्रैल में बढ़कर 70 लाख करोड़ रुपये के नए शिखर पर पहुंच गया। यह मार्च के 65.74 लाख करोड़ रुपये से करीब 6.50 फीसदी अधिक है। फरवरी में उद्योग का एयूएम 64.53 लाख करोड़ था। इक्विटी श्रेणियों में फ्लेक्सी कैप फंड में निवेशकों ने सबसे अधिक 5,542 करोड़ रुपये का निवेश किया। मिडकैप और स्मॉलकैप म्यूचुअल फंडों में क्रमशः 3,314 करोड़ व 4,000 करोड़ का निवेश हुआ। लार्जकैप फंड में 2,671 करोड़ रुपये का निवेश आया। मार्च में यह 2,479 करोड़ रुपये था। वेल्थ मैनेजर चिराग जैन कहते हैं, इस समय बाजार की गिरावट में निवेशकों को म्यूचुअल फंड के एसेट अलोकेशन फंड को चुनना चाहिए। यह फंड इक्विटी, डेट, कमोडिटीज, रियल एस्टेट जैसी संपत्तियों में निवेश करता है। इससे जोखिम कम होता है व उचित रिटर्न मिलता है, क्योंकि सभी संपत्ति वर्ग एक समय में एक जैसा प्रदर्शन नहीं करते।

सीजफायर तोड़ने पर पाकिस्तान पर बरसे शिखर धवन, लिखा- घटिया देश ने...

एजेंसी

नई दिल्ली। सीजफायर होने के चार घंटे बाद ही पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों पर फिर उतारू हो गया और भारत के इलाकों में फिर से बमबारी चालू कर दी। भारतीय फौजें इसका जोरदार जवाब दे रही हैं। वहीं, पाकिस्तान की इस हरकत से भारतीय क्रिकेटर भी बेहद गुस्से में नजर आ रहे हैं। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा है- घटिया देश ने फिर अपना घटियापन पूरी दुनिया को दिखा दिया। बीते दिन भी धवन ने इस स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था- हमारी सीमाओं की इतनी मजबूती से रक्षा करने और जम्मू पर ड्रोन हमले को रोकने के लिए हमारे बहादुर जवानों को सम्मान। भारत मजबूती से खड़ा है। जय हिंद!

ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर्स की बाय बाय, हवाई अड्डे पर किया फ्लाइट का घंटों इंतजार

सिडनी। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के हालात के चलते इंडियन प्रीमियर लीग और पाकिस्तान सुपर लीग के स्थगित होने के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों की स्वदेश वापसी शुरु हो गयी है। पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के कारण इंडियन प्रीमियर लीग को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया है। भारतीय अधिकारियों ने शुक्रवार को घोषणा की कि लीग को तत्काल प्रभाव से एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सूत्रों ने बताया कि इस सूचना के बाद पाकिस्तान सुपर लीग ने अपने शेष मैचों को स्थगित कर दिया, इससे पहले उसने संयुक्त अरब अमीरात में स्थानांतरित करने की घोषणा की थी। यह घटनाक्रम धर्मशाला में आईपीएल मैच के रद्द किए जाने के बाद हुआ। खिलाड़ियों को हवाई अड्डे बंद होने के कारण देश छोड़ने में कई तरह की बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। कुछ खिलाड़ियों को उड़ान से पहले 8 घंटे की ट्रेन यात्रा और 4 घंटे तक की बस यात्रा करनी पड़ी है। पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच रद्द होने के बाद आईपीएल खिलाड़ियों और कर्मचारियों के साथ-साथ कमेंटेटरों और प्रोडक्शन क्रू को धर्मशाला से वापस दिल्ली लाने के लिए एक विशेष ट्रेन सेवा शुरू की गई थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों और कर्मचारियों की सुरक्षा हमेशा एक मुख्य प्राथमिकता है और हम बीसीसीआई के फैसले का समर्थन करते हैं।

शुभमन गिल होंगे नए टेस्ट कप्तान, ऋषभ पंत उपकप्तान!

नई दिल्ली । प्रतिभाशाली बल्लेबाज शुभमन गिल को टेस्ट में भारतीय टीम की कमान सौंपी जा सकती है जबकि खेल के इस पारंपरिक प्रारूप में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत नए उप-कप्तान होंगे। उप-कप्तान का चयन सरल लगता है क्योंकि पंत विदेशी परिस्थितियों में भारत के बेहतरीन टेस्ट बल्लेबाजों में से एक हैं और जसप्रीत बुमराह का कद इतना बड़ा है कि उन्हें उप-कप्तान की भूमिका के लिए नहीं चुना जा सकता है और साथ ही जब उनकी खुद की फिटनेस भी संदिग्ध है तो उनका पूरी श्रृंखला के लिए खेलना अनिश्चित है। पंत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में शतकों के साथ 42 से अधिक के औसत से इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। वह इन देशों में सात बार 90 और 99 के बीच स्कोर बना चुके हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने बताया कि अगर बुमराह कप्तान नहीं हैं तो उन्हें उप-कप्तानी की पेशकश करने का कोई मतलब नहीं है। क्रिकेट जगत जहां करिश्माई विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की इच्छा से हैरान है तो वहीं पता चला है कि चयन समिति ने इंग्लैंड में उन्हें कप्तानी सौंपने के विचार पर विचार किया है ताकि गिल को खुद को निखारने के लिए कुछ और समय मिल सके।

सीजफायर के बीच क्रिकेट प्रेमियों के लिए खुशखबरी, इसी सप्ताह शुरू होगा आईपीएल 2025

नई दिल्ली। भारत और पाक युद्ध विराम की घोषणा के तुरंत बाद ही आईपीएल 2025 के लिए रास्ता खुल गया है। माना जा रहा है कि आईपीएल गुरुवार या अधिकतम फिर से शुरू हो सकता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) विवरण और शेष फिक्स्चर को अंतिम रूप देने के लिए एक बैठक कर रहा है, और यह विश्वसनीय रूप से समझा जाता है कि धर्मशाला को छोड़कर, मैच पूरे भारत में खेले जाएंगे। यह कदम तब उठाया गया है जब भारत ने दिन में पाकिस्तान से संपर्क करने के बाद युद्धविराम पर सहमति जताई थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने सीमा पार तनाव के कारण इस कैश-रिच लीग को स्थगित कर दिया था, लेकिन अब स्थिति सामान्य हो जाएगी। हर फ्रैंचाइज़ के विदेशी खिलाड़ी अपने घर वापस आ रहे हैं, लेकिन उन्हें जल्द से जल्द अपनी-अपनी टीमों से जुड़ने के लिए कहा जाएगा। पता चला है कि हर टीम का विदेशी दल हवाई अड्डे की स्थिति के कारण घबराया हुआ था क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि सीमा तनाव के कारण उनकी गतिविधियाँ प्रभावित हों। हर फ्रैंचाइज़ अब अपनी व्यवस्थाएँ शुरू कर देगी और भारतीय क्रिकेट बोर्ड से विस्तृत निर्देश का इंतज़ार करेगी।

तीरंदाजी विश्व कप चरण-2 में मधुरा ने जीता पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक

एजेंसी

शंघाई। तीरंदाजी विश्व कप चरण-2 में स्वप्निल वापसी करते हुए मधुरा धामनगांवकर ने यहां यूएसए की कार्सन क्रेहे पर 139-138 से शानदार जीत दर्ज कर अपना पहला व्यक्तिगत विश्व कप स्वर्ण पदक जीता। मधुरा तीन साल से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा नहीं करने के कारण विश्व तीरंदाजी रैंकिंग में बिना किसी रैंक के हैं। वह तीसरे सेट के बाद 81-85 से पीछे चल रही थीं, लेकिन 24 वर्षीय तीरंदाज ने दबाव में उल्लेखनीय संयम दिखाया और लगभग दोषरहित चौथे सेट में सिर्फ एक अंक गंवाकर स्कोर 110-110 पर बराबर कर दिया। निर्णायक सेट में उन्होंने दो परफेक्ट 10 और 9 के स्कोर के साथ अपनी हिम्मत बनाए रखी और रोमांचक अंत में क्राहे को एक अंक से पीछे छोड़ दिया। यह मधुरा का इस स्पर्धा में तीसरा पदक था। इससे पहले उन्होंने महिला टीम स्पर्धा में

रजत और अभिषेक वर्मा के साथ मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था, जो तीन साल बाद अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी में उनकी उल्लेखनीय वापसी थी। 24 वर्षीय मधुरा ने पहले कभी विश्व कप पदक नहीं जीता था, तीन साल बाद वापसी करते हुए प्रतियोगिता में अपनी दूसरी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। उनकी आखिरी उपस्थिति मेडेलिन में 2022 तीरंदाजी विश्व कप चरण 4 में थी। इससे पहले भारतीय मिश्रित तीरंदाजों ने यहां तीरंदाजी विश्व कप चरण 2 में टीम स्पर्धाओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। पदक दौड़ का मुख्य आकर्षण अभिषेक वर्मा, ओजस देवताले और ऋषभ यादव की पुरुष टीम का जीता गया स्वर्ण था, जिन्होंने तनावपूर्ण फाइनल में मैक्सिको को 232-228 से हराया। भारत ने पहले छोर पर लगभग दोषरहित 59 अंकों के साथ 2 अंकों की बढ़त लेते हुए जोरदार शुरुआत की, जबकि मैक्सिको ने 57 अंक बनाए।

दूसरे छोर पर मैक्सिको ने 58 अंकों के साथ वापसी की, जबकि भारत ने 56 अंकों के साथ मैच को आधे चरण में 115-115 से बराबर कर दिया। तीसरे दौर में भारत ने 58 का स्कोर करके फिर बढ़त हासिल की, जबकि मैक्सिको ने 57 का स्कोर बनाया, जिससे भारतीयों को 173-172 की मामूली बढ़त मिली।

जिला स्तरीय कलर बेल्ट में ताइक्वांडो के 35 खिलाड़ियों ने उत्तीर्ण की परीक्षा

एजेंसी

मुरादाबाद। लाजपत नगर स्थित थापा ताइक्वांडो एकेडमी में जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा जिला स्तरीय कलर बेल्ट परीक्षा आयोजित हुई। जिसमें थापा ताइक्वांडो एकेडमी के 35 खिलाड़ियों ने कलर बेल्ट प्रमोशन टेस्ट दिया। जिला ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि इस परीक्षा में येलो बेल्ट के लिए- दिवगुण, गुरकीरत, कनिका, कृषनया आनंद, नूर अफ़शा, समृद्धि, आयुष शर्मा, प्रिया, नित्या गुप्ता, आयुष खन्ना, मोहम्मद इमाद, श्रेणिका, अक्षरा गौतम, वैष्णा वर्मा, सिद्धार्थ सक्सेना, आरुष भारद्वाज आदि ने परीक्षा उत्तीर्ण की। ग्रीन बेल्ट के लिए-अव्यान रस्तोगी, वंश कुमार, अनुषा पराशर, दर्शिव सिकदर , नायरा सुनेजा, प्रज्ञान कौशिक, चिरायु आदि ने परीक्षा उत्तीर्ण की। ग्रीन वन बेल्ट के लिए अनिष्का अग्रवाल, प्रभात सिंघल, अक्षय बाजपाई, प्रतिभा बाजपाई, सान्वी सिंह ने उत्तीर्ण की। ब्लू बेल्ट के लिए- आलिया पाशा, खुशी शर्मा, ओम आदि ने उत्तीर्ण की। ब्लू वन बेल्ट के लिए-दिव्यांश राजौरी और प्रेरणा ने

उत्तीर्ण की। रेड बेल्ट के परीक्षा- आकांशा चौधरी और वैभव ने उत्तीर्ण की। परीक्षक के रूप में राष्ट्रीय रेफरी सुमित शर्मा ने कलर बेल्ट परीक्षा ली। इस मौके पर एकेडमी के हेड कोच केशव थापा तथा ट्रैनर यशोदा थापा, हाकेमीन हसीब , प्रियांशु रस्तौगी मौजूद रहे ।

पूर्वोत्तर रेलवे के हॉकी खिलाड़ी अतुलदीप ने जीता स्वर्ण पदक

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी मंडल के वाणिज्य विभाग में कार्यरत अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी अतुलदीप ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से रेलवे का नाम रोशन किया है। मार्शल ऑफ द एयर फोर्स अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट के छठे संस्करण (29 अप्रैल से 6 मई 2025 तक) में उन्होंने भारतीय रेलवे टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट वायुसेना के रघबीर सिंह भोला हॉकी स्टेडियम, चंडीगढ़ में आयोजित किया गया था। उसमें बारह टीमों ने भाग लिया। उनमें दो अन्य देशों की वायुसेना हॉकी टीमें भी शामिल थीं। फाइनल मुकाबले में भारतीय रेलवे की टीम ने रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला को 2 गोल (टाई ब्रेकर में 3-1) से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस बड़ी जीत में अतुलदीप को 'मैन ऑफ द मैच' तथा उनके साथी अमृतपाल सिंह को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' घोषित किया गया। विजेता टीम को 3 लाख और उपविजेता को 2 लाख की नकद राशि के साथ ट्रॉफी प्रदान की गई। वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी एयर मार्शल पी. के. घोष ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर पुरस्कार वितरित किए और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। गौरतलब है कि यह टूर्नामेंट

वायुसेना के महानायक मार्शल अर्जन सिंह, डीएफसी की स्मृति में आयोजित किया जाता है। उनका हॉकी के प्रति जुनून उल्लेखनीय था। भारतीय वायुसेना के इस पूर्व सैनिक ने हमेशा ही वायु योद्धाओं को एक ऐसे वीर के रूप में प्रेरित किया, जिन्होंने आगे रहकर नेतृत्व किया, चाहे वह युद्ध का मैदान हो या फिर खेल का मैदान हो। अतुलदीप बीते नौ वर्षों से भारतीय रेलवे एवं उत्तर प्रदेश की हॉकी टीम का अभिन्न हिस्सा हैं। वह पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी मंडल की ओर से लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते आ रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल का, बल्कि समूचे उत्तर प्रदेश का भी गौरव बढ़ाया है।

श्रीमंत झा ने एशियन पैरा-आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में जीता कांस्य, शहीदों को किया समर्पित

एजेंसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के भिलाई निवासी और एशिया के नंबर-1 पैरा-आर्म रेसलर श्रीमंत झा ने एक बार फिर देश का नाम रोशन कर दिया है। दिल्ली में आयोजित एशियन पैरा-आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप 2025 में +85 किलोग्राम कैटेगरी में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने कांस्य पदक अपने नाम किया। इस खास मौके पर श्रीमंत ने अपनी जीत भारत के शहीद जवानों को समर्पित की, जिससे देशवासियों की भावनाओं को गहराई से छू लिया। श्रीमंत झा अब तक 55 अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुके हैं। पदक जीतने के बाद उन्होंने कहा, 'हर एक मैच शहीदों के सम्मान के लिए खेलता हूं। ये मेरे लिए सिर्फ खेल नहीं, एक मिशन है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी नजर अब आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स पर है और वे भारत को और गौरवान्वित करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। श्रीमंत झा की कहानी सिर्फ खेल की नहीं, संघर्ष और संकल्प की मिसाल है। दोनों हाथों में केवल चार उंगलियां होने के बावजूद वे दुनिया के तीसरे नंबर के और एशिया के नंबर-1 पैरा-आर्म रेसलर हैं। उनका यह बृजमोहन सिंह, सचिव श्रीकांत और कृष्ण साहू ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं श्रीमंत झा का यह

जज़्बा लाखों युवाओं को प्रेरणा देता है। श्रीमंत की इस उपलब्धि पर पीपुल्स आर्म रेसलिंग फेडरेशन इंडिया की अध्यक्ष प्रीति झींझानी, छत्तीसगढ़ आर्म रेसलिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष जी.सुरेश बाबे, चेयरमैन मेडल न सिर्फ उनकी मेहनत का नतीजा है, बल्कि हर उस भारतीय का गर्व है, जो सीमाओं पर तैनात सैनिकों का आदर करता है। उनका अगला लक्ष्य अब विश्व चैंपियनशिप में भारत का परचम लहराना है।

महिला वनडे त्रिकोणीय सीरीज फाइनल में श्रीलंका से हार का बदला लेने उतरेगी टीम इंडिया

जेंसी

नई दिल्ली। खेले जाने वाले महिला एकदिवसीय ट्राई सीरीज़ फाइनल में भारतीय टीम का लक्ष्य ट्रिकी श्रीलंका के खिलाफ ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए खिताब जीतना होगा। भारत की टूर्नामेंट में अब तक की एकमात्र हार श्रीलंका के खिलाफ ही आई थी, लेकिन हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम सबसे प्रभावशाली रही और चार में से तीन मुकाबले जीतकर पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रही। श्रीलंका दो जीत और दो हार के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम सिर्फ एक जीत के साथ तीसरे पायदान पर रही। यह फाइनल मुकाबला दोनों टीमों के लिए एकदिनी वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज से भी अहम होगा। भारत की सफलता में सबसे बड़ा योगदान शानदार बल्लेबाज़ी का

रहा है। जेमिमा रोड्रिग्स ने 201 रन बनाए हैं, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 123 रन की शतकीय पारी शामिल है। प्रतीका रावल (164 रन), स्मृति मंधाना (148 रन) और दीप्ति शर्मा (126 रन) ने भी अहम पारियां खेली हैं।

खासकर दीप्ति का निचले क्रम में 93 रन की पारी टीम को मजबूती देने वाली रही। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने हालांकि अब तक कोई बड़ी पारी नहीं खेली, लेकिन पिछले तीन मुकाबलों में 41*, 30 और 28 रन की पारी ने संकेत दिए हैं कि वो फाइनल में धमाका कर सकती हैं। गेंदबाज़ी की बात करें तो स्नेह राणा 11 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज़ रही हैं, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच विकेट की शानदार पारी शामिल है। श्रीलंका की ओर से सबसे बड़ी उम्मीद हरशिथा समरविक्रमा होंगी, जिन्होंने भारत के खिलाफ लीग मैच में 61 गेंदों में 53 रन बनाकर अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने पिछले साल ञ्20 एशिया कप फाइनल में भी भारत के खिलाफ मैच जिताऊ पारी खेली थी। इस सीरीज़ में समरविक्रमा ने अब तक चार मैचों में दो अर्धशतक समेत 177 रन बनाए हैं।

कप्तान चमारी अटापट्टू ने अब तक बल्ले और गेंद से औसत प्रदर्शन किया है - चार मैचों में 88 रन और 5 विकेट। गेंदबाज़ी में देउमी विहांगा 9 विकेट लेकर श्रीलंका के लिए प्रभावी रही हैं, लेकिन भारतीय बल्लेबाज़ों ने उन्हें पहले मैचों में अच्छी तरह संभाला है।

रोमानिया में प्रग्गनानंद ने अब्दुसत्तोरोव को हराया

एजेंसी

बुखारेस्ट। भारत के आर प्रग्गनानंद ने उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर महत्वपूर्ण जीत दर्ज करने के साथ ग्रैंड शतरंज टूर के सुपरबेट शतरंज क्लासिक 2025 में संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है। 19 वर्षीय ग्रैंडमास्टर ने पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन अब्दुसत्तोरोव के गलत निर्णय का फायदा उठाया, जिन्होंने अपना डार्क-स्क्वायर बिशप बहुत जल्दी छोड़ दिया था। अन्य मैच में, भारतीय प्रतिभा डी गुकेश को रोमानिया के बोगदान-डैनियल डेक ने ड्रॉ पर रोक दिया। दोनों खिलाड़ियों ने मामूली अवसरों को गंवा दिया और तनावपूर्ण संघर्ष के बाद साझा अंक पर समझौता किया। इस बीच अमेरिका के नंबर 1 फैबियानो कारुआना ने फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को हराकर प्रागनानंदा के साथ बढ़त बना ली है। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने

अंतिम गेम में बाजी मारी, जिससे कारुआना को पूरा अंक मिल गया और वह स्टैंडिंग में 2/3 पर पहुंच गए। तीन राउंड पूरे होने के साथ, प्रागनानंदा और कारुआना 2-2 अंक लेकर लीडरबोर्ड में शीर्ष पर हैं। उनके पीछे 1.5 अंक वाले छह खिलाड़ियों का समूह है, जिसमें मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लिरेन भी शामिल हैं।

कोलिन्स ने इतालवी ओपन में मौजूदा चैंपियन स्वियाटेक को हराया

एजेंसी

रोम। अमेरिकी खिलाड़ी डेनियल कोलिन्स ने इतालवी ओपन के तीसरे दौर में मौजूदा चैंपियन इगा स्वियाटेक के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की। कोलिन्स ने विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी स्वियाटेक की खराब सर्विस का फायदा उठाते हुए पहले सेट में बढ़त हासिल की और फिर दूसरे सेट में ब्रेक डाउन से उबरते हुए 6-1, 7-5 से जीत दर्ज की।

पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन के खिलाफ नौ मैचों में यह उनकी दूसरी जीत थी और क्ले पर पहली जीत थी। 31 वर्षीय कोलिन्स का सामना चौथे दौर में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना या हमवतन हैली बैपटिस्ट से होगा, जबकि स्वियाटेक को अब 25 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन से पहले फिर से खेलना होगा। स्वियाटेक ने पिछले चार सत्रों

में से तीन में इतालवी ओपन जीता था, लेकिन रोम में इस साल के आयोजन से पहले उन्हें अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म के लिए संघर्ष करना पड़ा। 12 महीने पहले रोलाण्ड गैरोस में पांच वर्षों में अपना चौथा फ्रेंच ओपन महिला एकल खिताब जीतने के बाद से उन्होंने कोई डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट नहीं जीता है। स्वियाटेक की शुरुआत खराब रही, उन्होंने अपने पहले दो सर्विस गेम में ब्रेक पॉइंट का सामना करते हुए डबल फॉल्ट किया और अपना तीसरा गेम लव से गंवा दिया, वहीं 29वीं वरीयता प्राप्त कोलिन्स ने 5-0 की बढ़त बना ली थी। स्वियाटेक ने आखिरकार छठे गेम में बढ़त हासिल की, लेकिन चौथी बार उनकी सर्विस टूट गई और वे मात्र 24 मिनट में पहला सेट हार गई। उन्होंने दूसरे सेट के शुरुआती गेम में कोलिन्स की सर्विस तोड़ी, लेकिन फिर से ब्रेक हासिल नहीं कर पाईं। कोलिन्स ने दूसरे सेट के बाकी बचे गेम में बराबरी बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन 12वें गेम में उन्होंने वापसी की और मैच में छठी सर्विस ब्रेक हासिल कर जीत सुनिश्चित की।

आपको 60 की औसत रखनी है- विराट कोहली से ब्रायन लारा की भावुक अपील

नयी दिल्ली। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने भारतीय बल्लेबाजी के सुपरस्टार विराट कोहली से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के कथित फैसले को वापस लेने की सार्वजनिक अपील की है। यह अपील ऐसे समय में आई है जब कोहली के टेस्ट क्रिकेट भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। 35 वर्षीय कोहली ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सूचित किया है कि वह 20 जून से शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ भारत की आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहते हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी हार नहीं मानी है। बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि वे कोहली को टेस्ट क्रिकेट में बने रहने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं, खासकर तब जब इंग्लैंड दौरे के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का नया चक्र शुरू हो रहा है।

यूएई ने कतर को 163 रन से रौंदा

एजेंसी

बैंकॉक। कतर के खिलाफ महिला टी20 विश्व कप एशिया क्वालीफायर मुकाबले में यूएई ने पहले 16 ओवर में 192 रन बनाने के बाद समय बचाने के लिए बादलों से घिरे मौसम में अपनी पूरी बल्लेबाजी लाइन-अप को रिटायर करने का फैसला किया। यह कदम बाद में खेल में कारगर साबित हुआ, जब ईशा ओजा की टीम ने कतर को मात्र 29 रन पर आउट कर दिया, जिससे न उसे बड़ी जीत मिली बल्कि नेट रन रेट में भी बढ़त हासिल हुई।यूएई ने पहले बल्लेबाजी की और ओजा (113 रन 55 गेंद, 19 चौके) और तीर्था सतीश (74 रन,42 गेंदो 11 चौके) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत तेजी से रन बनाए। इस बीच बारिश की आशंका को देखते हुए कोच अहमद रजा के नेतृत्व में यूएई प्रबंधन ने 16 ओवर के बाद फैसला किया कि उनके पास खेलने के लिए पर्याप्त रन हैं। अगर यह प्रथम श्रेणी मैच होता, तो टीम शायद घोषणा कर सकती थी, लेकिन यह देखते हुए कि यह एक टी20 मैच

था, यूएई के पास ऐसा कोई विकल्प नहीं था। इसके बाद एशियाई टीम ने एक अनोखा रणनीतिक फैसला लिया, जिसमें उन्होंने अपने सभी बल्लेबाजों को 'पैड अप' करने के लिए कहा और उन्हें रिटायर करने का फैसला किया। यूएई ने 12वें ओवर के भीतर ही कतर की टीम को आउट कर दिया और 163 रनों से शानदार जीत हासिल की।यह जीत यूएई की एशिया क्वालीफायर इवेंट में लगातार दूसरी जीत थी और इस जीत ने उन्हें इवेंट के सुपर थ्री चरण में आगे बढ़ने के लिए तैयार कर दिया। टूर्नामेंट के ग्रुप चरण से तीन विजेता सुपर थ्री चरण में आगे बढ़ते हैं, और फिर शीर्ष दो टीमें अगले साल की शुरुआत में ग्लोबल क्वालीफायर में आगे बढ़ती हैं।

वह सफल रहे, शानदर नहीं : रोहित शर्मा के टेस्ट करियर पर बोले इंग्लैंड के दिग्गज

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने भारतीय बल्लेबाज और कप्तान रोहित शर्मा के टेस्ट करियर का आकलन करते हुए कहा कि उनके आंकड़े उन्हें एक सफल, लेकिन पूरी तरह से शानदार नहीं खिलाड़ी बनाते हैं। यह बयान रोहित के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद आया। रोहित ने 7 मई को 11 साल और 67 टेस्ट के करियर के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। यह घोषणा इंग्लैंड दौरे से पहले हुई, जो 20 जून से भारत के आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की शुरुआत करेगा। एथरटन ने कहा कि रोहित का सर्वश्रेष्ठ प्रारूप वनडे क्रिकेट है, जहां वह सबसे महान सलामी बल्लेबाजों में शुमार हैं। उनका टेस्ट करियर दो हिस्सों में बंटा रहा। लंबे समय तक उन्हें मौका नहीं मिला और अंत में 40 से कुछ ऊपर की औसत और 12 शतकों के साथ यह एक सफल रिकॉर्ड है, लेकिन शानदार नहीं। रोहित ने नवंबर 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया और 67 टेस्ट में 40.57 की औसत से 4,301 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 212 था, जो 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आया। वह भारत के 16वें सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनका टेस्ट करियर 2013 में कोलकाता में

वेस्टइंडीज के खिलाफ 177 रनों की पारी के साथ शुरू हुआ। शुरुआती सालों में, खासकर विदेशी दौरों पर, रोहित को लंबे प्रारूप में अपनी जगह पक्की करने में मुश्किल हुई। 2013-18 तक, उन्होंने 27 टेस्ट में 39.63 की औसत से 1,585 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और 10 अर्धशतक थे। दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (स्श्वह्न) जैसे देशों में उनकी बल्लेबाजी संघर्ष करती रही। डब्ल्यूटीसी के 40 टेस्ट में उन्होंने 41.15 की औसत से 2,716 रन बनाए, जिसमें 9 शतक और 8 अर्धशतक शामिल हैं। एथरटन ने रोहित के संन्यास पर सवाल उठाया कि क्या यह उनका अपना फैसला था या खराब फॉर्म के कारण चयनकर्ताओं का दबाव था। रोहित ने अपने आखिरी आठ टेस्ट में केवल 164 रन बनाए, जिसमें एक अर्धशतक शामिल था। एथरटन ने कहा कि रोहित की घोषणा से एक दिन पहले खबर थी कि चयनकर्ता आगे बढ़ने का फैसला कर चुके हैं। यह अटकलें हैं, लेकिन संन्यास का फैसला आश्चर्यजनक नहीं था। कप्तान के तौर पर हार और खराब फॉर्म का संयोजन घातक होता है। रोहित की कप्तानी में भारत ने हाल के 6 में से 5 टेस्ट हारे, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 2 हार शामिल हैं। एथरटन ने निष्कर्ष निकाला कि यह किसी भी कप्तान के लिए मुश्किल स्थिति है।

परफैक्ट फिगर के लिए आसन

आज महिलाएं अपने सौंदर्य के प्रति जागरूक हो गई हैं और खूबसूरती के लिए आकर्षक फिगर होनी जरूरी है अर्थात छरहरे दिखना और 36-24-36 का कर्वी फिगर पाना। पतला दिखने के चक्कर में वे डाइटिंग का सहारा लेती हैं जिससे आकर्षक दिखने की अपेक्षा बीमार नजर आने लगती हैं।

त्वचा आभाहीन हो जाती है और आंखों के नीचे काले घेरे नजर आने लगते हैं। आकर्षक फिगर का अर्थ है कि आपके शरीर पर अधिक चर्बी न हो। अधिक चर्बी न होने पर आप छरहरी नजर आती हैं और सब के आकर्षण का केन्द्र बन जाती हैं। इसलिए डाइटिंग के जरिए पतली कमर और कर्वी फिगर के सपने को पूरा करने की अपेक्षा योगासनों को अपनाएं, जिनकी मदद से न सिर्फ आप अपने शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम कर सकती हैं, बल्कि इससे आपका शरीर अधिक लचीला और मजबूत होगा। कर्वी फिगर बनाने के लिए शरीर के तीन हिस्सों की टोनिंग पर ध्यान दें-चौड़े कंधे, पतली कमर और कमर के सुडौल निचले हिस्से। इसके लिए आप ऐसे आसनों को रूटीन में करें जो आपके शरीर को परफैक्ट शेप देने में मददगार हो सकते हों।

भुजंगासन

इस आसन से पेट की चर्बी कम होती है, कमर पतली होती है और कंधे चौड़े व बाजू मजबूत होते हैं। शरीर को लचीला और सुडौल बनाने में इसका बहुत महत्व है।

- पहले पेट के बल सीधा लेट जाएं और दोनों हाथों को माथे के नीचे रखें।
- दोनों पैरों के पंजों को साथ रखें।
- अब माथे को सामने की ओर उठाएं और दोनों बाजुओं को कंधों के समानांतर रखें जिससे शरीर का भार बाजुओं पर पड़े।
- अब शरीर के ऊपरी हिस्से को बाजुओं के सहारे उठाएं।
- शरीर को स्ट्रेच करें और लंबी सांस लें।
- कुछ पल इसी अवस्था में रहने के बाद वापस पेट के बल लेट जाएं।

सेहत के लिए अनमोल नुस्खे

- सोयाबीन के अधिक सेवन से स्तन कैंसर नहीं होता अत- अपने दैनिक आहार में सोयाबीन के बने पदार्थों का अधिक सेवन करना चाहिए।
- नियमित रूप से जुकाम की शिकायत रहने पर दूब की कोंपलों को तोड़कर उसे चटनी के समान पीस लीजिए और शहद के साथ प्रतिदिन रात्रि में लीजिए। जुकाम एकदम गायब हो जाएगा।
- पेट की किसी भी तरह की शिकायत होने पर गाढ़ा दूध का दलिया, कच्चा नारियल, पेठा व रसगुल्ला खाइए। पेट की बीमारी आपके कब्जे में होगी।
- स्तन पर अनचाहे बालों के होने को गंभीरता से लीजिए। उन्हें काटिए नहीं बल्कि मूंग दाल के उबटन से हल्का-हल्का मसाज करते हुए नियमित प्रयोग से हटा लें। यह ग्रंथि रोग के कारणों से होता है।
- बेर के पत्तों को पीसकर पानी में मथने से जो झाग उठता है, उस झाग को सिर में लगाने से बाल झड़ने बंद हो जाते हैं।
- अदरक के एक किलो रस में 500 ग्राम तिल का तेल मिलाकर गर्म करिए और जब केवल तेल बचा रहे, उतार कर छान कर बोतल में रखकर बंद कर रख दीजिए। इस तेल से उस अंग पर मालिश कीजिए जहां कहीं भी दर्द होता है।

रिंग फिंगर से करें वजन कम

सूर्य और यूरेनस ग्रह ऐसे हैं, जिनसे स्वास्थ्य प्रभावित होता है। यूरेनस अंतःज्ञान और बदलाव का प्रतीक है। ऐसे में सूर्य मुद्रा हमारे भीतर के अग्नि तत्व को संचालित करती है। अनामिका सूर्य की अंगुली है, जिसे हम रिंग फिंगर भी कहते हैं। इससे वजन कम होता है।

सूर्य मुद्रा की विधि

सूर्य की अंगुली को हथेली की ओर मोड़कर उसे अंगूठे से दबाएं। बाकी बची तीनों अंगुलियों को सीधा रखें। इसे सूर्य मुद्रा कहते हैं।

मुद्रा के लाभ

- इस मुद्रा का रोज दो बार 5 से 15 मिनट के लिए अभ्यास करने से शरीर का कोलेस्ट्रॉल घटता है।
- वजन कम करने के लिए यह आसान क्रिया चमत्कारी रूप से कारगर पाई गई है।
- पेट संबंधी रोगों में भी यह मुद्रा बहुत लाभदायक है।
- यह जठराग्नि को संतुलित करके पाचन संबंधी तमाम समस्याओं से छुटकारा दिलाती है।
- इसे नियमित करने से बेचैनी और चिंता कम होकर दिमाग शांत बना रहता है।
- यह मुद्रा शरीर की सूजन मिटाकर उसे हल्का और चुस्त-दुरुस्त बनाती है।

ओमेगा-थ्री से बच्चे रहेंगे स्वस्थ

क्या आप बच्चों को ओमेगा-थ्री देते हैं। अगर नहीं तो आज से ही देना प्रारंभ कर दें। इससे बच्चे न केवल हेल्दी होंगे वरन् उनका संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

हम जानते हैं कि हमारे शरीर की जरूरत है अच्छे विटामिन की। पर्याप्त ठोस आहार लेने से हमारे शरीर में आवश्यक पोषण पहुंचता है। बच्चों के अच्छे पोषण के लिए मछली के तेल ओमेगा का सेवन बहुत अच्छा रहता है। मछली के तेल की खुराक के लिए अक्सर उनके रक्त में ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने और अन्य स्वास्थ्य लाभ अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर में वृद्धि होती है।

बच्चों के लिए मछली तेल

बच्चों को माता-पिता मछली से उत्पादित कोई भी दवा या अन्य चीज नहीं देते, जिससे उनको संपूर्ण आहार मिल सके। मछली तेल ओमेगा-थ्री से बहुत सारे लाभ हैं।

एकाग्रता और याददाश्त में सुधार

मछली तेल के उपयोग से बच्चों में एकाग्रता में सुधार होता है। यह तेल बच्चों की स्मृति समस्याओं को दूर हटाने में एक वरदान है। मछली के तेल में ओमेगा-3 एसिड अल्पकालिक स्मृति हानि के जोखिम को कम करता है।

सीखने की क्षमता बेहतर: मछली के तेल के सेवन से बच्चों की शिक्षा पर उच्च प्रभाव पड़ता है। उनकी याददाश्त क्षमता तेजी से बढ़ती है।

रहता है दिमाग स्वस्थ

देश में मछली का तेल बहुतायत मात्रा में आता है। कई नामी गिरामी कंपनियां यह प्रॉडक्ट बेचती हैं। आप डॉक्टर से परामर्श लेकर बच्चों को रोजाना एक से दो चम्मच तेल नाश्ते या खाने में दे सकते हैं। जिससे बच्चे का दिमाग स्वस्थ रहेगा।

करता है आहार पूर्ति

मछली का तेल पूरे आहार की पूर्ति करता है। चिकित्सकों के अनुसार एडीएचडी-ओमेगा-थ्री स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहतर है।

कोकीन को दूर हटाता है प्रोप्रानोलॉल

जानवरों पर किए गए प्रयोग से यह साबित होता दिख रहा है कि उच्च रक्तचाप और अवसाद के मरीजों को दी जाने वाली प्रचलित दवा प्रोप्रानोलॉल कोकीन की लत छुड़ाने में मददगार हो सकती है।

मालूम हो कि कोकीन दुनिया के सबसे खराब नशीले पदार्थों में एक है। इसकी गिरफ्त में आए व्यक्ति को इससे निजात पाने में सालों लग जाते हैं और 80 फीसदी लोग ऐसे होते हैं, जो इसे छोड़ने का प्रयास करने के दौरान छह महीने के भीतर बहुत बुरी स्थिति में पहुंच जाते हैं।

चिकित्सा विज्ञान के मशहूर जर्नल न्यूरोसाइकोफार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा पहली बार साबित हुआ है कि कोकीन के सेवन की आदत से जुड़ी याददाश्तों को चिकित्सकीय उपचार के माध्यम से खत्म किया जा सकता है। इस आदत की याददाश्तों के जेहन में लौटने के कारण ही इसके आदी हो चुके व्यक्ति को इसकी लत की याद आती है और ऐसे वक्त कोकीन नहीं मिलने से उसकी दशा बेहद खराब हो जाती है। इस सम्बंध में जारी शोध में शामिल डेविन म्युलर ने कहा, एफडीए द्वारा मंजूरी प्राप्त दवा कोकीन की लत छुड़ाने के लिए लोगों को दी जाती रही है। यह दवा इस लत को छुड़ाने के लिए तो प्रभावी रही है, लेकिन इससे इस लत को छोड़ने के प्रयास के दौरान जब इसके आदी व्यक्ति की हालत खराब होती है, तब यह दवा बेअसर साबित होती है। दूसरी ओर म्युलर बताते हैं कि प्रोप्रानोलॉल का सकारात्मक प्रभाव कोकीन छोड़ने का प्रयास कर रहे व्यक्ति के शरीर पर दीर्घकाल तक दिखता है। कई मामलों में यह स्थायी भी हो सकता है, क्योंकि इस दवा के नियमित सेवन के बगैर भी मरीज कोकीन के दुष्प्रभावों से निजात पा सकता है।

पलकों को प्रभावित करता है ब्लेफेरायटिस

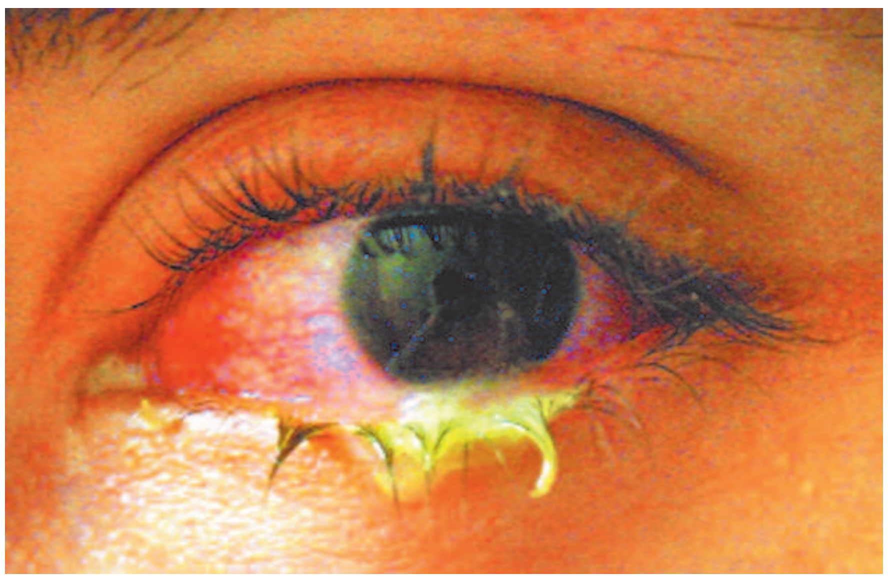

ब्लेफेरायटिस पलकों के किनारे और बरोनियों की केश पुटिका को प्रभावित करता है। ब्लेफेरायटिस एक आम और कभी-कभी लंबा चलने वाला विकार है, जो प्रायः वयस्क व बच्चों को भी प्रभावित कर सकता है। शिकायत होने पर आप तुरंत डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं।

आपकी त्वचा पर रोससेया या तेल वाली त्वचा पर डेंड्रफ और सूखी आंख से ग्रस्त होते हैं उन्हें इस समस्या होने की ज्यादा संभावना रहती है। पलकों की ग्रंथि जो की बहुत सारा तेल नहीं बना रही हो उनमें ब्लेफेरायटिस जीवाणु का संक्रमण शुरू हो सकता है। यह दशा अत्यधिक संक्रामक नहीं होती है।

बीमारी का पूर्वानुमान

ब्लेफेरायटिस की ज्यादातर दशा में सुधार तुरंत चालू हो जाता है, अगर एक बार उपचार चालू हो जाए। प्राय: उपचार लंबे समय के लिए चलना चाहिए या समय-समय पर दोहराते रहना चाहिए। ब्लेफेरायटिस दृष्टि में स्थाई नुकसान नहीं करता है।

सम्भावित अवधि

ब्लेफेरायटिस एक चिरकालिक दशा है, जो स्थाई रूप से इलाज करना मुश्किल है, लेकिन ज्यादतर दशा में सही उपचार लक्षण को नियंत्रित कर देता है और दशा को नियंत्रण में रखता है। साथ ही लक्षण समय के साथ बदलते रहते हैं। लंबे समय के लिए गायब हो सकते हैं, वह भी लौटने से पहले महीनों या सालों लग सकते हैं।

ऐसे करें बीमारी से बचाव

पलकों की साफ-सफाई ब्लेफेरायटिस के निर्माण में मदद कर सकता है और प्राय: दशा को नियंत्रित कर सकता है। अगर आपको यह शिकायत है तो आप डॉक्टर के परामर्श पर इलाज शुरू कर सकते हैं।

डॉक्टर से कब सम्पर्क करें

- पलकों या आंख के आसपास की त्वचा में उत्तेजना होने लगे।
- लाल खुजली वाली आंख।
- पलकों के आस पास पपड़ी बन जाए।
- आंखें खुजली करती रहने पर।
- आंखों में लगातार जलन होने पर।
- ऐसा मेहसूस करना कि आपकी आंख में कुछ है, जब आप पलक झपकते हों।
- लाल सूजी सी आंखें होने पर।
- बरोनिया का न होना या बरोनिया का अंदर की तरफ मुड़ना।
- पलकों के किनारे में खुजली होना या किनारे की त्वचा का टूटना।
- अत्यधिक आंसू निकलना।

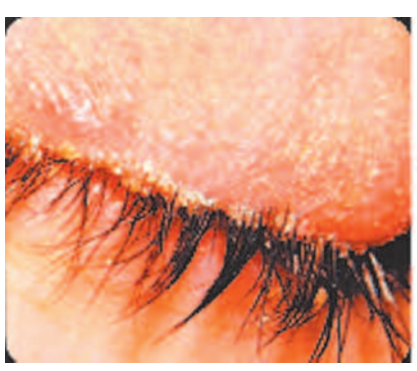

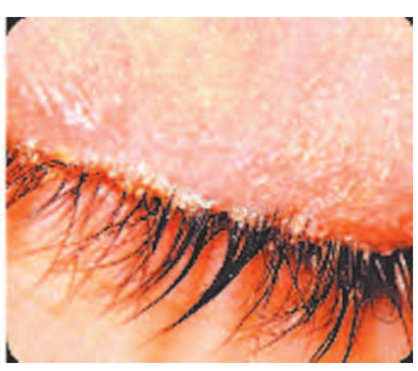

फिल्म की तरह लग रहा है...भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच

जान्हवी कपूर

ने जताई चिंता, भारतीय सेना को भी किया सलाम

भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति दिन-बा-दिन खराब होती जा रही है. दोनों ही देशों से हमले किए जा रहे हैं. हालांकि, अगर ऐसा ही चलता रहा तो जल्द ही दोनों देशों में जंग छिड़ जाएगी. ये सब शुरू हुआ 22 अप्रैल को, जब आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में मासूमों पर हमला किया और उन्हें मौत के घाट उतार दिया. इस घटना के कुछ दिन बाद भारत ने पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला किया. जिसके बाद से पाकिस्तान भी भारत पर हमले की कोशिश में लगा हुआ है. हालांकि, इस स्थिति से लोगों में डर का माहौल भी बना हुआ है.बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने भी सोशल मीडिया के जरिए दोनों देशों में चल रहे तनाव के बीच अपने डर को जाहिर किया है. दरअसल, जब से भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर अटैक कर कई आतंकियों को मार गिराया. इसके बाद ही पाकिस्तान की तरफ से भारत के कई हिस्सों पर हमला किया था. इस पूरी घटना पर बात करते हुए जान्हवी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की, जिसमें उन्होंने लिखा कि न्यूज चैनल और सोशल मीडिया देखकर लग रहा है कि हम किसी फिल्म से निकले हैं.

घबराहट हुई महसूस

जान्हवी ने आगे कहा कि मैंने अभी तक की अपनी जिंदगी में भारत में ऐसा कुछ होते नहीं देखा है. एक्ट्रेस ने अपनी फीलिंग्स के बारे में बात करते हुए लिखा कि उन्होंने इस तरह की स्थिति देखकर ऐसी घबराहट महसूस की है, जैसा उन्होंने पहले कभी एक्सपीरियंस नहीं किया है. आगे एक्ट्रेस ने लिखा कि ऐसे वक्त में उन सभी समय की याद आई जब बाहरी देशों में किसी भी तरह की तकरार पर हम सेफ जगह से उसे खत्म करने की बात करते हैं. पर इस बार ये हमारे ही दरवाजे पर आ गया है.

हम अटैक नहीं करते

एक्ट्रेस ने देश के बारे में बात करते हुए लिखा कि इतिहास से, कभी भी आक्रामक नहीं रहे हैं. हम अटैक नहीं करते, हम उन जगहों और लोगों पर खुद को थोपते नहीं हैं जो हमारा स्वागत नहीं करते, हम भारत हैं. अपनी सुरक्षा के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने भारतीय सेना को शुक्रिया अदा किया है.

साथ ही साथ निर्दोषों को इस जंग से बचाए रखने की कामना भी की है. अभी की स्थिति की बात करें, तो भारत के कई इलाकों में पूरे तरीके से ब्लैकआउट का आदेश दे दिया है.

अनुपम खेर की 'तन्वी द ग्रेट' में नजर आएंगी पल्लवी जोशी, निभाएंगी ये खास किरदार

अनुपम खेर पिछले 4 दशकों से भी ज्यादा समय से लोगों को एंटरटेन करते हैं. वो हर बार अपनी उम्दा अदाकारी के जरिए लोगों के दिलों पर छा जाते हैं. पिछले कुछ समय से वो अपनी अपकमिंग फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' को लेकर सुर्खियों में चल रहे हैं, जिसमें बॉलीवुड के कई बड़े सितारे नजर आने वाले हैं. 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म की एक्ट्रेस पल्लवी जोशी अनुपम खेर की पिक्चर का हिस्सा हैं.अनुपम खेर ने 'तन्वी द ग्रेट' को डायरेक्ट किया है. उनकी इस फिल्म में जैकी श्रॉफ, बोमन ईरानी जैसे बड़े स्टार्स दिखने वाले हैं. 10 अप्रैल को सोशल मीडिया पर उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि पल्लवी जोशी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. उनके कैरेक्टर का नाम विद्या रैना है और उनका ये किरदार काफी खास होने वाला है.

अनुपम खेर ने की पल्लवी जोशी की तारीफ

अनुपम खेर ने एक लंबा-चौड़ा नोट भी लिखा और पल्लवी जोशी की तारीफ की है. उन्होंने कहा, मैं पल्लवी जोशी का प्रशंसक रहा हूं. वो टीवी की असली डिवा हैं. उनका सिनेमा की दुनिया में कदम रखना हमारी इंडस्ट्री के लिए तोहफा है. वो बहुत सिलेक्टिव तरीके से अभिनय करती हैं, लेकिन जब भी वो स्क्रीन पर होती हैं तो 100 प्रतिशत तय होता है कि एक नेशनल अवॉर्ड आने वाला है. उनके इमोशन की रेंज की कोई लिमिट नहीं है.

अनुपम खेर ने आगे लिखा, तन्वी द ग्रेट में उनका किरदार दया, बलिदान और शक्ति का प्रतीक है. वो उन शानदार एक्ट्रेसेस में से हैं, जिनके साथ मैंने काम किया है. प्रिय पल्लवी आपके सपोर्ट के लिए आपका शुक्रिया. आपके साथ काम करना मेरे लिए सीखने का अनुभव रहा है. हमारी भारतीय सेना के लिए आपकी समझ दिल को छू लेने वाला और संक्रामक है. जय हिंद.

जैकी श्रॉफ का खास किरदार

कुछ समय पहले अनुपम खेर ने जैकी श्रॉफ को भी इंट्रोड्यूस किया था. वो इस फिल्म में सेना में ब्रिगेडियर जोशी का किरदार निभाने वाले हैं. जब से अनुपम खेर ने इस फिल्म की घोषणा की है, उसके बाद से ही इस पिक्चर की काफी चर्चा हो रही है. फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. हालांकि. अभी रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है.

13 साल छोटे अक्षय कुमार के प्यार में पागल थीं रेखा? इस मशहूर एक्ट्रेस ने बताया था दोनों के रिश्ते का सच

रेखा और अक्षय कुमार दोनों ही हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकार हैं. रेखा ने 70 के दशक में अपनी शुरुआत की और 90 के दशक तक छाईं रहीं. जबकि 90 के दशक में डेब्यू करने वाले अक्षय कुमार अब भी हिंदी सिनेमा में काम कर रहे हैं. अक्षय और रेखा को इस दौरान साथ काम करने का मौका भी मिला और तब दोनों के अफेयर की अफवाह भी उड़ी थी.

अक्षय कुमार और रेखा दो अलग-अलग दौर के कलाकार हैं. दोनों के बीच उम्र में 13 साल का फासला है. दिग्गज एक्ट्रेस रेखा 'खिलाड़ी कुमार' से 13 साल बड़ी हैं. हालांकि, फिर भी जब दोनों ने साथ में फिल्म 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' में स्क्रीन शेयर की थी तो दोनों को लेकर कहा गया कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. हालांकि, बाद में मशहूर एक्ट्रेस रवीना टंडन ने दोनों के रिश्ते की सच्चाई उजागर की थी.

शादी करने वाले थे अक्षय-रवीना

अक्षय कुमार का शिल्पा शेट्टी के साथ अफेयर काफी चर्चा में रहा. लेकिन, ब्रेकअप के बाद एक्टर की लाइफ में रवीना टंडन की एंट्री हुई. दोनों ने चोरी छिपे सगाई भी कर ली थी. लेकिन, ये रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चल सका और साल 1998 में दोनों अलग हो गए थे. इसके बाद अक्षय ने ट्विंकल खन्ना को डेट करना शुरू किया था.

रवीना ने तोड़ी थी रेखा-अक्षय के रिश्ते पर चुप्पी

जब अक्षय और रवीना रिश्ते में थे तब ही दोनों को रेखा के साथ साल 1996 में आई फिल्म 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' में काम करने का मौका मिला था. बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी. इसमें अक्षय और रेखा के बीच इंटीमेट सीन भी देखने को मिले थे. इसके चलते अक्षय और रेखा के अफेयर की खबरों को और भी ज्यादा बल मिलने लगा था.

लेकिन रवीना ने एक इंटरव्यू में इन अफवाहों को खारिज कर दिया था.जब रेखा और अक्षय के कथित अफेयर की खबरें सुर्खियां बटोर रही थीं तब रवीना, अक्षय के साथ सीरियस रिलेशनशिप में थीं. उन्होंने बताया था कि इन अफवाहों का उनके रिश्ते पर गहरा असर पड़ा था. रवीना ने एक इंटरव्यू में कहा था, मुझे नहीं लगता कि अक्षय का कभी रेखा से कोई लेना-देना था. असल में वो उनसे दूर भागते थे.

सोहा अली खान

से झगड़े के बीच बाथरूम चले जाते हैं कुणाल खेमू, वजह सुन छूट जाएगी हंसी

बॉलीवुड फिल्मों में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट करियर की शुरुआत करने वाले कुणाल खेमू आज पटौदी खानदान के दामाद हैं. पटौदी फैमिली के नवाब सैफ अली खान की छोटी बहन सोहा अली खान के साथ कुणाल खेमू ने शादी की थी. कई साल डेट करने के बाद दोनों ने शादी की और आज एक बेटी के पैरेंट्स हैं. कुणाल और सोहा के बीच बहुत प्यार है, लेकिन ये प्यार कभी-कभी नोक-झोंक में भी बदल जाता है.इसके बारे में कुणाल खेमू ने एक इंटरव्यू में बताया था, जब वो 'द कपिल शर्मा शो' में बतौर गेस्ट बनकर पहुंचे थे. यहां कुणाल ने कहा था कि जब उनका और सोहा का झगड़ा होता है, तो उनकी इंग्लिश एक्टर को समझ ही नहीं आती.

कैसा होता है कुणाल खेमू का सोहा अली खान से झगड़ा ?

शो में कपिल शर्मा ने एक्टर से पूछा, 'कुणाल आपके बारे में एक अफवाह ये भी है कि सोहा की इंग्लिश समझने के लिए आप एक इंग्लिश डिक्शनरी रखते हैं.' इसपर एक्टर ने जवाब में कहा था, 'डिक्शनरी नहीं रखता हूं, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि जब भी हम झगड़ते हैं तो वो इंग्लिश में बोलती है और मैं हिंदी में झगड़ता हूं. "एक बार ऐसा हुआ कि एक बड़ा वर्ड उसने मेरी तरफ फेंका, जो मुझे बिल्कुल भी समझ नहीं आया. मुझे लगा कि अभी गुस्सा करूं या ना करूं, फिर मैंने बोला एक सेकेंड और मैं बाथरूम में गया मोबाइल निकाला, गूगल पर चेक किया कि उसने मुझे क्या कहा था. फिर मैंने कहा चलो ये ठीक है अब आगे बढ़ते हैं. तो मेरी वोकैबलरी उसकी वजह से काफी अच्छी हो गई है.'

सोहा अली खान से कुणाल खेमू की शादी कब हुई ?

इसी वीडियो में कुणाल खेमू ने बताया था कि सोहा अली खान लंदन के ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़ी हैं, इसलिए उनकी इंग्लिश अच्छी है और वो ज्यादातर इंग्लिश में ही बात करती हैं. लेकिन कुणाल मुंबई में पढ़े हैं और उनकी इंग्लिश लोकल वाली ही है, जो काम चलाने के लिए काफी है.

46 साल की सोहा अली खान दिवंगत मंसूर अली खान पटौदी और दिग्गज एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर की छोटी बेटी हैं. सोहा ने कुछ बॉलीवुड फिल्मों में काम भी किया है और आज भी वो इंडस्ट्री में एक्टिव हैं.